हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,सोमवार | 22 जुलाई 2024 | वर्ष:02 अंक:71 | पृष्ठ-12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

धर्मेंद्र प्रधान की हो गिरफ्तारी

एजेंसी

कोलकाता में टीएमसी की रैली का आयोजन हुआ है. इस रैली में पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा. बनर्जी ने कहा कि बीजेपी ने बंगाल को मिलने वाले सभी फंड रोक दिए हैं. जनता ने उन्हें लोकसभा चुनाव में सबक सिखाया. उन्होंने कहा था 'अबकी बार 400 पार', लेकिन 240 पर रुक गए. उन्होंने टीएमसी के खिलाफ ईडी, सीबीआई का इस्तेमाल किया, लेकिन जीत नहीं मिली. संदेशखली इसका उदाहरण है. बनर्जी ने आरोप लगाया कि बीजेपी ने फर्जी कहानी गढ़ी, लेकिन संदेशखली के लोगों ने हमारा साथ दिया. बीजेपी ने संदेशखली को बंगाल को बदनाम करने के हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया. इसी लोकसभा सीट पर भाजपा 3.50 लाख वोटों से हार गई. धर्मेंद्र प्रधान को किया जाना चाहिए गिरफ्तार - अभिषेक बनर्जीकोलकाता में टीएमसी की रैली में पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि 21 जुलाई 2022 के एक दिन बाद ईडी ने पार्थ चटर्जी के घर पर छापा मारा और उन्हें गिरफ्तार कर लिया. हम किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं बचाते, जिसने गलती की हो. हम अन्याय की अनुमति नहीं देते, लेकिन अगर एसएससी-टीईटी घोटाले में पार्थ चटर्जी के घर पर केंद्रीय एजेंसियां ??कार्रवाई कर सकती हैं।

औरंगजेब के फैन, उद्धव ठाकरे, शरद पवार और राहुल गांधी पर जमकर बरसे अमित शाह,

कहा- चूर-चूर हो जाएगा इनका घमंड

अमित शाह ने कहा कि देश की सुरक्षा को औरंगजेब की फैन क्लब सुनिश्चित नहीं कर सकती और सभी भ्रष्टाचारी एक ही सुर में गाना गा रहे हैं.

एजेंसी

महाराष्ट्र: बीजेपी के महाराष्ट्र अधिवेशन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार और शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे पर एक साथ हमला किया. एक तरफ जहां उन्होंने शरद पवार को राजनीतिक भ्रष्टाचार का सरगना करार दिया तो उद्धव ठाकरे को औरंगजेब का फैन बताया. वहीं, उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में राहुल गांधी का घमंड भी चूर-चूर हो जाएगा.उद्धव ठाकरे पर हमला करते हुए अमित शाह ने कहा, ह्लदेश की सुरक्षा को औरंगजेब फैन क्लब सुनिश्चित नहीं कर सकती. उद्धव ठाकरे औरंगजेब फैन क्लब के नेता हैं. उद्धव ठाकरे पीएफआई समर्थकों के गोद में बैठे हैं, जाकिर नाईक को मैसेंजर ऑफ पीस कहने वालों के समर्थकों के गोद में बैठे हैं. उद्धव ठाकरे को शर्म आनी चाहिए.शरद पवार राजनीतिक भ्रष्टाचार के सरगनाअमित शाह ने शरद पवार पर हमला करते हुए कहा, ह्लपवार साहब नए नए इल्यूजन खड़े कर रहे हैं. जब जब भाजपा सरकार महाराष्ट्र में आती है, मराठा को आरक्षण प्राप्त होता है. जब जब श?द पवार की सरकार आती है मराठा आरक्षण समाप्त हो जाता है. शरद पवार भारतीय राजनीति में भ्रष्टाचार के सबसे बड़े सरगना हैं. राजनीति में भ्रष्टाचार को संगठनात्मक रूप देने का काम किया है शरद पवार ने. ये भ्रम फैलाकर चुनाव जीतना चाहते हैं. एक बार महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड का चुनाव हम जीत लेते हैं तो राहुल गांधी का घमंड चूर-चूर हो जाएगा.लोकसभा चुनाव के नतीजों पर क्या बोले अमित शाह?उन्होंने कहा, ह्लदो बच्चे थे, एक ही क्लास में पढ़ाई करते थे. एक बच्चा हमेशा 80% मार्क्स से पास होता था, क्लास में नंबर वन आता था, तीसरी बार उसने लक्ष्य तय किया कि 80% नहीं 90% लाऊंगा. दूसरा जो विद्यार्थी था, 4 साल से उसी कक्षा में था, वो पास नहीं कर पा रहा था. उसके 20% मार्क्स आ रहे थे और उसने लक्ष्य रखा कि मैं इस बार 30% लाऊंगा, उसने पास होने का लक्ष्य नहीं रखा, बल्कि 30% मार्क्स लाने का लक्ष्य रखा. जब परिणाम आया तो जिसने 90% का लक्ष्य रखा था, उसके 80 की जगह 78% मार्क्स आए और दूसरे विद्यार्थी को 20% की जगह 25% आ गये. अब आप बताइए कि किस विद्यार्थी का परिणाम अच्छा है?अमित शाह ने राहुल गांधी पर हमला करते हुए कहा, ह्लमैंने पहली बार ऐसा देखा है कि 30% मार्क्स का लक्ष्य तय करने वाला 25% मार्क्स लेकर अहंकार में आ गया. जीतने के बाद अहंकारी होने के कई उदाहरण हैं।

लोकसभा चुनाव में इस राज्य से मिली करारी हार तो कांग्रेस ने उठाया बड़ा कदम

एजेंसी

ओड़िशा: विधानसभा और लोकसभा चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस ने अपनी राज्य इकाई को पूरी तरह से भंग कर दिया है. यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि प्रदेश में पार्टी को नए तरीके से पुनर्जीवित करने पर काम किया जा सके. हाल ही में लोकसभा और विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी का यहां काफी खराब प्रदर्शन रहा था. जिसके बाद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने रविवार (21 जुलाई) को ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भंग करने का ऐलान किया.कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनावों में पार्टी के खराब प्रदर्शन के कुछ दिन बाद ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) को भंग कर दिया. अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने एक बयान में कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ओपीसीसी को भंग करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसमें पीसीसी अध्यक्ष समेत अन्य पदाधिकारियों और कार्यकारी समिति के अलावा जिला, प्रखंड और मंडल स्तर की कांग्रेस कमेटी, संगठनों, विभागों, प्रकोष्ठों को तत्काल प्रभाव से पूर्ण रूप से भंग करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है. इसके साथ ही ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यकारी समिति, जिला/ब्लॉक/मंडल कांग्रेस समितियां, फ्रंटल संगठन, विभाग और प्रकोष्ठ तत्काल प्रभाव से भंग कर दिए जाएंगे. साथ ही कहा गया है कि नए जिला कांग्रेस अध्यक्षों की नियुक्ति होने तक मौजूदा अध्यक्ष कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में काम करेंगे. अब तक शरत पटनायक ओडिशा प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष थे.ओडिशा में विधानसभा और लोकसभा में कांग्रेस का रहा खराब प्रदर्शनवहीं, एआईसीसी का ये फैसला ओडिशा में कांग्रेस के नेताओं के एक वर्ग की ओर से ओपीसीसी अध्यक्ष शरत पटनायक के इस्तीफे की मांग के बीच आया है.

सर्वदलीय बैठक के दौरान मुद्दों को सोशल मीडिया पर साझा करने के लिए भाजपा ने जयराम रमेश की आलोचना की

एजेंसी

नई दिल्ली: नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सर्वदलीय बैठक के दौरान विभिन्न दलों द्वारा उठाए गए कुछ मुद्दों को उसी वक्त सोशल मीडिया मंच पर साझा करने के लिए रविवार को कांग्रेस नेता जयराम रमेश की आलोचना की और कहा कि विपक्षी पार्टी को अगली बार ऐसी बैठक में किसी अधिक अनुभवी नेता को भेजने पर विचार करना चाहिए। बैठक में शामिल रमेश ने दावा किया था कि संसद सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में जनता दल (यूनाइटेड) और वाईएसआर कांग्रेस ने क्रमशः बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की लेकिन अजीब बात यह रही कि तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) इस मामले पर चुप रही.रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आज सदन के नेताओं की सर्वदलीय बैठक में जद (यू) नेता ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की। वाईएसआर कांग्रेस नेता ने आंध्र प्रदेश के लिए विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की। अजीब बात रही कि तेदेपा नेता इस मामले पर चुप रहे। रमेश की सोशल मीडिया पर यह पोस्ट तब आई जब बैठक चल ही रही थी.भाजपा के सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि इन सर्वदलीय बैठकों से जुड़े लोगों का एक खास औचित्य और प्रोटोकॉल होता है। उन्होंने कहा, मीडिया ब्रीफिंग के बाद विचारों का स्वतंत्र और स्पष्ट आदान-प्रदान होता है।

राहुल गांधी को मिलेगा सम्मान, जानें किस पुरस्कार से नवाजे जाएंगे कांग्रेस के दिग्गज नेता

एजेंसी

रायबरेली से कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को केरल के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत ओमन चांडी की याद में स्थापित ओमन चांडी लोक सेवक पुरस्कार के लिए चुना गया है. ओमन चांडी फाउंडेशनने प्रथम ओमन चांडी लोक सेवक पुरस्कारकी घोषणा नेता की पहली पुण्यतिथि के तीन दिन बाद यानि कि रविवार (21 जुलाई) को की है.पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, इस पुरस्कार के विजेता को एक लाख रुपये की राशि और प्रसिद्ध कलाकार एवं फिल्म निर्माता नेमम पुष्पराज की बनाई गई प्रतिमा दी जाएगी. एक बयान में कहा गया कि राहुल गांधी एक राष्ट्रीय नेता हैं, जिन्होंने भारत जोड़ो यात्राके माध्यम से लोगों की समस्याओं को सुना और उनका समाधान निकाला था. वहीं, कांग्रेस सांसद शशि थरूर की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ जूरी ने पुरस्कार विजेता का चयन किया था.जानिए कौन हैं ओमन चांडी ??पिछले साल (18 जुलाई 2023) को केरल के 10वें मुख्यमंत्री ओमन चांडी का बेंगलुरू के चिन्मय मिशन अस्पताल में निधन हो गया था.

केंद्र में राजग की सरकार लंबे समय तक नहीं टिकेगी: अखिलेश यादव

एजेंसी

उत्तर प्रदेश: समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार लंबे समय तक नहीं टिकेगी क्योंकि ह्लसांप्रदायिक ताकतोंह्व को भले ही कुछ समय के लिए सफलता मिल सकती है, लेकिन अंततः उनकी हार होगी.ह्लादव ने तृणमूल कांग्रेस द्वारा ह्लशहीद दिवसह्व पर आयोजित महारैली को संबोधित करते हुए कहा, ह्लाह्लजो लोग सत्ता में आए हैं, वे बस कुछ दिनों के मेहमान हैं ह्व उन्होंने भाजपा या राजग का नाम लिए बिना कहा, ह्लाह्लकेंद्र में यह सरकार ज्यादा दिन नहीं टिकेगी और जल्द ही गिर जाएगी। ऐसी सांप्रदायिक ताकतें किसी भी कीमत पर सत्ता में बने रहना चाहती हैं, लेकिन उनके मंसूबे कामयाब नहीं होंगे.सपा नेता ने कहा, ह्लाह्लकेंद्र में सांप्रदायिक ताकतें साजिशें रच रही हैं और देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रही हैं ह्व उन्होंने कहा, ह्लाह्लजो ताकतें देश को सांप्रदायिक आधार पर बांटना चाहती हैं, उन्हें भले ही कुछ समय के लिए सफलता तो मिल सकती है, लेकिन अंत में वे पराजित होंगी। ऐसी सांप्रदायिक ताकतें किसी भी कीमत पर सत्ता में रहना चाहती हैं.भाजपा या राजग का नाम लिए बिना कहा, ह्लाह्लकेंद्र में यह सरकार ज्यादा दिन नहीं टिकेगी और जल्द ही गिर जाएगी।

स्कूल भर्ती घोटाले में पार्थ की गिरफ्तारी हो सकती है तो नीट मामले में प्रधान की क्यों नहीं? अभिषेक बनर्जी का केंद्र पर तीखा हमला

एजेंसी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने रविवार को कहा कि अगर पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को स्कूल भर्ती घोटाले में गिरफ्तार किया जा सकता है तो राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) संबंधी अनियमितताओं में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को गिरफ्तार क्यों नहीं किया जा सकता। बनर्जी ने कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की महारैली को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का राज्य में लोकसभा चुनाव में इसलिए खराब प्रदर्शन रहा क्योंकि वह जीत के लिएकेंद्रीय एजेंसियों और धन बल के भरोसे थी ह्व उन्होंने कहा, हाह्ल21 जुलाई 2022 के एक दिन बाद प्रवर्तन निदेशालय ने पार्थ चटर्जी के घर पर छापा मारा था और उन्हें गिरफ्तार किया था। हम गलती करने वाले व्यक्ति का बचाव नहीं करते। हम अन्याय बर्दाश्त नहीं करते। लेकिन, यदि केंद्रीय एजेंसी ??पार्थ चटर्जी के घर पर छापा मार सकती हैं और उन्हें गिरफ्तार कर सकती हैं, तो केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को नीट घोटाले के लिए गिरफ्तार क्यों नहीं किया जाना चाहिए ?बनर्जी ने कहा, यह आजादी के बाद भारत का सबसे बड़ा घोटाला है। यह भेदभाव क्यों ?उन्होंने दावा किया कि राज्य के लोगों ने लोकसभा चुनाव में भाजपा को सबक सिखाया।

क्या मोदी 3.0 के पहले बजट में बिखर जाएगा NDA गठबंधन? JDU की इस मांग से टेंशन में आ जाएगी सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली: 2024 में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को अपने दम पर बहुमत नहीं मिला. हालांकि एनडीए को पूर्ण बहुमत है और वही सरकार केंद्र में चल रही है. मगर इसको लेकर अटकलों का बाजार हमेशा गर्म रहता है कि क्या ये सरकार अपने पांच साल पूरे कर पाएगी? विपक्ष भी कहता आया है कि ये मिली जुली सरकार ज्यादा दिनों तक टिक नहीं पाएगी. अब इन अटकलों को फिर से हवा दी जा रही है.दरअसल, गठबंधन की साथी जेडीयू ने सरकार से मांग की है कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाए. सांसद संजय कुमार झा ने आज रविवार (21 जुलाई) को संसद में सर्वदलीय बैठक के बाद कहा कि अगर सरकार को लगता है कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं दिया जा सकता है तो कम से कम विशेष पैकेज दो दिया ही जा सकता है और ये मांग पार्टी की तरफ से की गई है.क्या बोले जेडीयू के सांसद?न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा, "बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलना चाहिए, यह हमारी पार्टी (जेडीयू) की शुरू से मांग रही है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस मांग को लेकर बड़ी-बड़ी रैलियां कर चुके हैं. अगर सरकार को लगता है कि ऐसा करने में दिक्कत है तो हमने बिहार के लिए विशेष पैकेज की मांग की है. हमने बिहार में बाढ़ की समस्या को भी उठाया है. ये दो मुख्य मुद्दे हैं जो हमने उठाए हैं.

बिहार को विशेष दर्जा और बाढ़ पर नेपाल से बात, सर्वदलीय बैठक में जेडीयू ने क्या-क्या मांगा

एजेंसी

पटना: संसद के आगामी सत्र को लेकर नई दिल्ली में रविवार को आयोजित हुई सर्वदलीय बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने दो प्रमुख मुद्दे उठाए। जेडीयू ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा या स्पेशल पैकेज दिलाने और बाढ़ की समस्या का समाधान निकालने की मांग की। राज्यसभा सांसद एवं जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने बताया कि विशेष राज्य के दर्जे की मांग पार्टी की लंबे समय से रही है। साथ ही बिहार में बाढ़ की वजह से सरकार के हर साल हजारों करोड़ रुपये खर्च हो जाते हैं। इसका समाधान निकालने के लिए भारत सरकार को नेपाल से बातचीत करनी चाहिए.संजय झा ने रविवार को नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत में कहा कि हम लोगों ने सर्वदलीय बैठक में बिहार के लिए, खासकर दो मांगें उठाईं। सबसे पहले तो बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसके लिए गांधी मैदान से लेकर रामलीला मैदान तक रैलियां कीं। अगर केंद्र सरकार को लगता है कि इसमें तकनीकी समस्या है तो विशेष पैकेज ही दे दिया जाए। झा ने कहा कि इसके अलावा बिहार में बाढ़ एक गंभीर समस्या है। हर साल बाढ़ की वजह से राज्य सरकार का एक बड़ा बजट खर्च हो जाता है, जिसका विकास कार्य में उपयोग हो सकता था।इसमें सबसे बड़ी वजह अंतरराष्ट्रीय सीमा नेपाल से जो पानी आता है, वो है। ऐसे में भारत सरकार को नेपाल से बातचीत कर जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान निकालना चाहिए। जब तक यह समाधान नहीं होता, तब तक बिहार की सीमा में कुछ काम होना चाहिए। इसके लिए केंद्र सरकार ने हाल ही में एक टीम भी बिहार भेजी है। बता दें कि संसद का मॉनसून सत्र सोमवार से शुरू होने वाला है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली नई एनडीए सरकार अपना पहला पूर्णकालिक बजट पेश करेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार 23 जुलाई को संसद में केंद्रीय बजट पेश करेंगी। कयास लगाए जा रहे हैं।

बिहार में कांवड़ रूट की दुकानों पर नेमप्लेट नहीं लगेंगी, बीजेपी मंत्री नितिन नवीन ने कर दिया साफ

संवाददाता

पटना: बिहार में उत्तर प्रदेश की तर्ज पर कांवड़ यात्रा के रूट की दुकानों में मालिकों के नाम की तख्ती लगाने की मांग उठने लगी है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेता और कुछ धार्मिक-सामाजिक संगठन नीतीश सरकार से श्रावण मास में यह नियम लागू करने की मांग कर रहे हैं। हालांकि, बिहार सरकार में बीजेपी कोटे से मंत्री नितिन नवीन स्पष्ट किया है कि राज्य में कांवड़ यात्रा के रूट पर दुकानों पर नेमप्लेट नहीं लगाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि अगर ऐसा करना भी है तो इसके लिए वैधानिक प्रक्रिया से गुजरना होगा।बिहार के नगर विकास एवं आवास मंत्री ने भागलपुर के सुल्तानगंज स्थित अजगैवीनाथ धाम पर श्रावणी मेले की तैयारियों का जायजा लिा। इस दौरान उन्होंने कहा स्पष्ट किया कि यूपी की तरह बिहार में कांवड़ दुकानदार नाम की तख्ती नहीं टांगेंगे। फिलहाल यूपी की तर्ज पर बिहार में कांवड़ मार्ग में दुकानदारों के नाम का बोर्ड नहीं लगाया जाएगा। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि स्थिति और परिस्थिति के मुताबिक ये निर्णय सरकार के स्तर से लिए जाते हैं। जैसा यूपी में लिया गया। मगर बिहार में ऐसा कुछ नियम बनाने की अभी कोई योजना नहीं है।सुल्तानगंज का नाम अजगैवीनाथ धाम करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि स्थलीय महत्व के आधार पर क्षेत्र का नामांकरण उचित है, लेकिन यह एक प्रक्रिया है। नगर परिषद से प्रस्ताव सरकार के पास गया है। विचार करने के बाद इस पर निर्णय लिया जा सकता है।एक दिन पहले बीजेपी विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने यूपी की तर्ज पर बिहार में भी कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकानदारों के नाम सार्वजनिक किए जाने की मांग की थी। एक हिंदूवादी संगठन की ओर से सुल्तानगंज से देवघर कांवड़ मार्ग पर दुकानदारों के नेमप्लेट लगाने की मांग करते हुए पटना में रविवार को एक पोस्टर भी लगाया गया है। बता दें कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकान के बाहर उनके मालिकों के नाम लगाने का आदेश जारी किया था। इस पर देशभर में सियासी हंगामा मचा हुआ है। विपक्ष के साथ ही बीजेपी की कुछ सहयोगी पार्टियों ने भी यूपी सरकार के इस फैसले का विरोध किया है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की लोजपा रामविलास ने भी इसे समाज को बांटने वाला फैसला बताया।

मधुबनी डीएम-एसपी ने भैरवा श्रावणी मेला में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को संयुक्त रूप से किया संबोधित

विशेषसंवाददाता
अबु बकर

- मधुबनी डीएम-एसपी ने भैरवा श्रावणी मेला में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को संयुक्त रूप से किया संबोधित।
- सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को ससमय अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर हर हाल में पहुँचने का दिया निर्देश।
- डीएम-एसपी स्वयं सभी प्रतिनियुक्ति स्थल पर पहुँचकर लेंगें जायजा।
- विधिव्यवस्था संधारण एवं भीड़ प्रबंधन को लेकर दिए कई महत्वपूर्ण टिप्स।
- सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की मंशा रखने वाले असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने एवं उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई किए जाने का दिया निर्देश
- सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी रखने का दिया निर्देश।-
- सभी महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे एवं वीडियो ग्राफी द्वारा रखी जायेगी नजर।
- पदाधिकारियो को छोटी-छोटी घटनाओं को भी गंभीरता से लेकर त्वरित करवाई का दिया निर्देश।सादे लिबास में भी तैनात होगी पुलिस।सभी निर्धारित क्षेत्र में ध्वनि विस्तारक यंत्र एवम डीजे पर रहेगी पूर्ण रोक।

-मधुबनी, 21 जुलाई,2024------ -- ------- -------------------- डीएम अरविन्द कुमार वर्मा एवं एसपी सुशील कुमार ने नगर भवन मधुबनी में भैरवा श्रावणी मेला में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को संयुक्त रूप से संबोधित किया। उन्होंने सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को ससमय अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर हर हाल में पहुँचने का निर्देश दिया। डीएम-एसपी ने कहा कि वे स्वयं सभी प्रतिनियुक्ति स्थल पर पहुँचकर विधिव्यवस्था का जायजा लेंगे।प्रतिनियुक्ति स्थल से अनुपस्थित पाए जाने पर कड़ी करवाई की जाएगी।डीएम -एसपी ने अपने संबोधन में विधिव्यवस्था संधारण एवं भीड़ प्रबंधन को लेकर उपस्थित दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को कई महत्वपूर्ण टिप्स भी दिए।उन्होंने सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की मंशा रखने वाले असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने एवं उनके विरुद्ध कड़ी कारवाई किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने चिन्हित सभी संवेदनशील स्थलों एवं कांवरियों के गुजरने वाले मार्गों पर विशेष रूप से निगरानी रखे जाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विधि व्यवस्था संधारण एवं मेला आयोजन को सफल बनाने को लेकर सभी महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील 245 स्थानो पर 490 दंडाधिकारियों एवम पुलिस पदाधिकारियो को प्रतिनियुक्त किया गया है,साथ ही काफी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी बरते जाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि असामाजिक तत्वों द्वारा अफवाहों को फैलाने के प्रयास को रोका जा सके। उन्होंने कहा है कि जैसे ही कोई अपत्तिजनक एवं अफवाह फैलाने ,सामाजिक समरसता को बिगाड़ने वाले पोस्ट नजर आता है तो तुरंत अपने वरीय अधिकारियो को सूचित करें। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि छोटी-छोटी घटनाओं को भी पूरी गंभीरता से लेकर उसपर संज्ञान ले तथा उसकी सूचना अपने वरीय अधिकारियों को भी दे।उन्होंने कहा कि विधि व्यवस्था संधारण के लिए अनुमंडल स्तर पर अनुमंडल नियंत्रण कक्ष की भी स्थापना की गई है। रोस्टर के हिसाब से अधिकारियों एवं कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा दल, विद्युत आपूर्ति, गश्ती दल आदि के लिए पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मेला के दौरान सभी महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे एवं वीडियो ग्राफी द्वारा कड़ी नजर रखी जायेगी वही सादे लिबास में भी पुलिस बल की भी तैनाती की गई है। निर्धारित क्षेत्र में ध्वनि विस्तारक यंत्र एवं डीजे पर पूर्ण रूप से रोक रहेगी तथा इसका सख्ती से अनुपालन करवाने का निर्देश भी दिया गया है। अपर समाहर्ता शैलेश कुमार एवं पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय रश्मि विधिव्यवस्था के वरीय प्रभारी होंगे।

52 पुलिस कर्मी समेत 25 दरोगा का किया तबादला

संवाददाता
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर में विधि व्यवस्था एवं क्राइम कंट्रोल करने को लेकर जिले में 22 दारोगा सहित 52 पुलिस कर्मियों का तबादला किया गया है।साथ ही इन सभी पुलिस अधिकारियों व कर्मियों को तत्काल प्रभाव से नए थानों में योगदान करने का आदेश जारी किया गया है। एसपी के द्वारा जारी सूची के अनुसार दारोगा में आभा सिंह को एससीएसटी थाना से पटोरी, सुरेश पासवान को महिला थाना से मुफस्सिल, कपूरीग्राम थाना के दारोगा शंभू यादव, शकील अहमद खां, अजीत कुमार को विभूतिपुर थाना भेजा गया है।इसी प्रकार वैनी थाना से दारोगा पंकज सिंह,मनोज पासवान को मुफस्सिल, इकराम खां, दुर्गा प्रसाद महतो, प्रशिक्षु दारोगा मो शब्बीर खां को पूसा था से पटोरी थाना, दारोगा वशिष्ट राम व अजय कुमार को हलई से मोहीउद्दीननगर, अवधेश यादव, दशरथ पाल, सूर्यदेव पासवान व प्रशिक्षु सुजीत कुमार को अंगारघाट से दलसिंहसराय, अर्जुन राम व राजेश कुमार को विद्यापतिनगर से दलसिंहसराय थाना भेजा गया है।दारोगा अनिल कुमार, रामरेखा सिंह व इंद्रदेव मुखिया को लरझाघाट से रोसड़ा, रामपति प्रसाद को शिवाजीनगर से रोसड़ा, आलोक कुमार व प्रशिक्षु दारोगा रविकांत रवि को मथुरापुर से वारिसनगर थाना भेजा गया है इसके अलावे 15 एएसआई व 12 पीटीसी सिपाही का भी विभिन्न थानों में तबादला किया गया है। एसपी ने इन सभी पुलिस अधिकारियों को 24 घंटे के अंदर कांडों का प्रभार थानाध्यक्ष को सौंपते हुए नए स्थल पर योगदान करने का आदेश दिया है। वहीं संबंधित थानाध्यक्षों को भी कांडों का प्रभार लेते हुए नए स्थान पर योगदान के लिए प्रस्थान करने को कहा गया है।बिना कांड का प्रभार दिए प्रस्थान करने वाले पुलिस अधिकारियों पर अनुशासनिक कार्रवाई करने की भी चेतावनी दी गयी है।

ब्रह्माकुमारी द्वारा आयोजित नव दिवसीय बारह ज्योतिर्लिंगम मेला का उद्घाटन

संवाददाता
कफील एकबाल

- विधायक अरुण कुमार सिंह उत्तर बिहार की वरिष्ठ राजयोगिनी बीके मीना दीदी, हिंदू राष्ट्र वाहिनी बजरंग दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर मुकुल जी, भाजपा जिला अध्यक्ष रंजन कुमार सिंह, जदयू नेता राजकुमार सिंह प्रखंड प्रमुख राकेश कुमार सिंह , एवं अन्य ने दीप प्रज्वलित कर किया ।साहेबगंज

मोतिहारी:प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र द्वारा आयोजित 12 दिवसीय ज्योतिर्लिंगम दर्शन मेला का शुभारंभ सुबह आकर्षक शोभायात्रा से हुआ।चुनरी ओढ़कर कलश लिये ब्रह्माकुमारी बहनों ने डोली मे सजे शिवलिंग युक्त सुंदर शोभा यात्रा निकाली।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ राजयोगिनी बीके मीना दीदी ने कहा कि सभी परमात्मा से सुख शांति लेना चाहते हैं और परमात्मा भी उन्हें सुख शांति देना चाहते हैं लेकिन इसके लिए पहले परमात्मा से संबंध जोड़ना पड़ेगा ।वे हमारे पिता है उनसे प्राप्ति हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है वे भी हर समय हमे खुशहाल देखना चाहते हैं। आज मोबाइल युग में आम लोगो की व्यस्तता बढ़ गई है जिसके कारण परमात्मा से संबंध भी छूटता जा रहा है यही दुख अशांति कलः क्लेश, डिप्रेशन और टेंशन बढ़ने का मुख्य कारण है।दीदी जी ने कहा कि जब हम मंदिर में जाते हैं तो वहां कहते हैं कि तुम हमारे मात पिता सब हो और घर जाते ही सब भूल जाते हैं। अब तो संबंधी भी कोई काम नही आ रहे है ,अकेला-अकेला जीवन जीने के लोग अभ्यस्त होते जा रहे हैं ।दुनिया वालों की सबसे बड़ी गलती यह है कि भगवान को तो सभी मानते हैं लेकिन उनकी बातों को नहीं मानते। राजयोग अर्थात्परमात्मा से सच्चा संबंध जोड़ना ।उन्होंने 12 ज्योतिर्लिंग पर विस्तार से प्रकाश डाला और कहा कि आज 12 तीर्थ स्थल आपके दरवाजे पर है आप आवे और दर्शन करके परमात्मा से शक्ति ले। कार्यक्रम के उद्घाटन कर्ता विधायक अरुण कुमार सिंह ने संस्था के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि सेवा ,अध्यात्म और मूल्य निर्माण के कार्य के चलते संस्था पूरे विश्व में आगे बढ़ गई है ।संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन करते हुए मुजफ्फरपुर से पधारे बीके फलक भाई ने संस्था का विस्तार से परिचय दिया ।अतिथियों का स्वागत बीके वीभा बहन एवं गया से पधारी बहन ने पुष्प गुच्छ से एव शाल ओढ़ाकर किया ।

कार्यक्रम में अलग अलग कक्ष में सजे 12 ज्योतिर्लिंगम एवं आध्यात्मिक प्रदर्शनी का उद्घाटन अतिथियो ने फीता काटकर एवं नारियल फोड़कर किया। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को बीके मीना दीदी एवं बीके गीता दीदी ने ईश्वरीय सौगात भेंट की।धन्यवाद ज्ञापन आयोजक बी के गीता दीदी ने किया।

निशुल्क एवं सरल प्रक्रिया के तहत हो प्राइवेट स्कूलों का रजिस्ट्रेशन: राजेश राठौड़

संवाददाता

- बिहार सरकार ने गुरु पूर्णिमा पर निजी विद्यालय के शिक्षकों के साथ किया क्रूर मजाक : राजेश राठौड़
- गुरु पूर्णिमा पर बिहार सरकार ने शिक्षकों के साथ किया छल : राजेश राठौड़
- प्राइवेट स्कूलों के रजिस्ट्रेशन में मनमाना धन उगाही को तैयार है राज्य सरकार : राजेश राठौड़

पटना, रविवार, 21 जुलाई, 2024 भारत प्राचीन काल से गुरु और शिष्यों के परंपरा का पवित्रता से निर्वहन करने वाली भूमि रही है। आज गुरु पूर्णिमा के पुनीत अवसर पर बिहार सरकार द्वारा राज्य के 28000 से अधिक ऐसे निजी विद्यालयों को बंद करने का ऐलान किया है जो आरटीई के तहत रजिस्टर्ड नहीं हैं जो प्रदेश में शैक्षणिक माहौल और प्राइवेट स्कूलों के अध्यापकों के जीवकोपार्जन पर सीधा हमला है। ये बातें बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने कही। उन्होंने कहा कि स्कूलों का पंजीकरण आवश्यक है लेकिन नए नए आधार बनाकर जिला शिक्षा पदाधिकारियों द्वारा स्थानीय स्तर से मान्यता के जांच के नाम पर धन उगाही की खुली छूट सरकार के शह पर दी जा रही है।बिहार कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने कहा कि मान्यता निरस्तीकरण की प्रक्रिया यदि होती है तो प्रत्येक प्रखंड में 10 से 12 स्कूलों की मान्यता रद्द होने से राज्य में लगभग 3 लाख से अधिक शिक्षक बेरोजगार होंगे और लगभग डेढ़ करोड़ बच्चें भी इस फैसले से स्कूली शिक्षा से वंचित हो जायेंगे। क्या सरकार इन बच्चों को सरकारी विद्यालय में नामांकन देने की स्थिति में है या उन्हें उनके हाल पर छोड़ देगी? अगर आरटीई के तहत रजिस्टर्ड होता है तो शिक्षा विभाग के अधिकारियों के लिए दिवाली और दशहरा का बड़ा गिफ्ट मिलेगा जो नाहक नियमों के ताक पर धन उगाही करेंगे।उन्होंने कहा कि सरकार को सद्बुद्धि मिले कि बिना शुल्क के तमाम ऐसे निजी विद्यालयों जो दूर दराज में चल रहे हैं उन्हें रजिस्टर्ड किया जाएं क्योंकि यदि मान्यता रद्द होती है तो सरकार को इन बच्चों का नामांकन करने लायक संसाधन भी नहीं है। ये निजी विद्यालय सरकार की मदद ही कर रहे हैं कोई गुनाह नहीं कर रहें।

जयशंकर पंडित के घर पर हमला करने वाले अपराधियों की जल्द हो गिरफ्तारी- माले

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज अनुमंडल दुरौंधा 21 जुलाई रविवार। दरौंदा के जिलेबिया गली से गगन भेदी नारो के साथ माले नेता जयशंकर पंडित कर हमला करने वाले अपराधियों को गिरफ्तार करो, पुलिस प्रशासन मुदार्बाद, सिवान की एसपी मुदार्बाद के नारो के साथ मार्च किया गया मार्च के बाद दरौंदा बाजार में सभा किया गया सभा को संबोधित का पूर्व विधायक अमरनाथ यादव ने कहा नीतीश कुमार सुशासन की बात करते नही थकते लेकिन बिहार में लगातार अपराध बढ़ रहा है मुकेश साहनी के पिता की हत्या हो जाता है। तो वह कैसा न्याय की सरकार है। सिवान में 4 जून 2024 के बाद 19 जगह गोली चला है जिसमे एक दर्जन लोगो की मौत हो चुका है। सिवान के बेशर्म एसपी केवल अपने घुस कमाने में लगे है। 11 फरवरी को 2024 को सवान गांव के रामगढ़ी टोला पर सामंती अपराधियों ने ताकतों ने दो दलित सहित माले नेता को गोली मर दिया गया जिसमे माले नेता जयशंकर पंडित बाल बाल बच गए। इस केश को उठाने केलिए लगातार अपराधियों और उनके सहयोगियों के द्वारा दवाब बनाया जा रहा था लेकिन जब केश को नही उठाया गया तो 20 जुलाई को उनके घर पर अंधाधुन फायरिंग किया गया जिसमे उनकी पत्नी बाल बाल बची है मैं प्रशासन से मै मांग करता हू तत्काल अपराधियों की गिरफ्तार किया जाए। जयशंकर पंडित और उनके परिवार को सुरक्षा की गारंटी किया जाए। नहीं आने वाले दिन में और बड़े आंदोलन किया जाएगा। इस मार्च में दिनेश राम, रामायण यादव, हमीद अंसारी, दयानंद कुशवाहा , विकाश यादव, चंद्रिश्वरप्रसाद, अजीत पंडित, रमेश राम, भारती प्रसाद, अरविंद राम, राकेश प्रसाद, अनीश कुशवाहा, अच्छेलाल , नागेंद्र यादव, सहित तमाम लोग उपस्थित थे।

हुसैन के याद मे कुरैशी मिल्लत कमिटी ने मिलादे पाक का आयोजन किया

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज अनुमंडल 21जुलाई रविवार। महाराजगंज नगर पंचायत वार्ड ,03 इमामबाड़ा इस्थित पुरानी बाजार में कुरैशी मिल्लत कमिटी के द्वारा जलसए मिलाद का एहतेमाम मोहम्मद शमी उर्फ भुअर के नेतृत्व मे किया गया जिसमे दूर दूर से ओलमाए, व नातखान तसरीफ लाकर दिने इलाही और ईमाम हुसैन और कर्बला के वाक्या को विस्तार पूर्वक ब्यान किए और हुसैन के रास्ते पर चलने और रोजा, नमाज, हज, जकात को हर काम से पहले करने की तफसीर पूर्वक बयान किए। वही ओलमाये एकराम के नातिया कलाम सुन कर जायरीन झूमते नजर आए। इस मौके पर दावते सोखन का भी कुरैशी मिल्लत कमिटी के द्वारा इंतजाम किया गया था। इस मौके पर, एहसानुल्लाह कुरैशी, ताज मोहम्मद कुरैशी,कमालुद्दीन कुरैशी, बिस्मिल्लाह कुरैशी, समीउल्लाह कुरैशी ,नौशाद, अरमान,रिवाज, इत्यादि मौजुद थे।

संगठन को सशक्त करने पर जोर प्रखंड एवं पंचायत स्तर के पदाधिकारियों से जन जन तक जाने का अपील.

संवाददाता

विभिन्न दलों से जुड़े नेता.सिवान ।जिला मुख्यालय के हरदिया मोड़ ,छपरा रोड स्थित जनसुराज के जिला कार्यालय में रविवार को जनसुराज के जिला एवं प्रखंड पदाधिकारियों की बैठक जिलाअध्यक्ष इंतखाब अहमद की अध्यक्षता में आयोजित की गई ।सर्वप्रथम सर्वधर्म प्रार्थना के साथ बैठक आरम्भ हुआ तथा नये लोगों को जनसुराज के संस्थापक सदस्य बनाने पर विस्तार से चर्चा हुआ. हर घर तक जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर के बिहार के दशा एवं दिशा बदलने के प्रयासों को पहुंचाने का अपील किया गया.संचालन जिला संगठन सचिव राजीव रंजन पांडिय ने किया.

जिला मुख्य प्रवक्ता कृष्ण कुमार सिंह ने कहा कि जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार की दशा व दिशा बदलने का संकल्प लिया है जो समय की मांग है और इसे पूर्ण करने में मेरी भी सहभागिता हो इसी उदेश्य को लेकर जनसुराज का संस्थापक सदस्य बने ।

जिलाध्यक्ष इंतखाब अहमद ने जनसुराज को जनजन तक पहुंचाने का अपील किया तथा इसे बूथ स्तर पर मजबूत करने पर बल दिया । जिला संगठन सचिव राजीव रंजन पांडेय ने कहा कि पुरे बिहार मे सभी मुख्य राजनितिक दलों के नेता एवं सदस्य जन सुराज से जुड़ रहे है जो पार्टी के लिए शुभ संकेत है तथा आगामी विधान सभा चुनाव मे जन सुराज पार्टी की सरकार बनना तय है.जिला महिला अध्यक्ष माधुरी सिंह कुशवाहा ने बताया कि जन सुराज पुरे बिहार में महिलाओं को 40से अधिक सीटे दे रही है जो महिला सशक्तिकरण का बेहतर उदाहरण बनने जा रहा है. जेपी स्वतंत्रता सेनानी अशोक कुमार ने बताया कि जनसुराज की नीति एवं नियत दोनों ही जनप्रिय है इसलिए इसे जन जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाय.

पुलिस अधीक्षक, सारण के द्वारा सोनपुर थाना का किया गया वार्षिक निरीक्षणे तत्पश्चात श्रावण मास में लगने वाले मेला क्षेत्र का जिला पदाधिकारी, सारण के साथ लिया जायजा, दिये कई दिशा-निर्देशे

संवाददाता

कल दिनांक-20.07.2024 को पुलिस अधीक्षक, सारण के द्वारा सोनपुर थाना का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाने में पदस्थापित थानाध्यक्ष सहित सभी पुलिस पदाधिकारियों / कर्मियों एवं चौकीदारो को ़३९ल्ल-ल्ल३१ स्रझ्र्ल्लें के साथ ही अपराध नियंत्रण के संदर्भ में आवश्यक दिशा - निर्देश दिए गये। सोनपुर थाना के निरीक्षण के दौरान थाना में संधारित सभी अभिलेखो एवं पंजीयों की जाँच कर अभिलेखो व पंजीयों को अद्यतन करने एवं उनमें मिली त्रुटियों के सुधार करने का निर्देश दिया गया` कांडो का समीक्षा कर विशेषकर पुराने कांडो को विशेष अभियान चलाकर त्वरित निष्पादन

करने, थाना में साफ-सफाई रखने का निर्देश दिया गया साथ ही महिला हेल्प डेस्क, हाजत एवं आगंतुक कक्ष का भी निरीक्षण किया गया और निर्माण सम्बन्धी प्रस्ताव उचित माध्यम से भेजने सहित कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। वार्षिक निरीक्षण के दौरान संबंधित अनुमंडल पुलिस पदाधिकरी उपस्थित रहे।

सोनपुर थाना निरीक्षण के बाद जिला पदाधिकारी, सारण के साथ संयुक्त रूप से श्रावण मास में लगने वाले मेले की तैयारी को लेकर समीक्षा की गई` इस दौरान श्रावणी मेला क्षेत्र हरिहरनाथ थाना अंतर्गत काली घाट, पुल घाट एवं पहलेजा थाना अंतर्गत पहलेजा घाट का भ्रमण कर जायजा लिया गया मेला के दौरान श्रद्धालुओं के सुविधा व सुरक्षा पुलिस व प्रशासन की प्राथमिकता होगी मेला के दौरान भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक प्रबंधन, घाटो को बैरीकेडिंग व ठझक्षटीम की तैनाती, प्रयाप्त संख्या में पुलिस बल एवं दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति सहित कई अन्य आवश्यक दिशा- निर्देश दिये गये थाना के एक-एक कर्मी पर नजर रखना, आम जनता से अच्छा व्यवहार और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान जिला पुलिस की प्राथमिकताएं होंगी।

दुर्घटनाग्रस्त ट्रेन के यात्रियों के लिए फरिश्ता साबित हुए आर पी एफ उप निरीक्षक प्रमोद कुमार

संवाददाता
शकील हैदर

छपरा।कहते हैं कि फोर्स का एक सैनिक या जवान कभी ऑफ ड्यूटी नही होता। 18 जुलाई को गोंडा जिले के मोतीगंज और झिलाही रेलवे स्टेशनों के मध्य गाड़ी संख्या 15904 चंडीगढ़ डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना के दौरान यह कहावत 100% सच साबित हुई। घटना के दौरान उसी ट्रेन में उप निरीक्षक प्रमोद कुमार आरपीएफ पोस्ट छपरा पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी मंडल भी रेलवे कोर्ट गोंडा में गवाही के बाद ऑफ ड्यूटी होकर कोच संख्या इ- 1 में सवार होकर वापस छपरा लौट रहे थे तभी वह ट्रेन दुर्घटना हो गई।

एक क्षण को उप निरीक्षक प्रमोद कुमार समझ न पाए कि एकाएक यह क्या हो गया। घटना में उन्हें भी चोटें आई थी क्योंकि कई यात्री उनका कोच पलटने से उनके ऊपर आ गिरे थे लेकिन तुरंत उन्हें अपनी वर्दी और ड्यूटी का एहसास हुआ क्योंकि ऐसी ही स्थिति और परिस्थितियों से निपटने के लिए ही एक जवान को तैयार और फिट किया जाता है। उनका इ- 1 कोच 75 से 80 डिग्री झुकी हालत में लटका हुआ था, भगदड़ होने और जिसके पलटने पर और कई यात्री, महिलाओं, बच्चों के दबकर ज्यादा घायल होने की पूरी संभावना थी। इनके द्वारा तुरंत इस दुर्घटना की सूचना लखनऊ मण्डल के उपलब्ध आरपीएफ नंबरों पर * देने के बाद मौके पर पूरी सूझबूझ से कार्य करते हुए कुछ यात्रियों के सहयोग से इमरजेंसी खिड़की और दरवाजे के कांच और सीसे को तोड़कर अपने कोच और दुर्घटनाग्रस्त अन्य कोचों के यात्रियों, महिला और बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

घटना होने पर और लोकल थाना मोतीगंज गोंडा के पहुंचने तक उप निरीक्षक प्रमोद कुमार अकेले ही वर्दी में मौजूद थे जिनके द्वारा अपनी सूझबूझ, ड्यूटी और कर्तव्यों का बखूबी निर्वाहन करते हुए मोर्चा संभालकर घायल यात्रियों, महिलाओं, बच्चों को यथासंभव रेस्क्यू किया गया। मोतीगंज थाने की पुलिस के आने पर उनके सहयोग से गंभीर रूप से घायल 04 यात्रियों और मृतकों को अस्पताल भिजवाया गया। मौके पर उप निरीक्षक द्वारा स्वयं भी घायल होने के बावजूद सूझबूझ और आरपीएफ ट्रेनिंग में मिली सिखलाई से बिना ड्यूटी के रहते हुए भी अपनी वर्दी का फर्ज निभाकर कई यात्रियों का रेस्क्यू और बचाव किया गया, वह निःसंदेह अद्वितीय, काबिले तारीफ और जीवनरक्षक है, जिसके लिए उप निरीक्षक प्रमोद कुमार ने पूरे आरपीएफ को गौरवान्वित किया है॥

संक्षिप्त डायरी

दानापुर कोर्ट में डबल मर्डर केस के आरोपियों का सरेंडर

पटना। पटना के खगौल थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात 12 जुलाई को जमुई से आई बारात में घुसकर बदमाशों ने फायरिंग की थी। जिसमें 2 लोगों की मौत गई थी। इस मामले में फरार चल रहे दोनों मुख्य अभियुक्त विक्की यादव और शुभम सिंह ने दानापुर कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। सरेंडर की खबर पर पुलिस कोर्ट पहुंची थी, लेकिन तब तक आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने का ऑर्डर जारी हो चुका था। दानापुर एसएसपी दीक्षा ने बताया कि खगौल थाना में विक्की यादव , शुभम सिंह समेत आठ अज्ञात पर मामला दर्ज कराया गया था। नामजद अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन कर छापेमारी की जा रही थी। इस बीच पुलिस दबिश के चलते दोनों मुख्य अभियुक्तों ने सरेंडर कर दिया। दोनों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। जानिए क्या है पूरा मामला जमुई के मलयपुर निवासी टुन्नू सिंह के बेटे अमित कुमार सिंह की शादी बक्सर में तय हुई थी। पटना के दानापुर स्थित रूद्र मैरिज हॉल में शादी होनी थी। 12 जुलाई को बारात मलयपुर से पटना पहुंची थी। बारात में घुसकर बदमाशों ने फायरिंग की थी। इस घटना में 2 लोगों की जान चली गई। इनमें एक आर्म्स तस्कर भी था। मृतकों की पहचान गोल्डन सिंह और सर्वेंद्र कुमार सिंह के रूप में हुई थी। गोल्डन सिंह हथियार तस्करी में जेल भी जा चुका है। गोल्डन सिंह और सर्वेंद्र कुमार जीजा-साला बताए जा रहे हैं। विक्की यादव और शुभम ने की फायरिंग बारात में शामिल सौरभ ने पुलिस को बताया कि शादी में डांस के दौरान विक्की यादव, शुभम और ऋषभ की किसी बात को लेकर कुछ लोगों के साथ कहासुनी हो गई। इसके बाद वह अपने 8 दोस्तों के साथ आए। फिर जयमाला के दौरान पिस्टल से विक्की यादव और शुभम ने फायरिंग शुरू कर दी। गोली गोल्डन और सर्वेंद्र कुमार को लगी। जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। ऋषभ जमुई के मलयपुर का रहने वाला है। वहीं, शुभम का मलयपुर में बुआ का घर है। जबकि विक्की दानापुर के गोला रोड स्थित मून हाइट अपार्टमेंट में रहता है। शुभम और विक्की को शादी समारोह में किसी भी पक्ष की ओर से नहीं बुलाया गया था।

पर्यटन मंत्री बोले- श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं बढ़ाई गई है; प्लास्टिक पर बैन, सीसीटीवी कैमरे से निगरानी

पटना। सोमवार से प्रसिद्ध श्रावणी मेले की शुरूआत हो रही है। बिहार सरकार की ओर से मेले को लेकर तैयारियां पूरी हो गई है। मेले को टोबैको फ्री घोषित किया गया है। प्लास्टिक पर भी बैन रहेगा। 1200 लोगों के लिए ठहरने की सुविधा पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा ने बताया है कि सुल्तानगंज से बाबा नगरी देवघर तक श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं बढ़ाई गई है। पर्यटन विभाग की ओर से 1200 लोगों के लिए ठहरने की सुविधा दी गई है। सुल्तानगंज में पहली बार 200 लोगों के रुकने के लिए व्यवस्था की गई है। इसके लिए टेंट सिटी बनाए गए हैं। इसके अलावा अबरख में 600 और धुवई में 200 लोगों के लिए विश्राम करने की व्यवस्था दी गई है। सीसीटीवी कैमरे से निगरानी टोल फ्री नंबर भी जारी किया गया है। इस पर फोन कर जानकारी जुटाई और दी जा सकती है। मोबाइल एप के सहारे भी जानकारी ले सकते हैं। सुल्तानगंज से जल उठाने वाले श्रद्धालुओं की गिनती की जाएगी। जिसके लिए ट्रैक पर दो कैमरे लगाए जाएंगे। बिहार के एंकजट प्वाइंट पर भी कैमरे की मदद से भक्तों की गिनती होगी। पिछले साल सुल्तानगंज से गंगा जल लेकर 75 लाख श्रद्धालु देवघर गए थे। सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जाएगी।

200 नए कांवरिया स्टैंड का निर्माण मंत्री नीतीश मिश्रा ने आगे कहा कि जिला स्तर पर डीएम ने तैयारी की है। विभाग से एक टीम को कांवड़िया पथ पर असल समस्याओं को जानने के लिए भेजा गया था। टीम ने बताया था कि कांवड़ रखने का स्पेश छोटा है, जिसे ठीक करा दिया गया है। 200 नए कांवरिया स्टैंड का निर्माण कराया गया है।

बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस मे फायर इक्विपमेंट अचानक लीक होने से पैसेंजर मे अफरा-तफरी चालक की सूझ बुझ से हादसा टला.

संवाददाता
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर।रेलवे स्टेशन पर बिहार संपर्क क्रांति ट्रेन में फायर इक्विपमेंट अचानक लीक हो गया। जनरल बोगी में रखे फायर इक्विपमेंट लीक होने के बाद वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के बाद ट्रेन से यात्री कूदने लगे। लोगों को लगा की ट्रेन में आग लग गई है।प्लेटफार्म से खुल रही ट्रेन में अचानक हुए इस वाक्य को देखकर चालक ने सूझबूझ का परिचय दिया और ट्रेन को तत्काल रोक दिया। इस दौरान मौके पर तैनात आरपीएफ और जीआरपी के जवानों ने स्थिति को नियंत्रित किया। लीक हो रही फायर इक्विपमेंट को बंद किया गया। घटना की सूचना मिलते ही मैकेनिकल विभाग समिति रेलवे के अधिकारी स्टेशन पर पहुंचे व मामले की जांच की। इसके बाद सब कुछ ठीक-ठाक देखकर ट्रेन को 10:30 बजे मुजफ्फरपुर के लिए रवाना किया गया। इस दौरान किसी भी तरह का हताहत नहीं हुआ घटना को लेकर बताया गया है कि दरभंगा- नई दिल्ली बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस आज रविवार को 09:21 बजे समस्तीपुर स्टेशन पर आयी। लगभग 09:45 बजे जब ट्रेन प्रस्थान करने वाली थी तभी सामान्य कोच संख्या 205056/उ में धुआं की शिकायत मिली। प्लेटफार्म/गाड़ी में कार्यरत रेलवे कर्मियों द्वारा मौके पर पहुँच कर जांच की गयी तो पाया गया कि कोई यात्री अग्निरोधक यंत्र पर बैठ गया था जिससे यंत्र दब गया और यंत्र क्रियाशील हो गया। अग्निरोधक यंत्र के कार्यरत हो जाने के कारण उसमें रखा ड्राई केमिकल बाहर आकर डब्बे में फैल गया। इसी केमिकल को फैलता हुआ देख यात्री घबरा गए। जाँच के दौरान उसी कोच में यात्रा कर रहे यात्री सोहन राय ने भी बताया कि किसी भी प्रकार की दुर्घटना नहीं हुई है, सिर्फ आग बुझाने वाला केमिकल फैल गया है। कार्यरत रेलकर्मियों द्वारा पूरी ट्रेन की जांच की गयी, किसी भी प्रकार की अन्य कमी नहीं पाए जाने पर ट्रेन को प्रस्थान करवाया गयालीक हो रही फायर इक्विपमेंट को बंद किया गया। घटना की सूचना मिलते ही मैकेनिकल विभाग समिति रेलवे के अधिकारी स्टेशन पर पहुंचे व मामले की जांच की। इसके बाद सब कुछ ठीक-ठाक देखकर ट्रेन को 10:30 बजे मुजफ्फरपुर के लिए रवाना किया गया।इस दौरान किसी भी तरह का हताहत नहीं हुआ घटना को लेकर बताया गया है कि दरभंगा-

सीवान में असली कैंडिडेट की जगह यूपी से आया युवक एग्जाम देने गया था, बायोमेट्रिक में पकड़ाया

सीवान। बीपीएससी द्वारा आयोजित तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा में सीवान के वीएम उच्च विद्यालय सह इंटर कॉलेज से एक फर्जी कैंडिडेट पकड़ा गया है। साथ ही वह जिसकी जगह पर परीक्षा दे रहा था, उसे भी परीक्षा केंद्र के बाहर से गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया जा रहा कि फुलवरिया थाना क्षेत्र के दुबे बतरहा गांव निवासी बबन ठाकुर के बेटे संदीप कुमार की जगह पर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के करछना गांव का रहने वाला पन्नालाल का बेटा अजय कुमार परीक्षा दे रहा था। वीएम उच्च विद्यालय सह इंटर कॉलेज के हेडमास्टर ने बताया कि तीसरे चरण के शिक्षक भर्ती परीक्षा में आज दूसरे दिन परीक्षा चल रही थी। परीक्षा हॉल में उपस्थित विक्षक के द्वारा परीक्षा दे रहे परीक्षार्थी का बायोमेट्रिक थंब इंप्रेशन लिया गया, जो मिसमैच हो गया। बायोमेट्रिक बार-बार मिसमैच होने पर शक बायोमेट्रिक बार-बार मिसमैच हो रहा था। इस दौरान एडमिट कार्ड लगे फोटो से उसका चेहरा कुछ अलग लग रहा था, तभी शिक्षक ने उसकी सूचना कंट्रोल रूम को दिया। कंट्रोल रूम से और अन्य अधिकारी पहुंचे और उसको पकड़ कर कठोरता से पूछताछ की गई तो उसने स्वीकार किया कि वह दूसरे के स्थान पर परीक्षा दे रहा है। परीक्षा दे रहा युवक उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिला का रहने वाला करछना गांव का अजय कुमार है। असली कैंडिडेट बाहर बैठ कर रहा था अजय ने बताया कि वह संदीप के जगह पर परीक्षा दे रहा है। संदीप परीक्षा केंद्र के बाहर ही मौजूद है। अजय की निशानदेही पर संदीप को भी परीक्षा केंद्र के बाहर से गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रधानाध्यापक ने बताया कि फिलहाल दोनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है और इसके सूचना बीपीएससी को भी दे दी गई है।

बेगूसराय में मां पर बंदूक तानी..बेटी को उठा ले गए

बेगूसराय। बेगूसराय में एक लड़की का उसके घर से उसकी मां के सामने अपहरण कर लिया गया है। मां पर पिस्टल तानकर अपराधी लड़की को घसीटते हुए कार में ले गए। बताया जा रहा है कि एक तरफा प्यार में इस किडनैपिंग को अंजाम दिया गया है। लड़की की मां और भाई का कहना है कि बीते 2 महीने से ऋषिकेश नाम का एक लड़का उसे तंग कर रहा था। बात करने के लिए फोन करता था। इसके बाद बहन ने नंबर बदल लिया था। उसने प्रपोज भी किया था, लेकिन उसने प्रपोजल को ठुकरा दिया था। शुक्रवार को 4 लोग उसे घर से उठाकर ले गए। अपहृत छात्रा ने जीएनएम की पढ़ाई कर रही है। शुक्रवार को वो अपनी मां के साथ घर के बगल में गोशाला में थी। मवेशियों को चारा दे रही थी। इसी दौरान करीब 4 बदमाश आए। मां पर बदमाशों ने बंदूक तान रखी थी। घटना मटिहानी थाना क्षेत्र की है। पुलिस इसे प्रेम-प्रसंग का मामला मान रही है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। रास्ते में एक लड़का परेशान करता था सदर-2 डीएसपी भास्कर रंजन के नेतृत्व में पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। छात्रा मध्य प्रदेश से जीएनएम कर रही है। वह थर्ड ईयर की छात्रा है। करीब छह महीने पहले उसने बेगूसराय के एक प्राइवेट अस्पताल में प्रैक्टिस करना शुरू किया। भाई ने बताया कि घर से साइकिल पर सवार होकर बेगूसराय आती-जाती थी। मटिहानी का एक युवक रास्ते में रोककर उससे बात करने की कोशिश करता था, उसके नंबर मांगता था। पर छात्रा उसे इग्नोर करती थी। पहले बाइक से रेकी की, फिर कार से आए- भाई परेशान होकर छात्रा ने अपना नंबर बदल लिया थी, जिसके बाद वो मां के नंबर पर फोन करता था। किसी और के फोन उठाने पर बहाने से काट देता था। घटना के बारे में भाई ने बताया कि बहन, मां के साथ ही। पहले बाइक से 2 लोग आए। 5-10 बाद एक कार से कुछ लोग आए, राउंड लगाकर चले गए। थोड़ी देर बाद फिर लौटे और मेरी बहन को उठाकर कार में ले गए। लड़के के परिजनों से शिकायत भी की थी छात्रा के ना कहने के बाद भी ऋषिकेश रास्ते में तंग करता था। जिससे परेशान परिजनों ने छात्रा को अस्पताल भेजना छोड़ दिया। छात्रा के पिता ने आरोपी लड़के के परिजनों से इसकी शिकायत भी की थी। परिजनों का कहना है कि ऋषिकेश शराब कारोबारी है। हथियार सहित अन्य असामाजिक कार्य में लिप्त रहता है। प्रेम-प्रसंग का मामला लग रहा घटना की सूचना परिजनों ने तुरंत थाने को दी, लेकिन थाना की पुलिस नहीं पहुंची।

सड़क हादसे के 24 घंटे बाद लाइव वीडियो आया सामने

बेतिया। बेतिया से सड़क दुर्घटना के 24 घंटे बाद हादसे का लाइव वीडियो सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि छावनी चौक पर ओवर ब्रिज के पास एक ट्रक खड़ा है। वहीं ट्रक के आगे से लोग आना-जाना कर रहे थे। इस बीच सबसे पहले एक बाइक पर सवार दो लोग ट्रक के आगे से जाते है। इसके बाद तीन लोग पैदल गुजरते है। ट्रक के कुछ फीट आगे बढ़ते ही दो लोगों ने गंवाई जान सड़क पर सब कुछ सामान्य दिख रहा था। वहीं कोई व्यक्ति दूर बैठा सड़क की जर्जर हालत को दिखाने के लिए वीडियो बना रहा था। वीडियो में पवन सिंह का निर्गुण गीत बज रहा था। इस दौरान बाइक पर बैठे दो युवक ट्रक के आगे से निकलने ही वाले थे कि अचानक गाड़ी आगे बढ़ जाता है। कुछ फीट गाड़ी बढ़ते ही ट्रक और ब्रिज के पिलर के बीच में बाइक सवार दोनों युवक दब जाते हैं। गाड़ी को पीछे करते रहे लोग, इधर तड़पता रहा युवक वहां का माहौल अचानक अफरा तफरी का हो जाता है। सभी लोग दोनों युवक को बचाने के लिए दौड़ते है। लाख कोशिश के बाद भी युवक को ट्रक के बीच से नहीं निकाल पाते है। अंत में 20 से 25 लोग मिलकर किसी तरह ट्रक को थोड़ा पीछे ढकेलने में सफल होते है और एक युवक को निकालते है। इसके बाद क्रेन की मदद से ट्रक को हटाया जाता है और दूसरे युवक को भी बाहर निकाला जाता है। हालांकि तब तक एक युवक की मौत हो जाती है। वहीं दूसरा युवक घायल हो जाता है। उसे इलाज के लिए परिजन गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराते है। जहां शनिवार को उसकी मौत हो गई। दोनों मृतकों की पहचान हाजमा टोला वार्ड-27 निवासी रामायण साह का बेटा आर्यन (19) और मनुआपुल थाना क्षेत्र के छावनी निवासी दुफरान आलम (27) के रूप में हुई है। बता दे कि प्लंबर दुफरान आर्यन के घर पर काम करने पहुंचा था। इस दौरान रेलवे क्रासिंग के पास घटना हो गई। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने शुक्रवार को आगजनी कर सड़क जाम कर दिया था। सूचना मिलने पर 6 थानों की पुलिस मौके पर पहुंची थी और लोगों को शांत कराया था।

लोहा चुराने गए थे,दाढ़ी वाले ने विवेक-प्रत्यूष को पकड़ लिया

पटना। पटना में दो बच्चे की मौत मामले में नया मोड़ आया है। दोनों बच्चों के साथ गए उनके दो दोस्तों ने भास्कर से बातचीत में अलग ही कहानी बताई है। दोस्तों का कहना है कि विवेक-प्रत्यूष के साथ वो दोनों लोहा चोरी करने गए थे। वहां एक सफेद कुर्ता पहने दाढ़ी वाले शख्स ने विवेक और प्रत्यूष को पकड़ लिया। हमें भी पकड़ना चाहते थे, लेकिन हम भाग निकले। वहीं जब भास्कर की टीम ने उनसे पूछा कि पुलिस के सामने तो तुमने कुछ और कहा था। तब दोनों बच्चों ने कहा कि पुलिस को देखकर डर गए थे। हमें लगा कि हमे ही न फंसा जाएं। इधर, अबतक की जांच में पुलिस इसे डूबने से मौत मान रही है, पश्चिमी टोला के रहने वाले 11 और 12 साल के 2 बच्चों (विवेक और प्रत्यूष) का शव मिला था। परिजनों ने हत्या की बात कही थी। विवेक के पिता विनोद कुमार ने आरोप लगाया था कि बच्चों की आंखें फोड़ी गई।

आरा में 20 रुपए का लालच दिया, सुनसान जगह पर किया अननेचुरल सेक्स; गिरफ्तार

आरा(भोजपुर)। भोजपुर में 8 साल के मासूम के साथ अननेचुरल सेक्स का मामला सामने आया है। यहां 19 वर्षीय आरोपी मोहम्मद सोनू उर्फ मोहम्मद निरहू ने बच्चे को 20 रुपए का लालच देकर उसे सुनसान इलाके में ले गया, जहां उसके साथ गलत काम किया। वारदात के बाद जो 20 रुपए दिए थे वो भी छीन ली। इस घटना के बाद बच्चा काफी डर गया और रोने लगा। बच्चे को रोता देख आरोपी उसे चौकलेट का लालच देकर अपने साथ घर ले जा रहा था, लेकिन वो अपने घर भाग गया और सारी बात अपने परिजनों को बताई। बता दें कि वारदात स्थल से बच्चे के घर की दूरी ज्यादा नहीं है। आरोपी सोनू घर के पड़ोस में ही रहता है। वहीं, इस घटना के बाद बच्चे की हालत गंभीर हो गई। परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। साथ ही थाने में आरोपी मो. निरहू के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। ये पूरी घटना गुरुवार को जगदीशपुर थाना क्षेत्र की है। शुक्रवार को इस मामले में परिजनों ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

बांका में श्रावणी मेला का 22 जुलाई को उद्घाटन, खाने-पीने के सामानों का रेट तय

बांका। बांका में विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला की तैयारी करीब-करीब पूरी हो चुकी है। युद्ध स्तर से कांवरिया पथ पर तैयारी चल रही है। 22 जुलाई को श्रावणी मेला का उद्घाटन होगा। जिला प्रशासन की टीम लगातार कांवरिया पथ का जायजा ले रही है। कांवरियों की सुविधा के लिए अबरखा में पर्यटन विभाग की ओर से छह सौ बेड वाले टेंट सिटी का निर्माण कराया गया है। यहां पर कांवरियों के विश्राम करने के लिए बेड और शौचालय, पेयजल, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, कांवर स्टैंड आदि की व्यवस्था होगी। वहीं जिला प्रशासन द्वारा श्रावणी मेला में बिकनेवाली सामग्रियों की दर निर्धारित कर दिया गया है। कांवरियों से निर्धारित दाम से अधिक पैसा लेने पर कार्रवाई होगी। खाद्य एवं पूजन सामग्री की कीमत दुकानों पर टंगी रहेगी। डीएम अंशुल कुमार और एसपी डॉक्टर सत्य प्रकाश सहित जिला प्रशासन जोर-शोर से लगा हुआ है। श्रावणी मेला को लेकर पूरे परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। इसके लिए पुलिस सहायता केंद्र के साथ जिला प्रशासन द्वारा सूचना केंद्र भी बनाया गया है। सीसीटीवी से पूरे परिसर पर नजर रखी जाएगी। टेंट सिटी में मनोरंजन के लिए संस्कृति कार्यक्रम का आयोजन होगा। हर शाम स्थानीय और बाहरी कलाकार भक्ति गीतों की प्रस्तुति देंगे। श्रद्धालुओं की समस्या का समाधान करने के लिए 24 घंटे हेल्पलाइन का संचालन किया जाएगा। शिकायत मिलने पर तुरंत की जाएगी कार्रवाई श्रावणी मेले में कांवरिया पथ पर गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाएगा। कोई भी दुकानदार बासी व घटिया भोजन, एक्सपायरी डेट की कोल्ड ड्रिंक्स आदि श्रद्धालुओं को मुहैया नहीं बेच सकते हैं। खाद्य सामग्री को हमेशा जालीदार व सूती कपड़ों से ढंककर दुकानदारों को रखना होगा। खाद्य सामग्री की कीमत जिला प्रशासन द्वारा तय की गई निर्धारित दर पर ही लेना होगा। दुकानों के आगे मूल्य तालिका लेमिनेशन कर टांगना होगा।

रेप-हत्या के 5 किरदार सबके पास बदले की अपनी कहानी

पति-पहला प्रेमी धोखे से खफा दूसरा ब्लैकमेलिंग से : देवर बदनामी से डरा सहेली धमकी से

बेतिया। 14 जुलाई को 28 साल की एक महिला का गला रेता हुआ अर्धनग्न शव झाड़ियों में मिलता है। लोग पहचान करते हैं। शव की हालत देखकर आशंका थी कि महिला की रेप के बाद हत्या की गई है। पुलिस आती है। डॉग स्क्वॉड और फोरेंसिक टीम के साथ मिलकर जांच करती है। फिर महिला के पति के बयान पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की करती है। केस में सुराग खोजने के मकसद से पुलिस महिला का कॉल डिटेल खंगालती है। यहीं से पुलिस को पहला क्लू मिलता है। महिला की आखिरी बार जिस शख्स से बात हुई थी, पुलिस उसे उठाती है और फिर मामला पूरी तरह से साफ हो जाता है। रेप-मर्डर के पीछे ऐसी सनसनीखेज कहानी का खुलासा होता है, जिसे सुनकर कोई भी चौंक जाए। एक के बाद एक 4 और लोग पकड़े जाते हैं। इसमें महिला का पति, उसका देवर, एक युवती के साथ एक और शख्स शामिल था। पकड़े गए सभी 5 लोग इस जुर्म में शामिल थे। चौंकाने वाली बात ये थी कि इसमें कोई किसी की मदद के लिए नहीं, बल्कि सब अपने हिस्से का बदला लेने के लिए हत्या में शामिल हुए। पांचों अपनी-अपनी ऐसी कहानियां बताते हैं कि पुलिस भी हैरान हो जाती है। एक महिला की हत्या करने के लिए पांचों की अलग-अलग वजहें सामने आती हैं। महिला से सभी को नफरत इतनी थी कि मारपीट के बाद पति और एक युवक पहले उसका रेप करता है। फिर गला दबाकर हत्या कर देता है। इससे भी मन नहीं भरता तो एक युवक चाकू से शव का गला रेत देता है। रेप-मर्डर की यह वारदात अवैध प्रेम प्रसंग में हुई। घटना में पति-देवर, दो पूर्व आशिक राहुल और अखिलेश के साथ एक युवती प्रीति भी शामिल हैं। पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। महिला के पति और देवर ने एक और आरोपी राहुल के साथ एक अर्द्धनिर्मित भवन में मीट और शराब की पार्टी की। यहीं पर महिला की हत्या की साजिश रची गई। पति के कहने पर अखिलेश ने महिला को फोन कर घर के पास बगीचे में बुलाया। जैसे ही महिला बगीचे में पहुंची, उसके पीछे से प्रीति भी चुपचाप वहां पहुंच गई। चारों ने पहले महिला को पीटा, इसके बाद महिला को चारों कब्रिस्तान के पास झाड़ियों में ले गए। वहां पति और राहुल ने उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद राहुल ने चाकू से उसकी गर्दन रेत दी। घटना को अंजाम देने के बाद पांचों वहां से अपने-अपने घर चले गए। सुबह में ग्रामीणों ने शव देखकर पुलिस और परिजनों को जानकारी दी। घटना के बाद महिला के पति ने पुलिस को बताया था कि वह घर से फोन पर बात करते हुए निकली थी। उसके बाद उसका पता नहीं चल सका था। पुलिस ने महिला के मोबाइल का सीडीआर निकाला तो लास्ट लोकेशन नरकटियागंज का मिला। उसके मोबाइल पर लास्ट कॉल 7:35 मिनट पर अखिलेश का ही था।

इसके बाद पुलिस ने अखिलेश के मोबाइल की लोकेशन पर छापेमारी कर उसे बगहा के भैरवगंज थाना क्षेत्र के बाजोगांव मझरिया से गिरफ्तार किया।

संक्षिप्त डायरी

पिपरासी प्रखंड के भैसहिया गांव में लगी आग दो घर राख

बगहा। पिपरासी प्रखंड के सेमरा लवेदाहा पंचायत के भैसहिया गांव में शनिवार की रात मच्छरों को भगाने के लिए जलाए गए घुर (गोबर के कं से लगी आग ने दो घरों को जलाकर राख कर दिया। इस हादसे में लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। आग लगने से गमहा वीन और उमा यादव का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। हादसे में दो बकरी भी जलकर मर गई। जबकि एक भैंस गंभीर रूप से घायल हो गई। आग इतनी तेजी से फैली कि ग्रामीणों की कोशिश के बाद भी काबू नहीं पाया जा सका। आग लगने की सूचना मिलते ही स्थानीय दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का काम किया। पीड़ित परिवारों का कहना है कि आगजनी के कारण उनके घर का सारा सामान जलकर राख हो गया है। प्रशासन की ओर से प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया गया है। फिलहाल नुकसान का आकलन किया जा रहा है और पीड़ित परिवारों को राहत प्रदान की जा रही है। पंचायत के मुखिया छेदी लाल प्रसाद ने बताया कि आग लगने के कारण घर में कुछ भी नहीं बच पाया है। हालांकि घर के लोग सकुशल बाहर निकाल गए थे।

विश्वविद्यालय में मिलेगा डीबीएसडी कॉलेज के परीक्षार्थियों का एडमिट कार्ड

छपरा। जय प्रकाश विश्वविद्यालय के स्नातक सीबीसीएस सत्र 2023-27 के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा 25 जुलाई से शुरू हो रही है। परीक्षा में शामिल होने वाले देवराहा बाबा श्रीधर दास डिग्री महाविद्यालय, कदना, गरखा, सारण में नामांकित परीक्षार्थियों का एडमिट कार्ड 22 जुलाई से 24 जुलाई 2024 तक सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक विश्वविद्यालय परिसर में वितरित किया जाएगा। इसके अलावा अन्य सभी महा विद्यालयों का एडमिट कार्ड संबंधित महा विद्यालयों में भेजा जा चुका है। परीक्षा नियंत्रक डॉ दिलीप कुमार ने बताया कि डीबीएसडी कॉलेज, कदना, गरखा, सारण में नामांकित परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र विश्वविद्यालय के मुख्य प्रशासनिक भवन स्थित काउंटर संख्या-3 पर वितरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए आवश्यक संख्या में कर्मियों की तैनाती कर दी गई है। एडमिट कार्ड प्राप्त करने के लिए परीक्षार्थियों को स्वयं आना होगा। किसी अन्य को एडमिट कार्ड नहीं दिया जाएगा। इसके साथ ही नामांकन रसीद, परीक्षा फॉर्म और आधार कार्ड या अन्य किसी फोटो युक्त पहचान पत्र की मूल प्रति और एक सेट छाया प्रति साथ लाना होगा। जानकारी के अनुसार डीबीएसडी कॉलेज कदना में प्रभारी प्राचार्य को लेकर विवाद है। इसको लेकर कोर्ट में भी मामला दर्ज कराया गया है। दो गुटों के विवाद को लेकर विश्वविद्यालय ने छात्र हित में विश्वविद्यालय परिसर में एडमिट कार्ड बांटने का निर्णय लिया है। डीबीएसडी कॉलेज के सभी छात्रों का परीक्षा फॉर्म विश्वविद्यालय परिसर में ही जमा किया गया था।

खुले आसमान के नीचे कचरे की तरह पड़े मिले प्रश्नपत्र

जमुई। के शिक्षा विभाग कार्यालय परिसर में लापरवाही और कुव्यवस्था की तस्वीर सामने आई है। जहां 9वीं, 10वीं और 12वीं के हर महीने ली जानी वाली मासिक परीक्षा के प्रश्न पत्र के बंडल खुले आसमान के नीचे जमीन पर जहां तहां फेंका पाया गया। इस दौरान कई विद्यालयों के शिक्षक अपने विद्यालय कोड के अनुसार प्रश्नपत्र ढूंढते हुए देखे गए। हर एक शिक्षक को अपने स्कूल के लिए प्रश्नपत्र को ढूंढने में करीब एक घंटे का समय लग रहा था। हालांकि शिक्षक अपनी परेशानी को बताने में डर रहे थे। वहीं एक महिला शिक्षक ने कहा कि वह कल से परेशान है प्रश्नपत्र को खोजने में। दरअसल, 27 जुलाई से 9वीं, 10वीं और 12वीं की मासिक परीक्षा होने वाली है। इस परीक्षा में सैकड़ों छात्र-छात्राएं शामिल होने वाले हैं। विभाग के क्लर्क कौशलेंद्र कुमार का कहना था कि प्रश्नपत्र को नंबरिंग करके रखा गया है। फेंका नहीं गया है। कोई भी टीचर परेशान नहीं है। सब प्रश्नपत्र लेकर जा रहे है।

छपरा की लड़की बिहटा से नशे की हालत में बरामद

बिहटा। नेउरा थाना क्षेत्र के अदलीपुर गांव से शनिवार की शाम को एक नाबालिग लड़की को बरामद किया गया है। वह नशे की हालत में थी। बरामद लड़की छपरा जिले की रहने वाली है। पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। फिर पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया गया है। नाबालिग के माता-पिता नहीं हैं। वह अनाथ है। चाचा के पास दिल्ली जा रही थी। उसके पास से एक जनरल ट्रेन का टिकट भी मिला है, जो सोनपुर से दिल्ली का है। शुक्रवार की देर रात दानापुर रेलवे स्टेशन पर एक युवक से किशोरी की मुलाकात हुई थी। नौकरी का लालच देकर नेउरा के अदलिपुर गांव में दोस्त के यहां ले आया था। शनिवार की सुबह चाय और नाश्ते में कुछ नशीली पदार्थ मिलाकर दिया था। चाय पीने के दौरान ही किशोरी को नशे में होने का एहसास होने लगा था। इसके बाद शोर मचाने लगी। ग्रामीण इकट्ठा हो गए। इसके बाद किशोरी ने आपबीती सुनाई। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना डायल 112 पुलिस को दी। किशोरी ने बताया कि बीते देर रात को रेलवे स्टेशन पर एक युवक मिला। नौकरी दिलाने की बात कह के घर ले आया था। हालांकि, उसने कहा कि हमारे साथ दुष्कर्म नहीं हुआ है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक अदलीपुर में यह कोई पहला मामला नहीं है। इसके पहले भी आरोपी मानव तस्करी का काम कर चुका है। घटना की पुष्टि करते हुए दानापुर डीएसपी टू पंकज कुमार मिश्रा ने कहा कि एक लड़की को नशे की हालत में बरामद किया गया है। लड़की के परिजनों को सूचना दी गई है। लड़की का मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही पुष्टि किया जाएगा कि दुष्कर्म भी हुआ है या नहीं।

शराबियों ने परिवार के साथ की मारपीट

समस्तीपुर। के अंगार घाट थाना क्षेत्र के चैता गांव में शनिवार रात दारू पीकर हो हल्ला करने से मना करने पर एक ही परिवार के 4 लोगों को तेज धारदार हथियार से घायल कर जख्मी कर दिया गया। घायल सज्जन महतो के अलावा उनकी पत्नी बुलबुल देवी, उनका भाई भरत महतो और संतोष महतो को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां सज्जन और भारत की स्थिति गंभीर बनी हुई है। इधर, घटना की सूचना पुलिस को दी गई है। सूचना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के संबंध में पीड़ित सज्जन महतो ने बताया कि उनके पड़ोसी शत्रुघन महतो हमेशा दारू पीकर को हो-हल्ला करता रहता है। शुक्रवार रात भी उसने काफी हो हल्ला किया था। इसके लिए वह और परिवार के लोगों ने उसे दारू पीने से मना किया। रात में मामला शांत हो गया। शनिवार सुबह-सुबह वह अपनी बेटी के यहां चले गए। देर रात जब वह अपनी बेटी के घर से लौटे तो सज्जन घर से कुछ दूर पहले अचानक उस पर घातक हथियार से वार करना शुरू दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके चीखने चिल्लाने पर जब उनके भाई को भारत और संतोष पहुंचे तो उसे भी जख्मी कर दिया।

इस दौरान जब उनकी पत्नी बीच बचाव करने आई तो उसे भी मारपीट कर घायल कर दिया गया। काफी हो हल्ला होने पर जब गांव के लोग जुटे तो शत्रुघन मौके से फरार हो गया।

मेवा कारोबारी के स्टॉफ से 10 लाख की लूट

पटना। आलमगंज थाना क्षेत्र के गायघाट व्यवहार न्यायालय के नजदीक शनिवार को देर रात मेवा व्यापारी के स्टाफ से अपराधियों ने हथियार के बल पर 10 लाख लूट । घटना की सूचना पीड़ित ने पुलिस को लगभग 2 घंटे बाद दी। पुलिस इसे संदिग्ध मामला मान रही है। हालांकि मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दिया है। आलमगंज थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि पटना सिटी जैसे भीड़ वाली जगह पर लूट की घटना होती है। इसके बावजूद पीड़ित की ओर से 2 घंटे बाद पुलिस को सूचना दी जाती है। इससे यह प्रतीत होता है कि मामला संदिग्ध है। उन्होंने कहा कि पीड़ित के बयान के आधार पर लिखित आवेदन लेने के बाद मामले की छानबीन शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरा को भी पुलिस गहराई से देखकर छानबीन कर रही है। पटना के सब्जी बाग से मेवा व्यापारी के दो स्टाफ कार में 10 लाख लेकर पटना सिटी चौक की तरफ जा रहे थे। गाय घाट कोर्ट के नजदीक बाइक से ओवरटेक करके दो अपराधियों ने गाड़ी को रोकवाया। हथियार के बल पर 10 लाख से भरा बैग लूट कर फरार हो गए। घटना के लगभग 2 घंटे के बाद पीड़ित ने इसकी सूचना आलमगंज थाने को देने की बात बताई जा रही है।

इस मामले को लेकर पटना सिटी के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं की गहराई से छानबीन कर रही है। अगर लूट की घटना हुई है तो पुलिस छापेमारी कर जल्द खुलासा करेगी।

ट्रक चालक और सह चालक को नशीला पदार्थ खिलाकर लूटा

रोहतास। में ट्रक से 501 बोरा मूँग गायब करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार ट्रक चालक और सह चालक को नशे की गोली देकर बेहोश किया गया और इसके बाद वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस ने चालक और सह चालक को इलाज के लिए शनिवार को सदर अस्पताल में भेजा, जहां उनका इलाज चल रहा है। सदर अस्पताल में इलाजरत चालक अरविंद कुमार ने बताया कि वह गया से अपने ट्रक पर 501 बोरा मूँग लादकर दिल्ली लेकर जा रहे थे। वहीं डेहरी में गाड़ी रोक कर आराम करने लगे। इस बीच 6 लोग गाड़ी से आए और जबरदस्ती ट्रक में चढ़ कर हथियार के बल पर लूट लिया। इस दौरान नशे की गोली खिलाकर सब लोग भाग निकले। जब होश आया तो पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को सदर अस्पताल इलाज के लिए भेजा। चालक अरविंद कुमार ने बताया कि सह चालक रौशन कुमार को अभी तक होश नहीं आया है। घटना में दोनों का फोन और 5 हजार नगद भी लूट लिया गया। मामले को लेकर राजपुर थानाध्यक्ष ने बताया कि ट्रक चालक और सह चालक को नशे की गोली देकर मूँग गायब करने का माला सामने आया है। खाली ट्रक में दोनों बेहोशी की हालत में मिले थे, जिनका इलाज कराया जा रहा है। आवेदन मिलने पर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

आपसी विवाद में दो पक्षों में गोलीबारी एक मौत दो घायल

कैमूर। के चैनपुर थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर गांव में आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। इसमें एक पक्ष से एक व्यक्ति की गोली लगने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई है और वहीं गोली लगने से एक व्यक्ति घायल हो गया। घटना में पिटाई से भी एक व्यक्ति घायल हो गया है। दोनों घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल भभुआ में भर्ती कराया गया है। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दूसरे पक्ष के चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं सात लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ किया जा रहा है। घटनास्थल से 15 खोखा, दो देसी पिस्टल और तीन जिंदा गोली बरामद हुआ है। वही पीड़ित पक्ष की ओर से कुल 29 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। मृत व्यक्ति सिकंदरपुर गांव के इलियास शाह का बेटा अनि शाह बताया जा रहा है।

साहेबगंज और सर्किल फीडर में सुबह 9 से पावर कट

छपरा। शहरी क्षेत्र में रविवार को 2 घंटे का पावर कट किया जाना है। थाना चौक से दरोगा राय चौक तक नगर निगम की ओर से तिरंगा लाइट और स्ट्रीट लाइट का काम किया जा रहा है। इसको लेकर सर्किल फीडर और साहेबगंज फीडर में सुबह में 9 बजे से 11 बजे तक बिजली गुल रहेगी। विभाग की ओर से इससे पहले बिजली संबंधित कार्य को निपटा लेने की सलाह दी गई है। कनीय अभियंता ने बताया कि सर्किल फीडर और साहेबगंज फीडर में पावर कट किया गया है। कार्य खत्म होने के बाद बिजली बहाल कर दी जाएगी। इस दौरान हुई परेशानी के लिए बिजली विभाग क्षमा प्रार्थी है।

स्टेशन पर बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस हुआ धुंआ-धुंआ

समस्तीपुर। जंक्शन पर बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में फायर इक्विपमेंट अचानक लीक हो गया। दरभंगा से नई दिल्ली एक्सप्रेस जा रही थी। जनरल बोगी में रखा फायर इक्विपमेंट लीक हुआ है। इससे स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद ट्रेन से यात्री कूदने लगे। लोगों को लगा की ट्रेन में आग लग गई है। प्लेटफॉर्म से खुल रही ट्रेन में अचानक हुए इस हादसे को देखकर चालक ने सूझबूझ का परिचय दिया और ट्रेन को तत्काल रोक दी। इस दौरान मौके पर तैनात आरपीएफ और जीआरपी के जवानों ने स्थिति को नियंत्रित किया। लीक हो रही फायर फाइटर को बंद किया। घटना की सूचना मिलते ही मैकेनिकल विभाग समेत रेलवे के अधिकारी स्टेशन पहुंचे। मामले की जांच की। सब ठीक-ठाक रहने के बाद ट्रेन को 10:30 बजे मुजफ्फरपुर के लिए रवाना किया गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। घटना के संबंध में बताया गया है कि दरभंगा से नई दिल्ली जाने वाली 02565 बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस समस्तीपुर जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर 1 पर आकर रुकी थी। ट्रेन में इंजन जोड़े जाने के बाद इसे मुजफ्फरपुर के लिए रवाना किया गया। ट्रेन जैसे ही प्लेटफार्म से खुली की इंजन से तीसरे जनरल बोगी में रखा फायर फाइटर अचानक लीक होने लगा। इससे अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, स्पीड कम होने के कारण किसी को चोट नहीं लगी। सभी ट्रेन से बाहर निकल गए। चालक ने तत्काल ट्रेन रोक दी। रेल रुकते ही मौके पर तैनात जैसे ही अंदर प्रवेश किए तो देखा कि फायर इक्विपमेंट पर यात्री बैठ गए थे। इस कारण फायर इक्विपमेंट एक्टिव हो गया। जवानों द्वारा तत्काल फायर फाइटर को बंद किया गया। इस दौरान स्टेशन पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया। मामले की जानकारी मिलते ही रेलवे अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और जांच की। RPF के अधिकारियों का मानना है कि जनरल बोगी में अत्यधिक भीड़ होती है। आज भी काफी भीड़ थी। मुजफ्फरपुर की घटना के बाद अब ट्रेन की सभी बोगी में फायर इक्विपमेंट रखने का प्रावधान है। इसके तहत जनरल बोगी में भी फायर इक्विपमेंट को रखा गया था। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि जनरल बोगी में वीर अधिक थी। कोई यात्री फायर इक्विपमेंट के सिलेंडर पर बैठ गया था। इस कारण फायर इक्विपमेंट एक्टिव हो गया। उसे गैस रिलीज होने लगी। इससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया, क्योंकि गैस रिलीज होने से बोगी में धुआं जैसा दिखने लगा था। डीआरएम का बयान डीआरएम विनय श्रीवास्तव ने बताया कि दरभंगा से नई दिल्ली जा रही बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के इंजन से सटे तीसरे बोगी में अत्यधिक भीड़ थी। जहां एक यात्री फायर इक्विपमेंट पर बैठ गए। इस कारण दबाने से उसकी गैस लीक होने लगी। फल स्वरुप अफरा-तफरी का माहौल व्याप्त हो गया था। इसमें कोई हताहत नहीं हुए हैं। कोई ब्लास्ट नहीं हुआ है। रेलवे अधिकारियों की टीम को मौके पर भेजा गया था। ट्रेन कुछ देर रुकी फिर उसे मुजफ्फरपुर के लिए रवाना कर दिया गया।

तेज धूप व उमस भरी गर्मी नहीं रोक सकी परिक्रमार्थियों कदम

मथुरा। राजकीय मुड़िया पूर्णिमा पर गिरिराज धाम गोवर्धन में शनिवार को तेज धूप और उमस भी परिक्रमार्थियों के पग रोक नहीं सके। गिरिराज महाराज की भक्ति के रंग में रंगे श्रद्धालु अपनी आस्था के साथ गिरिराज महाराज की सप्तकोसी परिक्रमा लगा रहे हैं। समूचा परिक्रमा मार्ग राधा रानी की जय और गिरिराज महाराज की जयकारों से गुंजायमान हो रहे हैं। गिरिराजजी के आंगन में ना कोई छोटा है ना कोई बड़ा सभी एक साथ परिक्रमा लगा रहे हैं। देर सायं होते होते श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ गई है। समूचे परिक्रमा मार्ग में मानव श्रंखला बन गई। सायं साढ़े पांच बजे के बाद वर्षा होने से श्रद्धालुओं का उत्साह दुना हो गया। मुड़िया पूर्णिमा की पूर्व संध्या को हर तरफ से होकर आने वाले श्रद्धालुओं को गोवर्धन के मार्गों पर काफी दूरी पर रोका जा रहा था। विभिन्न राज्यों के श्रद्धालु यहां से करीब पांच से चार किमी पैदल चलकर गोवर्धन परिक्रमा देने के लिए पहुंच रहे थे। इसकी शिकन उनके चेहरे पर गर्मी व उमस के बाद भी दिखाई नहीं दे रही थी, सभी का एक ही लक्ष्य था कि वे किसी भी तरह गिरिराजजी की परिक्रमा लगाएं। श्रद्धालुओं ने दानघाटी मंदिर पर पहुंचकर गिरिराजजी की पूजा अर्चना की। मंदिर प्रांगण श्रद्धालुओं की भीड़ में खचाखच भरा रहा। यही हाल मानसी गंगा स्थित गिरिराज मुकुट मुखारविंद मंदिर का था। गिरिराजजी की पूजा अर्चना के बाद दानघाटी मंदिर से परिक्रमार्थी कुछ पग दंडवती करके सप्तकोसी परिक्रमा प्रारंभ कर रहे थे। यहां से आन्यौर, पूछरी, जतीपुरा होकर बड़ी परिक्रमा लगा रहे थे। उसके बाद छोटी परिक्रमा गोवर्धन के बड़े.बाजार, हाथी दरवाजा, नगर पंचायत कार्यालय, होकर राधाकुंड की तरफ परिक्रमार्थियों के पग बढ़ रहे थे। राधाकुंड श्याम कुंड और चैतन्य महाप्रभु मंदिर के दर्शन करके श्रद्धालु कुसुम सरोवर, हरगोकुल मंदिर और दसविसा स्थित गिरिराज मुकुट मंदिर पहुंच रहे थे।

समूचा भक्त गिरिराज महाराज और राधा रानी की जयकारों से परिक्रमा मार्ग गुंजायमान हो रहे थे। सात कोस परिक्रमा मार्ग में आस्था और श्रद्धा के समागम के बीच जनसैलाब नजर आ रहा था। गिरिराज जी के प्रमुख मंदिरों में मुराद को पूरी करने के दूध-भोग चढ़ाने और पूजा करने वालों की संख्या भी बढ़ती गई। मंदिरों में पूजा करने के लिए खचाखच भीड़ रही। भीड़ का सैलाब गिरिराज दानघाटी मंदिर, परिक्रमा मार्ग में आन्यौर, पूंछरी, जतीपुरा, राधाकुंड के अलावा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और पार्किंग स्थलों पर दिखाई दिया।

धार्मिक कार्यक्रम, सेवा शिविर और भजनों पर थिरकते श्रद्धालु, मेला की शोभा बढ़ा रहे थे। मुड़िया मेला में चहुंओर भक्ति का वातावरण दिखाई दिया।

ई-रिक्शा टेंपो में बैठ सांसद हेमा मालिनी ने परिक्रमा रोड का

क्या निरीक्षण-रोड पर गड्ढे और गंदगी देख जताई नाराजगी

मथुरा। गुरु पूर्णिमा से एक दिन पहले मथुरा वृंदावन में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी है। गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं को कोई दिक्कत ना हो इसे देखते हुए मथुरा सांसद हेमा मालिनी परिक्रमा मार्ग का किया निरीक्षण- शुक्रवार को उन्होंने ई-रिक्शा से परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं से बातचीत की उनका हाल जाना और किसी भी तरह की परिक्रमा मार्ग पर आने वाली समस्या के बारे में पूछा- परिक्रमा मार्ग पर गंदगी और सड़क के गढ़े देखकर अधिकारियों से नाराजगी जताई।

आखिर नफरत की राजनीति कब बंद होगी डाक्टर शेख

मथुरा। वंचित समाज इंसाफ पार्टी की बैठक आयोजित हुई बैठक की अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बी पी शास्त्री ने की बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जनाब डाक्टर शेख ने कहा कि कावड के नाम पर नफरत की राजनीति हो रही है जिस तरह दुकानों पर नाम लिखना होटलों से मुसलमान वर्करों को हटाना लोगो के बीच दूरी पैदा कि जा रही है यह देश या प्रदेश के लिए अच्छा नही है श्री शेख ने कहा कि इस हरकत पर सुप्रीम कोर्ट को संज्ञान लिया जाना चाहिए वीआईपी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जनाब डाक्टर शेख ने मुसलमान भाइयों से अपील की वो इस नफरत का जवाब मुहब्बत से दे कावड यात्रा पर फूल बरसाए उनकी सेवा करे मुहब्बत ही नफरत को काट सकती है इस मौके पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता नासिर खान ने कहा कि कुछ सालों से हिंदू मुस्लिम मंदिर मस्जिद के नाम पर राजनीति हो रही है

इस से देश का विकास नहीं हो सकता आज जरूरत है हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई सब मिलकर देश को तरक्की के रास्ते पर ले जाय बीपी शास्त्री ने कहा कि आज जरूरत है देश में भाई चारे की युवाओं को रोजगार की गरीबों पिछड़ों दलितों आदिवासियों किसानों मुसलमानों को उन की आबादी के अनुपात में हिस्सेदारी दी जाय इस मौके पर सभी ने अपने अपने विचार रखे इस मौके असलम सफीर जय प्रकाश कामरान पावन वसीम बबलू आदि मौजूद रहे

वृंदावन परिक्रमा मार्ग का हाल जानने को निकली हेमामालिनी

मथुरा। तीसरी बार सांसद बनी सिने स्टार हेमा मालिनी पहली बार वृंदावन के परिक्रमा मार्ग का जायजा लेने ऑटो में सवार होकर निकली। इस दौरान सांसद ने परिक्रमार्थियों से उनका हाल चाल जाना और परिक्रमा मार्ग की हालिया स्थिति पर अपनी नाराजगी जताई। सांसद ने निगम के अफसरों को जल्द ही हालात सुधारने के निर्देश दिए। मथुरा संसदीय सीट से जीत की हैट्रिक लगाने वाली सांसद हेमा मालिनी अपने इस कार्यकाल में अलग ही अंदाज में नजर आ रही है। एक हफ्ते के जनपद दौरे पर आई सांसद लगातार बैठक कर अलग-अलग विभागों के अधिकारियों और पार्टी कार्यकताओं से अपडेट ले रही है। बिजली विभाग के अफसरों की कमान कसने के बाद उन्होंने नगर निगम पर ध्यान केंद्रित किया। गर्मी के मौसम में प्राचीन केशीघाट का निरीक्षण करने चुपचाप ऑटो में सवार होकर पहुंच गईं। घाट के आसपास भारी गंदगी का आलम देखकर उन्होंने निगम के अधिकारियों का आड़े हाथों लिया। विशेष सफाई व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इसके बाद ऑटो रिक्शा से वृंदावन परिक्रमा मार्ग की हालिया स्थिति जानने निकल पड़ीं। रास्ते में यहां की परिक्रमा लगाते श्रद्धालुओं से उन्होंने बात की । सभी का राधे राधे करके अभिवादन किया। उनका और परिक्रमा मार्ग का हाल जाना। करीब सात किलोमीटर तक निरीक्षण करने के बाद सांसद रमणरेती से अपनी गाड़ी में सवार हो गई। सांसद का यह बदला रूप अधिकारियों और आम जनता के बीच काफी चर्चा का विषय बना हुआ है। लोग कहते हुए नजर आए सांसद इस तरह कार्य करती रहीं तो जिले के अधिकारी सतर्क हो कर कार्य करेंगे और लोगों की समस्याओं का समाधान होगा।

जिला कारागार में सिविल डिफेंस और जेल अधीक्षक ने किया वृक्षारोपण

मथुरा। जिला कारागार मथुरा में मुख्यमंत्री मोहदय के निर्देश पर 'पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ जन अभियान-2024' (एक पेड़ मां के नाम) जेल अधीक्षक अंशुमान गर्ग, और नागरिक सुरक्षा विभाग मथुरा के उप नियंत्रक जसवंत सिंह, सहायक उप नियंत्रक जितेंद देव सिंह के नेतृत्व मे वृक्षारोपण किया गया जिसमें नीम, अशोक, जामुन, बरगद का पेड़ लगाए गए जिसमें चुड़ामणि तिवारी, डॉ. सुभाष चन्द, सुरेश यादव व्यवस्थापक, संजय सिंह, सत्यवीर सिंह, अश्विनी कुमार, नागरिक सुरक्षा विभाग मथुरा के डिविजनल वार्डन भारत भूषण तिवारी, सीनियर स्टाफ ऑफीसर टू चीफ वार्डन दीपक चतुर्वेदी बैंकर पोस्ट वार्डन अशोक यादव के द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

संक्षिप्त डायरी

उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय एवं गौ-अनुसंधान संस्थान

मथुरा। परिसर में वन विभाग द्वारा वृक्षारोपण जन अभियान 2024 के एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत उत्तर प्रदेश सरकार के चीनी मिल एवं गन्ना विकास मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण सिंह जी की अध्यक्षता में राज्यसभा, सांसद चौधरी तेजवीर सिंह जी, मंडलायुक्त आगरा मंडल श्रीमती रितु माहेश्वरी जी, जिलाधिकारी मथुरा शैलेंद्र कुमार सिंह जी, विश्वविद्यालय के कुल सचिव प्रोफेसर अरुण कुमार मदान जी, मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीणा जी, डीएफओ मथुरा रजनीकांत मित्तल जी की उपस्थिति में वृक्षारोपण जन अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय कैबिनेट मंत्री श्री लक्ष्मी नारायण सिंह जी ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं तथा विभिन्न विद्यालयों से पधारे छात्र-छात्राओं को मानव जीवन में पेड़ के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि छायादार वृक्ष छाया के साथ-साथ हमें ऑक्सीजन भी उपलब्ध कराते है, जो मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस अभियान एक वृक्ष मां के नाम के अंतर्गत हम सभी को कम से कम एक वृक्ष का रोपण कर, उसकी अच्छे से देखभाल करना चाहिए। जिससे हम अपनी धरती को हरा-भरा तथा स्वच्छ बना सके। चौधरी तेजवीर सिंह, माननीय सांसद, राज्यसभा मथुरा ने पौधों से होने वाले लाभों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हम जितना अधिक पौधों का रोपण करेंगे तथा जितनी अच्छे से देखभाल करेंगे, हमारा जीवन उतना ही स्वस्थ एवं आनंद पूर्ण होगा। जिलाधिकारी मथुरा श्री शैलेंद्र कुमार सिंह ने वृहद वृक्षारोपण जन अभियान 2024 के अंतर्गत कराए जाने वाले वृक्षारोपण के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में कुल 37 लाख पौधों का रोपण किए जाने का लक्ष्य है। जिसमें मुख्य रूप से कंजी, पीपल, बरगद, पाकड़, जामुन, इमली, आदि का रोपण विभिन्न विभागों द्वारा समस्त जनपद में किया जा रहा है। फरह अमृत सरोवर महुअन में मंडलायुक्त महोदया द्वारा ग्राम प्रधान एवं ग्रामीण महिलाओं के साथ पौधरोपण किया। अमृत सरोवर का निरीक्षण किया तथा आसपास के क्षेत्र का जायजा लिया। सरोवर के निकट बनी गौशाला में भूसा, हरा चारा, पानी, शेड आदि उपलब्धता की जानकारी ली। इसके बाद मंडलायुक्त महोदया ने फरह वन ब्लॉक, मथुरा में विरासत वृक्ष वाटिका में पौधरोपण किया। वहां मौजूद विद्यालय के छात्रों को पौधा भेंटकर मां के नाम पौधरोपण करने एवं रोपे गए पौधों की देखभाल करने के लिए प्रेरित किया।

एंटी नारकोटिक्स एवं पुलिस टीम ने अवैध गांजा सहित पांच तस्कर किये गिरफ्तार

मथुरा। थाना जमुनापार पुलिस एवं एंटी नार्कोटिक टास्क फोर्स आगरा जोन आगरा की संयुक्त टीम की कार्यवाही में अन्तर्राज्यीय गांजा तस्कर गिरोह के पाँच अभियुक्तगण को 72.2 किलो ग्राम अवैध गांजा एवं गांजा तस्करी में प्रयुक्त एक कार व एक मोटर साइकिल सहित गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक,नगर के निर्देशन में सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी सदर एवं पुलिस उपाधीक्षक एएनटीएफ आपरेशनल यूनिट आगरा जोन आगरा के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक जमुनापार के कुशल नेतृत्व में पुलिस टीम एवं एंटी नार्कोटिक टास्क फोर्स आगरा जोन आगरा की संयुक्त टीम की कार्यवाही में दिनांक 20.07.2024 को मुखबिर की सूचना पर चैकिंग के दौरान अन्तर्राज्यीय गांजा तस्कर गैंग के .विक्रम सिंह पुत्र दरब सिंह

निवासी म0नं0 77 दशरथ कुंज शहीद पार्क के पास थाना शाहगंज आगरा मूल निवासी नगला सर्वजीत दिगरौता थाना कागारौल जनपद आगरा उम्र करीब 36 वर्ष . सागर पुत्र राजेश कुमार निवासी ग्राम भुड़री थाना राया मथुरा उम्र करीब 20 वर्ष .सोनवीर पुत्र लाल सिंह निवासी नगला उदय सिंह थाना बल्देव मथुरा उम्र करीब 27 वर्ष .पवन कुमार पुत्र भूप सिंह निवासी नगला हवा थाना बल्देव मथुरा उम्र करीब 34 वर्ष . वीरेन्द्र पुत्र कमल सिंह निवासी

ग्राम जैत थाना जैत मथुरा उम्र करीब 22 वर्ष को वर्ना कार रजि0नं0 यह 80 ए 8123 व मोटरसाइकिल रजि0 नं0 यह 85 उए 0240 से 72.02 किलो ग्राम अवैध गांजा ले जाते समय बिजली घर के पास नगला पोला को जाने वाले रोड से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्तगण उपरोक्त से बरामदगी के आधार पर मु0अ0स0 203/2024 धारा 8/20/29/60 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की गई है। पूछताछ के अनुसार अभियुक्तगण गांजा तस्करी के अभ्यस्त अपराधी है ।

अभियुक्तगण सस्ते दामों पर उडीसा से गांजा की तस्करी कर फुटकर में मथुरा में बेचते हैं । उडीसा में गांजा में सस्ता मिलता है और मथुरा में यह गांजा महगे दामों में बिकता है । इससे जो लाभ मिलता है उसे सभी लोग आपस में बांट लेते हैं ।

मथुरा। दुखद खबर बीती रात से गायब मंडी समिति के व्यापारी योगेन्द्र गर्ग का शव शिवताल में मिला शव मिलने पर व्यापारियों में आक्रोश परिजनों ने जताई हत्या की आशंका पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम को भेजा।

गोवर्धन में आज निकलेगी दो मुडिया शोभायात्रा

संतों व प्रशासन ने तैयारियां की पूरी

मथुरा। गुरु शिष्य परम्परा के प्रतीक मुड़िया पूर्णिमा मेले के अंतर्गत कल रविवार को ढोल, मंजीरे और मृदंग की थाप पर गोवर्धन में मुड़िया संतों की ऐतिहासिक शोभायात्राएं निकाली जाएंगी। इनको निकालने की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सनातन गोस्वामी के अनुयाई 464 वर्ष पुरानी परंपरा का निर्वहन कल पूरी श्रद्धा भक्ति केसाथ करेंगे। रविवार को प्रातः 10 बजे से चकलेश्वर क्षेत्र स्थित राधाश्याम सुंदर मंदिर से मंदिर के महंत रामकृष्ण दास के नेतृत्व में वाद्य यंत्रों की धुन पर हरिनाम संकीर्तन करते हुए मुड़िया संतों के द्वारा श्रीपाद सनातन गोस्वामी के डोले साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा यहां से प्रारंभ होकर चकलेश्वर मंदिर, गिरिराज मुकुट मंदिर, दसविसा, हरदेवजी मंदिर, सौंख अड्डा, दानघाटी मंदिर, बड़ा बाजार, हाथी दरवाजा होकर पुनः मंदिर पर पहुंचकर समाप्त होगी। इसी तरह दूसरी शोभायात्रा शाम को श्रीचैतन्य महाप्रभु मंदिर चकेश्वर महादेव मंदिर के सामने से निकाली जाएगी। शोभायात्रा को देखने के लिए यूपी के साथ राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश और बिहार के लाखों श्रद्धालु पहुंच चुके हैं।

वृंदावन में वन वे ट्रैफिक प्लान लागू करने के निर्देश, निगम-पुलिस अफसरों की ली बैठक

मथुरा। मथुरा की सांसद हेमा मालिनी इन दिनों शहर की बिगड़ी व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए अधिकारियों के साथ मीटिंग कर रही हैं। लाइट की हो रही अघोषित कटौती को लेकर बिजली अधिकारियों के साथ मीटिंग की तो अब उन्होंने साफ सफाई और बेहाल ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर चिंता जाहिर की। इसके लिए सांसद हेमा मालिनी ने नगर निगम और पुलिस अधिकारियों के साथ मीटिंग की और आवश्यक निर्देश दिए। आवास पर की मीटिंग सांसद हेमा मालिनी ने अपने आवास पर नगर निगम के नगर आयुक्त शशांक चौधरी और पुलिस अधीक्षक नगर अरविंद कुमार सिंह को बुलाया। यहां उन्होंने शहर में बेहाल हो चुकी सफाई व्यवस्था और बदहाल ट्रैफिक को लेकर चिंता जाहिर की और इसके समाधान के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं इसके बारे में जानकारी ली। साफ सफाई और ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के दिए निर्देश सांसद हेमा मालिनी ने मीटिंग में अधिकारियों से कहा जल्द से जल्द वृंदावन की साफ सफाई और ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारा जाए। जगह जगह पड़ी गंदगी,नालियों से बहता गंदा पानी,बेतरतीब लगाए बैरियर पर लगने वाला जाम यहां की बदहाल स्थिति को बताने के लिए काफी है। उन्होंने कहा इस समस्या से स्थानीय और श्रद्धालु दोनों जूझ रहे हैं। जलभराव की निकासी को दिए सुझाव सांसद हेमा मालिनी ने नगर आयुक्त शशांक चौधरी से कहा कि शहर में होने वाले जल भराव की निकासी के लिए दाऊजी तिराहा,विद्यापीठ चौराहा,रंग जी मंदिर सहित 6 जगह पर पंप सेट लगवाए जाएं। इसके अलावा चैंबरों की सफाई की जाए। गलियों में वॉल पेंटिंग हो और अतिक्रमण हटाए जाए। जिससे शहर सुंदर लगे और एक अच्छी तस्वीर लेकर श्रद्धालु जाएं। वन वे ट्रैफिक चलाने के दिए निर्देश सांसद हेमा मालिनी बेहाल ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर भी नाराज दिखाई दीं। उन्होंने एसपी सिटी अरविंद कुमार सिंह से कहा कि वृंदावन में वन वे ट्रैफिक प्लान लागू कर ट्रायल करके देखा जाए। शहर में हर एंट्री प्वाइंट पर बेतरतीब तरीके से बैरियर लगा रखे हैं इससे श्रद्धालु और स्थानीय दोनों परेशान होते हैं। उन्होंने ई रिक्शा की समस्या का समाधान करने के भी निर्देश दिए। सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि बैरियर पर तैनात पुलिस कर्मी स्थानीय लोगों से अच्छा व्यवहार करें। पुलिस कर्मियों द्वारा अशोभनीय व्यवहार करने की उनके पास शिकायत आती रहती हैं। यह रहे मौजूद मीटिंग में नगर आयुक्त और एसपी सिटी के अलावा अरह सदर कुंवर आकाश सिंह,अपर नगर आयुक्त चंद्र प्रकाश पाठक,सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक,एक्सियन जल कल राम कैलाश, ए ई निर्माण विक्रमजीत यादव,प्रकाश व्यवस्था प्रभारी राजेश रावत,सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा,पार्षद पंकज अरोड़ा,वैभव अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

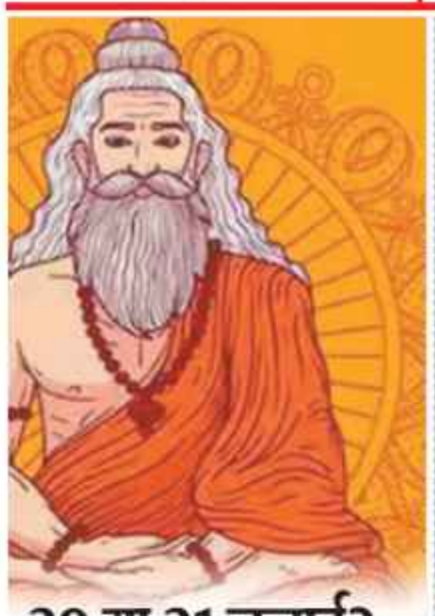

20 या 21 जुलाई? कब है गुरु पूर्णिमा?

धार्मिक मान्यता है कि आषाढ़ माह की पूर्णिमा तिथि को वेदों के रचयिता महर्षि वेदव्यास जी का जन्म हुआ था। इसी वजह से इसे गुरु पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। सनातन धर्म में व्रत और पर्व पर स्नान और दान करने का विशेष महत्व है। ठीक इसी प्रकार पूर्णिमा तिथि पर पूजा जप तप और दान किया जाता है।

हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह में गुरु पूर्णिमा का पर्व बेहद उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन चंद्र देव अपने पूर्ण आकार में होते हैं। इस शुभ तिथि पर जगत के पालनहार भगवान विष्णु और धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की जाती है। इस बार गुरु पूर्णिमा की डेट को लेकर लोग अधिक कन्फ्यूज हो रहे हैं। कुछ लोग गुरु पूर्णिमा 20 जुलाई की बता रहे हैं। वहीं, कुछ लोग गुरु पूर्णिमा 21 जुलाई को मनाने की बात कह रहे हैं। आइए इस लेख में हम आपको हिंदू पंचांग के अनुसार बताएंगे कि गुरु पूर्णिमा की सही डेट, शुभ मुहूर्त और पूजा विधि के बारे में।

गुरु पूर्णिमा शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, इस साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 20 जुलाई दिन शनिवार को शाम 05 बजकर 59 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि की समाप्ति अगले दिन 21 जुलाई, 2024 दिन रविवार को दोपहर 03 बजकर 46 मिनट पर होगी। उदयातिथि को देखते हुए गुरु पूर्णिमा का पर्व 21 जुलाई को मनाया जाएगा।

गुरु पूर्णिमा पूजा विधि

गुरु पूर्णिमा के दिन सुबह जल्दी और दिन की शुरुआत भगवान विष्णु और वेदों के रचयिता वेद व्यास जी के ध्यान से करें। गंगाजल युक्त पानी से स्नान करें। साफ वस्त्र धारण कर सूर्य देव को जल अर्पित करें। इस दौरान इस मंत्र का जप करें।

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु गुंरुर्देवो महेश्वरः
गुरु साक्षात परब्रह्मा तस्मै श्रीगुरवे नमः

इसके पश्चात श्री हरि और वेद व्यास जी को फल, फूल, धूप, दीप, अक्षत, हल्दी, दूर्वा आदि चीजें अर्पित करें। साथ ही दीपक जलाकर आरती करें। भगवान विष्णु और गुरु चालीसा और गुरु कवच का पाठ करें। प्रभु को खीर और फल समेत आदि चीजों का भोग लगाएं। अंत में सच्चे मन से बल, बुद्धि, विद्या, सुख और समृद्धि की कामना करें। इस दिन श्रद्धा अनुसार गरीब लोगों में अन्न, धन और वस्त्र का दान करें।

भगवान विष्णु के मंत्र

- ऊँ नमो: नारायणाय।।
- ऊँ नमो: भगवते वासुदेवाय।।
- ऊँ श्री विष्णवे च विद्महे वासुदेवाय धीमहि। तन्नो विष्णु: प्रचोदयात।।
- शान्ताकारम् भुजगशयनम् पद्मनाभम् सुरेशम विश्वाधारम् गगनसदृशम् मेघवर्णम् शुभाङ्गम। लक्ष्मीकान्तम् कमलनयनम् योगिभिर्ध्यानगम्यम
- वन्दे विष्णुम् भवभयहरम् सर्वलोकैकनाथम।।

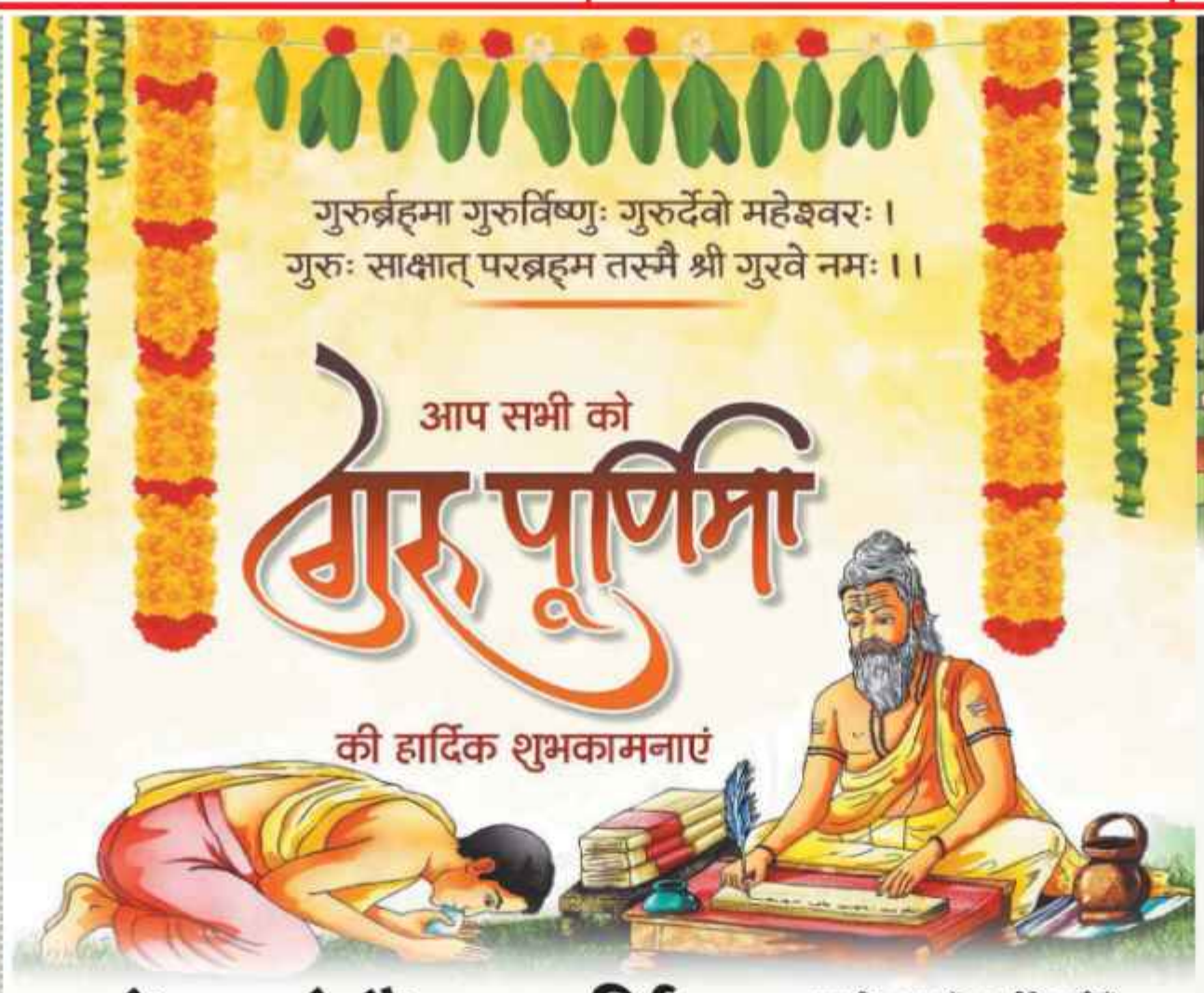

क्यों मनाते हैं गुरु पूर्णिमा क्या है इसका महत्व?

आषाढ़ पूर्णिमा को देश भर में गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। गुरु पूर्णिमा का दिन गुरु के प्रति श्रद्धा और सम्मान प्रकट करने का एक विशेष अवसर होता है। साल 2024 में गुरु पूर्णिमा 21 जुलाई 2024 को मनाई जाएगी। पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 20 जुलाई को शाम 5 बजकर 59 मिनट से होगी, जिसका समापन 21 जुलाई को दोपहर 03 बजकर 46 मिनट होगा। सनातन धर्म में उदया तिथि का अधिक महत्व है। ऐसे में गुरु पूर्णिमा का पर्व 21 जुलाई को मनाया जाएगा।

गुरु की महिमा

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोपरि है। 'गुरु' शब्द संस्कृत भाषा से आया है, जिसका अर्थ है- अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला। गुरु ही वह व्यक्ति है जो हमें अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। गुरु के बारे में उल्लेख करते हुए शास्त्रों में कहा गया है-

अज्ञान तिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जन शलाकया ।
चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

अर्थात् गुरु ही हमें ज्ञान या परमार्थ की जागरूकता का मरहम लगाकर अज्ञानता के अंधकार की पीड़ा से बचा सकते है, हम ऐसे गुरु को प्रणाम करते हैं। गुरु की महिमा का वर्णन हमारे वेदों, पुराणों, और अन्य धार्मिक ग्रंथों में भी विस्तृत रूप से किया गया है। गुरु पूर्णिमा के दिन शिष्य अपने गुरु के प्रति अपनी श्रद्धा और कृतज्ञता प्रकट करते हैं।

गुरु पूर्णिमा का महत्व

गुरु पूर्णिमा का पर्व महर्षि वेद व्यास के जन्मदिवस के रूप में भी मनाया जाता है। महर्षि वेद व्यास ने वेदों का संकलन किया और महाभारत जैसे महाकाव्य की रचना की। इसलिए इस दिन को 'व्यास पूर्णिमा' भी कहा जाता है। वेद व्यास को प्रथम गुरु के रूप में मान्यता दी जाती है, जिन्होंने ज्ञान को सुव्यवस्थित करके विश्व को उपहारस्वरूप प्रदान किया था। हिन्दू धर्म के अतिरिक्त बौद्ध धर्म में भी इस दिन का विशेष महत्व है क्योंकि इसी दिन गौतम बुद्ध ने सारनाथ में अपने पांच शिष्यों को प्रथम उपदेश दिया था, जिसे 'धर्म चक्र प्रवर्तन' के नाम से जाना जाता है। जैन धर्म में भी इस दिन को महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि इस दिन ही भगवान महावीर ने अपने प्रथम शिष्य गौतम गणधर को दीक्षा दी थी।

गुरु पूर्णिमा का उत्सव

गुरु पूर्णिमा के दिन शिष्य अपने गुरुओं की पूजा-अर्चना करते हैं और उनसे आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। इस दिन का आरंभ प्रातःकाल में स्नान और ध्यान से होता है। इसके बाद गुरु की पूजा की जाती है, जिसमें फूल, फल, वस्त्र, और मिठाई अर्पित की जाती है। कई स्थानों पर विशेष भजन, कीर्तन, और सत्संग का आयोजन होता है। कई लोग इस दिन उपवास भी रखते हैं और अपने गुरु के दिए हुए ज्ञान और उपदेशों का अनुसरण करने का संकल्प लेते हैं।

आधुनिक युग में गुरु पूर्णिमा

आज के आधुनिक युग में भी गुरु पूर्णिमा का महत्व बना हुआ है। हालांकि गुरु-शिष्य परंपरा में समय के साथ बदलाव आए हैं, लेकिन गुरु के प्रति आदर और सम्मान की भावना आज भी उतनी ही प्रबल है। आज के समय में गुरु केवल धार्मिक या आध्यात्मिक गुरुओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे शिक्षक, मार्गदर्शक, और प्रेरणादायक व्यक्तियों के रूप में हर क्षेत्र में विद्यमान हैं। गुरु पूर्णिमा का पर्व हमें यह याद दिलाता है कि ज्ञान प्राप्ति की प्रक्रिया में गुरु का स्थान कितना महत्वपूर्ण है। यह दिन हमें अपने गुरुओं के प्रति आभार व्यक्त करने और उनके सिखाए गए मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। गुरुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उपनिषदों में कहा गया है-

ॐ सह नाववतु। सह नौ भुनक्तु।
सह वीर्यं करवावहै।
तेजस्विनावधीतमस्तु मा विद्विषावहै॥
ॐ शांति, शांति, शांतिः

अर्थात् परमेश्वर हम शिष्य और गुरु दोनों की साथ-साथ रक्षा करें। हम दोनों को साथ-साथ विद्या के फल का भोग कराए। हम दोनों एकसाथ मिलकर विद्या प्राप्ति का सामर्थ्य प्राप्त करें। हम दोनों का पढ़ा हुआ तेजस्वी हो। हम दोनों परस्पर द्वेष न करें। शांति शांति शांति।

गुरु पूर्णिमा का पर्व न केवल हमारे गुरुओं के प्रति आदर और सम्मान का प्रतीक है, बल्कि यह हमें ज्ञान और सच्चाई की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा भी देता है। इस दिन का महत्व सदियों से बना हुआ है और यह हमें हमारी संस्कृति, परंपरा, और मूल्यों की याद दिलाता है। गुरु पूर्णिमा का उत्सव मनाकर हम अपने जीवन में गुरुओं के योगदान को सम्मानित करते हैं और उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं। यह पर्व हमें सिखाता है कि सही मार्गदर्शन और ज्ञान से हम अपने जीवन को सार्थक बना सकते हैं।

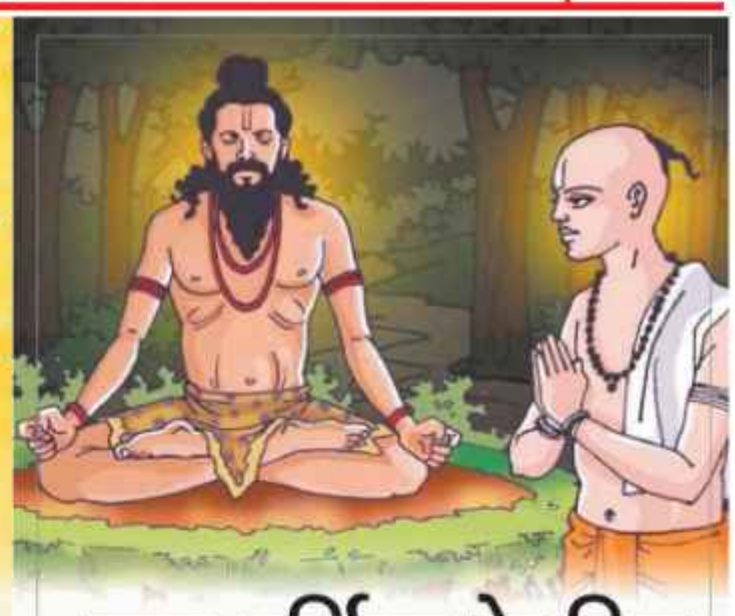

गुरु पूर्णिमा के दिन जरूर करें तुलसी से जुड़े ये उपाय, भगवान विष्णु की बनी रहेगी कृपा

गुरु पूर्णिमा, जिसे व्यास पूर्णिमा और वेद पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है, हिन्दू धर्म में एक महत्वपूर्ण त्योहार है। यह पूर्णिमा के दिन, आषाढ़ मास में मनाया जाता है। इस वर्ष, गुरु पूर्णिमा 21 जुलाई 2024 को रविवार के दिन मनाया जाएगा। गुरु पूर्णिमा का मुख्य उद्देश्य गुरु का सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करना है। इस दिन, शिष्य अपने गुरुओं के प्रति अपनी श्रद्धा और भक्ति प्रकट करते हैं। गुरु पूर्णिमा ज्ञान और शिक्षा का प्रतीक है। इस दिन, भगवान वेद व्यास, जिन्हें ज्ञान का देवता माना जाता है, को उनकी शिक्षाओं के लिए स्मरण किया जाता है। इतना ही नहीं, गुरु पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु के साथ-साथ माता लक्ष्मी की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। अब ऐसे में गुरु पूर्णिमा के दिन तुलसी के कुछ उपाय हैं। जिसे करने से व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है।

मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए तुलसी के उपाय

गुरु पूर्णिमा के दिन तुलसी मां को लाल चुनरी चढ़ाएं और श्रृंगार की सामग्री जरूर अर्पित करें। ऐसा करने से माता लक्ष्मी की कृपा जातक पर बनी रहेगी। साथ ही जातक को धन-धान्य की प्राप्ति हो सकती है।

मनोकामना पूर्ति के लिए तुलसी के उपाय

अगर आपकी कोई इच्छा है, जिसे आप पूरी करना चाहते हैं, तो गुरु पूर्णिमा के दिन एक पीले रंग के धागे में 108 गांठ लगाएं और इसके बाद इसे तुलसी के गमले में बांध दें। इसके साथ ही अपनी मनोकामना पूर्ति के लिए तुलसी मां को प्रार्थना करें। इस उपाय को करने से जातक की मनोकामनाएं पूरी हो सकती है। साथ ही शुभ फलों की प्राप्ति भी हो सकती है।

शीघ्र विवाह के लिए तुलसी से जुड़े उपाय

गुरु पूर्णिमा के दिन तुलसी में लाल रंग का कलावा जरूर बांधें। ऐसा माना जाता है कि ऐसा करने से जातक को सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। इसके अलावा इस दिन तुलसी में कच्चा दूध चढ़ाएं और संध्या के समय घी का दीपक जलाकर तुलसी के पास रख दें। इससे शीघ्र विवाह के योग बन सकते हैं। साथ ही सौभाग्य में भी वृद्धि हो सकती है।

कर्ज से छुटकारा पाने के लिए तुलसी के उपाय

अगर आपको बार-बार कर्ज से संबंधित परेशानियों का सामना करना पड़ता है, तो उससे छुटकारा पाने के लिए गुरुवार के दिन तुलसी माता को कौड़ी अर्पित करें और एक घी का दीपक जलाएं। साथ ही श्री नारायण के मंत्र का 11 बार जप करें। मंत्र है- 'ऊँ नमो भगवते नारायणाय।' ऐसा करने से आपको कर्ज से छुटकारा मिल सकता है।

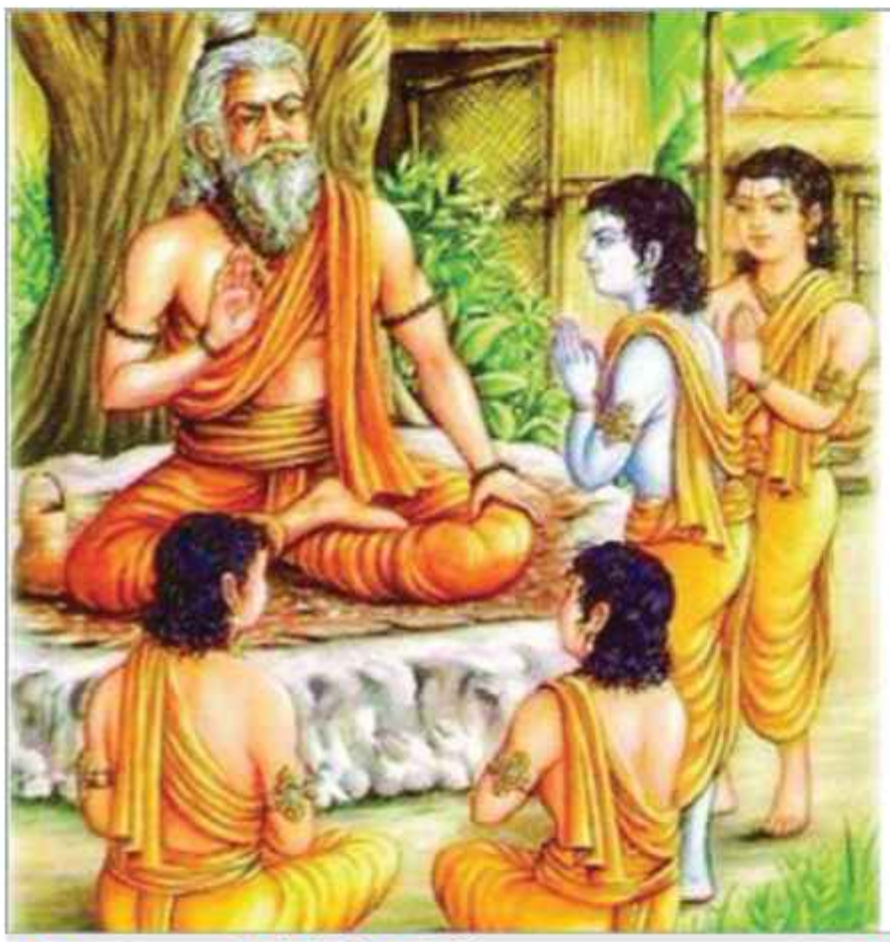

हल्दी गांठ की माला का 1 उपाय, बदलकर रख देगा आपका जीवन, गुरु पूर्णिमा पर करें धारण

हिन्दू धर्म में गुरु को ईश्वर से भी बड़ा दर्जा दिया गया है. ऐसा कहा भी गया है कि गुरु गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागूं पांय, बलिहारी गुरु अपने गोविन्द दियो बताय. वहीं शास्त्रों में गुरु पूर्णिमा के दिन को अत्यंत शुभ बताया गया है, जो कि आषाढ़ माह आती है. इस बार गुरु पूर्णिमा 21 जुलाई को मनाई जा रही है. यह दिन पूरी तरह से गुरु के लिए समर्पित है और लोग इस दिन अपने गुरु से आशीर्वाद लेते हैं. पुराणों के अनुसार, इस तिथि के दिन महाभारत के रचयिता ऋषि वेद व्यास का जन्म हुआ था, इसलिए इस दिन को गुरु पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है. इस दिन कुछ विशेष उपायों से आपके जीवन में जबरदस्त बदलाव आ सकते हैं. इनमें से एक है हल्दी के गांठ की माला धारण करना. इसे कैसे धारण करें? किन बातों का रखें ध्यान और क्या है इसका महत्व?

हल्दी की गांठ की माला का महत्व

आपको बता दें कि पीला रंग भगवान विष्णु का प्रिय है, वहीं हल्दी का रंग भी पीला होता है और इसे पवित्र माना जाता है. ऐसे में ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, हल्दी की माला पहनने से ग्रह-दोषों से मुक्ति मिलती है. साथ ही हल्दी की माला पहनने से गुरु ग्रह मजबूत होता है. इसके अलावा यदि आपके विवाह में किसी तरह की बाधा आ रही है तो यह भी हल्दी की गांठ की माला पहनने से दूर हो सकती है.

इन बातों का रखें ध्यान

- माला को धारण करने से पहले शुभ मुहूर्त का विशेष ध्यान रखें.
- हल्दी की गांठ की माला पहनने से पहले उसे गंगाजल से शुद्ध कर लें.
- माला को धारण करते समय ऊँ नमो नारायणाय या गुरुदेव ब्यौं नमः मंत्र का 108 बार जाप कर करें.
- माला पहनने के बाद उसे हमेशा साफ रखें.
- माला को कभी उतारकर गंदे स्थान पर ना रखें.
- जब किसी के अंतिम संस्कार में जाएं तो माला घर उतार कर जाएं और वहां से आकर स्वयं पवित्र होएं और माला को भी गंगाजल से पवित्र करके फिर से धारण करें.

इस साल गुरु पूर्णिमा के दिन बन रहा है बेहद ही शुभ संयोग

हर साल आषाढ़ माह की पूर्णिमा तिथि के दिन गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है. इस दिन शिष्य अपने गुरुओं का पूजन करते और उन्हें इस दिन की शुभकामनाएं देते हैं. धर्म पुराणों के अनुसार आषाढ़ माह की पूर्णिमा के दिन ही महर्षि वेद व्यास जी का जन्म हुआ था और उनके जन्मोत्सव को गुरु पूर्णिमा के तौर पर मनाया जाता है. महर्षि वेद व्यास केवल महाभारत के ही रचियता नहीं, बल्कि उन्होंने हिंदू धर्म के चारों वेदों की भी रचना की है. इसलिए उन्हें दुनिया का पहला गुरु कहा गया है और गुरु पूर्णिमा के दिन उकना विधि-विधान से पूजन किया जाता है. इस दिन स्नान व दान का विशेष महत्व माना गया है. कहते हैं कि इस दिन यदि गंगा में स्नान के बाद अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान किया जाए तो जीवन में सुख-समृद्धि आती है.

गुरु पूर्णिमा के दिन बन रहा है शुभ संयोग

बता दें कि 21 जुलाई को सुबह 7 बजकर 19 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 27 मिनट तक पूजा का शुभ मुहूर्त है. 21 जुलाई को सर्वार्थ सिद्धि योग का भी निर्माण हो रहा है जिसे बहुत ही शुभ माना जाता है. पंचांग के अनुसार यह योग सुबह 5 बजकर 27 मिनट से लेकर 22 जुलाई को सुबह 12 बजकर 14 मिनट तक रहेगा.

पेट्रोल-डीजल ही नहीं खाने का तेल भी होने वाला है महंगा, भारत ने रूस से रेकॉर्ड कीमत पर खरीदा सनफ्लावर ऑयल

नई दिल्ली। देश में खाने के तेल की कीमत में बेहताशा बढ़ोतरी होने वाली है। रूस और यूक्रेन के बीच चल रही लड़ाई के कारण पहले ही खाद्य तेलों के दाम आसमान छू रहे हैं। भारत ने रूस से रेकॉर्ड कीमत पर सूर्यमुखी के तेल के आयात के लिए सौदा किया है। भारत में यूक्रेन से सबसे ज्यादा सूर्यमुखी तेल का आयात करता है लेकिन लड़ाई के कारण वहां से आयात प्रभावित हुआ है। इस वजह से देश में खाद्य तेल की कीमतों में तेजी आई है। भारत ने अप्रैल में 45,000 टन सूर्यमुखी के तेल के लिए रूस के साथ डील की है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। भारत दुनिया में खाद्य तेल का सबसे बड़ा आयातक है और रूस से मिलने वाले सनफ्लावर ऑयल से देश में इसकी कमी को पूरा किया जा सकेगा। इंडोनेशिया ने पाम ऑयल की सप्लाई को सीमित कर दिया है जबकि दक्षिण अमेरिका में सोयाबीन की फसल प्रभावित हुई है। जेमिनी एडिबल्स एंड फैट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रदीप चौधरी ने कहा कि यूक्रेन से आयात संभव नहीं है, इसलिए खरीदार रूस का रुख कर रहे हैं। उनकी कंपनी ने रूस से 12,000 टन सूर्यमुखी तेल के आयात के लिए कॉन्ट्रैक्ट किया है।

रूस से रेकॉर्ड कीमत पर खरीद

डीलरों का कहना है कि रिफाइनर्स ने रूस से 2,150 डॉलर प्रति टन की रेकॉर्ड कीमत पर क्रूड सनफ्लावर ऑयल खरीदा है। इसमें कॉस्ट, इंश्योरेंस और फ्रेट शामिल है। यूक्रेन पर रूस के हमले से पहले यह कीमत 1,630 डॉलर प्रति टन थी। इस समय देश में सूर्यमुखी के तेल की खुदरा कीमत 160 से 180 रुपये प्रति लीटर है। नई खेप आने के बाद इसमें 30 फीसदी तक तेजी आ सकती है। यानी इसकी कीमत 210 रुपये से 240 रुपये पहुंच सकती है। इस बीच रिटेल इंटेलीजेंस प्लेटफॉर्म Bizom के आंकड़ों के मुताबिक देश में फरवरी में खाने के तेल की कीमत में तेजी आई। इनमें ब्रांडेड सनफ्लावर, वनस्पति, सरसों और मूंगफली का तेल शामिल है। यूक्रेन और रूस दुनिया में सनफ्लावर ऑयल के सबसे बड़े सप्लायर हैं। भारत में हर साल 25 से 30 लाख टन सनफ्लावर ऑयल की खपत होती है। इसका करीब 70 फीसदी यूक्रेन से आता है। 2021 में भारत के कुल खाद्य तेल आयात में यूक्रेन और रूस की हिस्सेदारी 13 फीसदी थी। भारत ने इन दो देशों से 16 लाख टन खाद्य तेल खरीदा था। फरवरी में देश में सनफ्लावर ऑयल की कीमत में पिछले महीने के मुकाबले चार फीसदी की तेजी आई जबकि सरसों के तेल की कीमत 8.7 फीसदी बढ़ी। इस दौरान सोयाबीन तेल की कीमत में 0.4 फीसदी की गिरावट आई जबकि वनस्पति तेल की कीमत 2.7 फीसदी बढ़ी। मूंगफली का तेल भी एक फीसदी बढ़ गया जबकि देश में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले पाम ऑयल में 12.9 फीसदी गिरावट आई।

बाइडन ने हिंद-प्रशांत रणनीति के लिए 1.8 अरब अमेरिकी डॉलर का प्रस्ताव पेश किया

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने हिंद-प्रशांत रणनीति में सहयोग के लिए 1.8 अरब अमेरिकी डॉलर का प्रस्ताव पेश किया साथ ही रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र में चीन के आक्रामक बर्ताव से मुकाबला करने के लिए 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर का एक अन्य प्रस्ताव सोमवार को पेश किया। अमेरिका, भारत और कई विश्व शक्तियां इस क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के मद्देनजर एक स्वतंत्र, मुक्त और संपन्न हिंद-प्रशांत सुनिश्चित करने पर जोर दे रही हैं। बाइडन ने कहा, हिंद-प्रशांत में, अमेरिका अपनी भूमिका को मजबूत कर रहा है और लंबे समय से सहयोगियों तथा भागीदारों के साथ अपने सहयोग का विस्तार कर रहा है, जिसमें नए राजनयिक, रक्षा तथा सुरक्षा, महत्वपूर्ण एवं उभरती हुई प्रौद्योगिकी, आपूर्ति श्रृंखला और जलवायु एवं वैश्विक स्वास्थ्य पहल शामिल हैं। इसके साथ ही, हमारे यूरोपीय और हिंद प्रशांत सहयोगियों के बीच मजबूत संबंधों का समर्थन भी किया जा रहा है। व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति ने चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा को प्राथमिकता दी है। चीन और रूस की आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए अपने सहयोगियों और भागीदारों के साथ मिलकर काम किया है। साथ ही, अफगानिस्तान से अपने सभी सैनिकों को स्वदेश बुलाकर 20 साल से जारी युद्ध को समाप्त किया। वे दोनों प्रस्ताव वर्ष 2023 के लिए अमेरिका के 773 अरब अमेरिकी डॉलर के वार्षिक रक्षा बजट का हिस्सा हैं, जिसे व्हाइट हाउस ने अपने वार्षिक बजटीय प्रस्तावों के हिस्से के रूप में कांग्रेस के समक्ष प्रस्तुत किया।

सेंसेक्स ने 231 अंक की लगाई उछाल, 17,222 अंक पर बंद हुआ निफ्टी

मुंबई। बीएसई सेंसेक्स सोमवार को शुरूआती गिरावट से उबरते हुए 231 अंक की तेजी के साथ बंद हुआ। सकारात्मक वैश्विक रुख के बीच सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में तेजी के साथ बाजार में मजबूती आई। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 537.11 अंक लुढ़ककर 56,825.09 अंक तक आ गया था। लेकिन दोपहर के कारोबार में इसमें तेजी आयी और यह 231.29 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की बढ़त के साथ 57,593.49 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के तीस शेयरों में से 20 शेयर लाभ में जबकि 10 नुकसान में रहे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 69 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,222 अंक पर बंद हुआ। एनएसई के 50 शेयरों में से 29 लाभ में रहे। सेंसेक्स के तीस शेयरों में भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, भारतीय स्टेट बैंक, इंडसइंड बैंक, पावरग्रिड, बजाज फिनसर्व, हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस इंडस्ट्रीज लाभ में रहने वाले शेयरों में शामिल हैं। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में नेस्ले इंडिया, एचडीएफसी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, डॉ. रेड्डीज, एशियन पेंट्स, विप्रो, लार्सन एंड टुब्रो, टेक महिंद्रा शामिल हैं। एलकेपी सिक्योरिटीज के शोध प्रमुख एस रंगनाथन ने कहा, सकारात्मक वैश्विक रुख के साथ मानक सूचकांक शुरूआती गिरावट से उबरते हुए लाभ में बंद हुए। एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में जबकि हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई कंपोजिट सूचकांक लाभ में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर कारोबार में तेजी का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 3.46 प्रतिशत घटकर 116.3 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

मकान बनाना हुआ मुश्किल: सरिया, सीमेंट, बजरी आदि की कीमतें आसमान में

नई दिल्ली। एक तो कोरोना की बंदिशें। तिस पर रूस-यूक्रेन युद्ध। इस वजह से बाजार में हर चीज की कीमतें चढ़ रही हैं। इसी के साथ मकान बनाने से जुड़ी सामग्रियों के दाम भी आसमान में पहुंच गए हैं। हालत यह है कि सरिये की कीमत कोरोना से पहले के मुकाबले अभी 121 फीसदी बढ़ गई है। इसी तरह सीमेंट, बजरी, ईंट आदि की कीमतें भी बढ़ गई हैं। इस बार में रियल एस्टेट क्षेत्र में काम करने वाले ज्रेहान ग्रुप की एक स्टडी सामने आई है। आइए, देखते हैं कि मकान बनाना कितना महंगा हो गया है।

सरिया हो गया 121 फीसदी महंगा

मकान बनाने की सामग्री की कीमतों पर ज्रेहान ग्रुप ने एक तुलना की है। यह तुलना अपने यहां कोरोना महामारी शुरू होने से ठीक पहले से है। इसके मुताबिक एक साल पहले 38.8 रुपये किलो मिलने वाला सरिया अभी 85.90 रुपये किलो हो गया है। यह 121.39 फीसदी की बढ़ोतरी है। इसी तरह कोरोना से पहले फायर फाइटिंग स्टील की कीमत 49.5 रुपये प्रति किलो थी। यह कीमत अब बढ़ कर 84.96 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है। मतलब कि 79.3 फीसदी की बढ़ोतरी।

ईंट और बजरी भी हो गई महंगी

इस दौरान ईंट और बजरी जैसी चीजों की कीमत भी काफी बढ़ गई। कोरोना से पहले ईंट का भाव 3,800 रुपये प्रति हजार नग था। अब वह बढ़ कर 5,500 रुपये प्रति हजार हो गया है। इसी तरह बजरी कीमत भी 66.66 फीसदी बढ़ गई है। दो साल पहले बजरी 60 रुपये क्विंटल मिल रहा था। अब इसकी कीमत 100 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है।

बिजली के तार हुए 150 फीसदी महंगे

इस बीच तांबे की कीमत में काफी इजाफा हुआ है। बिजली के तार की बात करें या बिजली से चलने वाले कोई भी उपकरण, सबमें तांबा का भरपूर उपयोग होता है। यही वजह है कि बिजली के तार भी महंगे हो गए हैं। दो साल पहले जो बिजली का तार पांच रुपये मीटर मिलता था, वही तार अब 12.50 रुपये मीटर मिलने लगा है। मतलब कि इसकी कीमतों में 150 फीसदी का इजाफा हुआ है।

प्लंबिंग मैटेरियल भी हुए महंगे

महंगाई का असर प्लंबिंग मैटेरियल पर भी पड़ा है। कोरोना शुरू होने से पहले प्लंबिंग का जो सामान 100 रुपये में मिलता था, वह इस समय 150 रुपये में मिलने लगा है। मतलब कि 50 फीसदी का इजाफा। इसी तरह अल्यूमिनियम के बने सामान भी 64.77 फीसदी महंगे हो गए। मार्च 2020 के दौरान मकान के निर्माण में उपयोग होने वाले अल्यूमिनियम के सामन 176 रुपये किलो के भाव पर मिल जाता था। अभी इसका भाव 290 रुपये किलो हो गया है।

सीमेंट की कीमत में भी इजाफा

इस दौरान सीमेंट की कीमतों में भी खूब इजाफा हुआ है। कोरोना शुरू होने से पहले अपने यहां 270 रुपये में एक बोरी सीमेंट मिल जाता था। लेकिन इसकी कीमतों में अब तेज इजाफा हो गया है। इस समय सीमेंट के एक बैग की औसत कीमत 360 रुपये पर पहुंच गई है। यह 33 फीसदी का इजाफा है। इसी के साथ सीएफ फिटिंग मैटेरियल की कीमत में भी 50 फीसदी का इजाफा हुआ है। भवन निर्माण कार्य से जुड़े इंजीनियर शशि भूषण बताते हैं कि हाल ही में कंस्ट्रक्शन मैटेरियल की कीमतों में आई तेजी से लागत बढ़ गई है। मोटा मोटी कहें तो एक हजार वर्गफीट में बने दो बेडरूम फ्लैट बनाने की लागत में लगभग दो लाख रुपये की बढ़ोतरी हो गई है। एक तरह से कहें तो मकान बनाने की लागत में करीब 25 फीसदी का इजाफा हो गया है।

विलय के बाद आइनॉक्स लेजर और पीवीआर के शेयरों में आया जोरजार उछाल

नयी दिल्ली। आइनॉक्स लेजर और पीवीआर के शेयरों में सोमवार को जोरदार उछाल आया। सिनेमाघर श्रृंखला का परिचालन करने वाली कंपनियों के विलय की घोषणा के बाद दोनों के शेयर चढ़े हैं। इस विलय से देश में मल्टीप्लेक्स की सबसे बड़ी श्रृंखला सृजित होगी। आइनॉक्स लेजर का शेयर बीएसई में 11.33 प्रतिशत उछलकर 522.90 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान यह 19.99 प्रतिशत की तेजी के साथ 52 सप्ताह के उच्चस्तर 563.60 रुपये तक गया था। पीवीआर का शेयर भी बीएसई में 3.06 प्रतिशत लाभ के साथ 1,883.50 रुपये पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 9.99 प्रतिशत उछलकर 52 सप्ताह के उच्चस्तर 2,010.35 रुपये पर पहुंच गया था। उल्लेखनीय है कि पीवीआर और आइनॉक्स लेजर ने रविवार को विलय की घोषणा की। इस विलय से देश में 1,500 से अधिक स्क्रीन के साथ देश की सबसे बड़ी मल्टीप्लेक्स इकाई अस्तित्व में आएगी।

सेबी के निर्देश के बाद रुचि सोया के निर्गम की बोलियां 30 मार्च तक ली जा सकती हैं वापस

नयी दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने पतंजलि समूह की कंपनी रुचि सोया के बैंकरों को अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) के दौरान शेयरों की बिक्री के बारे में अनचाहे एसएमएस के प्रसार को लेकर सतर्क करते हुए निवेशकों को अपनी बोलियां वापस लेने का विकल्प देने को कहा है। इस निर्देश के मद्देनजर रुचि सोया ने सोमवार शाम को बोलियां वापस लेने का विकल्प देने की घोषणा की। रुचि सोया ने कहा, सेबी के निर्देश के अनुरूप हम निवेशकों के संज्ञान में यह लाना चाहते हैं कि सभी बोलीकर्ताओं के पास 30 मार्च, 2022 तक अपनी बोलियां वापस लेने का विकल्प है। हालांकि कंपनी ने कहा कि निर्गम के लिए बोली लगाने की प्रक्रिया 28 मार्च को खत्म हो चुकी है लिहाजा अब कोई भी बोली स्वीकार नहीं की जाएगी। कंपनी ने सेबी और शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा कि एफपीओ में निवेश की संभावनाओं के बारे में सोशल मीडिया पर उसे कुछ संदेश देखने को मिले हैं जिनमें कंपनी के शेयर बाजार कीमत से कम दाम पर मिलने का उल्लेख है। कंपनी ने दावा किया कि यह संदेश न तो उसकी तरफ से और न ही उसके निदेशकों, प्रवर्तकों या समूह कंपनियों की तरफ से जारी किया गया है। इस बारे में कंपनी ने जांच की मांग करते हुए हरिद्वार में एक मामला भी दर्ज कराया है। करीब 4,300 करोड़ रुपये के इस निर्गम का प्रबंधन कर रहे बैंकरों के साथ सोमवार को दिन में हुई बैठक के दौरान सेबी ने बोलियां वापस लेने का विकल्प देने को कहा था। इसके लिए 30 मार्च तक का समय देने की बात कही थी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) का यह कदम इस लिहाज से अहम है कि एफपीओ के दौरान रुचि सोया के निर्गम को पहले ही 3.6 गुना अधिक अभिदान मिल चुका है और बैंकों की तरफ से बोलियां वापस लेने की मंजूरी देने से बोलियों की अंतिम संख्या पर उसका असर देखा जा सकता है। रुचि सोया एंकर निवेशकों से पहले ही 1,290 करोड़ रुपये जुटा चुकी है।

एक और भारतीय मूल के व्यक्ति बने अमेरिकी मल्टीनेशनल कंपनी के सीईओ

वाशिंगटन। भारतीय मूल के राज सुब्रमण्यम अमेरिकी कूरियर सेवा कंपनी फेडेक्स के अगले मुख्य कार्यकारी अधिकारी होंगे। फेडेक्स ने एक बयान जारी कर सुब्रमण्यम की नियुक्ति की घोषणा की। वह कंपनी के चेयरमैन एवं मौजूद सीईओ फ्रेडरिक डब्ल्यू स्मिथ की जगह लेंगे। नई नियुक्ति आगामी एक जून से प्रभावी होगी। हालांकि स्मिथ कार्यकारी चेयरमैन के रूप में कंपनी के साथ जुड़े रहेंगे। स्मिथ ने सुब्रमण्यम की अगुआई में फेडेक्स को कामयाबी के नए मुकाम पर पहुंचने की उम्मीद जताते हुए कहा कि इसका नेतृत्व सौंपते हुए उन्हें काफी संतोष हो रहा है। स्मिथ ने ही वर्ष 1971 में फेडेक्स की स्थापना की थी। दुनिया भर में इसके छह लाख से अधिक कर्मचारी हैं। वहीं सुब्रमण्यम ने फेडेक्स का सीईओ बनाए जाने को अपने लिए बड़ा सम्मान बताते हुए कहा, "स्मिथ ने जिस संगठन को बड़ी मेहनत से दुनिया की प्रतिष्ठित कंपनियों में शुमार कराया, उसे नई भूमिका में आगे ले जाने की कोशिश करूंगा।" सुब्रमण्यम वर्ष 2020 में फेडेक्स के निदेशकमंडल में शामिल किए गए थे और वह सीईओ बनने के बाद भी निदेशक बने रहेंगे। इसके पहले वह फेडेक्स कॉर्प के अध्यक्ष एवं मुख्य परिचालन अधिकारी के रूप में कार्यरत थे।

52 हफ्ते के टॉप पर पहुंचा गौतम अडानी की इस कंपनी का शेयर, रूस-यूक्रेन युद्ध से आ रही है तेजी

मुख्य बिन्दु
- ऐमजॉन और फ्यूचर ग्रुप आउट ऑफ कोर्ट सेटलमेंट के लिए सहमत
- अडानी विल्मर का शेयर 52 हफ्ते के टॉप पर पहुंचा
- पिछले महीने ही लिस्ट हुआ था कंपनी का शेयर
- करीब डेढ़ महीने में निवेशकों को दोगुना से ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस गौतम अडानी की एफएमसीजी कंपनी अडानी विल्मर का शेयर आज 52 हफ्ते के टॉप पर पहुंच गया। यह शेयर पिछले सत्र में 461 रुपये के भाव पर बंद हुआ था और आज सुबह शुरूआती कारोबार में 504.75 रुपये पर पहुंच गया। सुबह 11.45 बजे यह 6.98% तेजी के साथ 493.20 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। अडानी विल्मर का शेयर पिछले महीने लिस्ट हुआ था और इसका इश्यू प्राइस 230 रुपये था। इस तरह अडानी विल्मर के शेयर ने निवेशकों को दोगुना से ज्यादा रिटर्न दिया है। रूस और यूक्रेन के बीच चल रही लड़ाई से खाद्य तेल की कीमत में तेजी आई है। इस जंग के कारण यूक्रेन और रूस से सूर्यमुखी तेल का आयात प्रभावित हुआ है। खाद्य तेल की कीमत में बढ़ोतरी का सबसे ज्यादा फायदा अडानी विल्मर को मिलने की उम्मीद है। यह कंपनी फॉर्चून ब्रांड के तेल और दूसरे उत्पाद बनाती है।

जनवरी में आया था आईपीओ

अडानी विल्मर का आईपीओ 27 जनवरी को खुला था और शेयर बाजार में इसकी लिस्टिंग 8 फरवरी को हुई थी। यह लिस्ट होने वाली अडानी ग्रुप की सातवीं कंपनी बनी थी। अडानी विल्मर अडानी ग्रुप और सिंगापुर की दिग्गज कंपनी विल्मर ग्रुप के बीच 50:50 का जॉइंट वेंचर है। फॉर्च्यून ब्रांड के तहत खाना पकाने के तेल और कुछ अन्य खाद्य उत्पाद बेचने वाली कंपनी है।

नोट छापने के मामले में आत्मनिर्भर हो रहा भारत

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने सोमवार को कहा है कि देश ने बैंक नोट छापने के मामले में काफी हद तक आत्मनिर्भरता हासिल कर ली है। वह बात उन्होंने स्पेशल करेंसी इंक बनाने वाली एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट को लॉन्च करते हुए कही। गवर्नर ने केंद्रीय बैंक की सब्सिडियरी भारतीय रिजर्व बैंक नोट मुद्रण की स्वाही बनाने वाली यूनिट वर्णिका का उद्घाटन किया है। यह यूनिट कर्नाटक के मैसूर में लगी है।

बैंक नोट छापने में बने आत्मनिर्भर

उन्होंने बैंक नोट के सिक्योरिटी फीचर्स को बेहतर बनाने के मकसद से बनाई जा रही स्याही के लिए रिसर्च और डेवलपमेंट की अहमियत पर काफी जोर दिया। वह बोले कि यह मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने वाली पहल है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि बैंक नोट प्रिंट करने के लिए इस्तेमाल होने वाली सभी चीजें देश में ही मुहैया हो जाएं। बैंक नोट छापने के मामले में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए देश तेजी से आगे बढ़ रहा है।

नोट छापने की लागत घटेगी

वर्णिका यूनिट 1500 मीट्रिक टन स्पेशल इंक की मैन्युफैक्चरिंग कर सकती है। यह यूनिट कलर शिफ्ट इंटैग्लियो इंक यानी सीएसआईआई की मैन्युफैक्चरिंग भी करेगी। इस तरह बैंक नोट छापने के लिए हर जरूरी चीज अब देश में मिल सकेगी। इस तरह लागत तो घटेगी ही, साथ ही बैंक नोट इंक के प्रोडक्शन में भारत आत्मनिर्भर भी बनेगा। इसके साथ ही गवर्नर ने मैसूर में ही लर्निंग एंड डेवलपमेंट सेंटर की आधारशिला भी रखी।

वृक्षारोपण : अब नहीं तो कब...?

तनवीर जाफरी

वृक्षारोपण को इस समय मानव जीवन के अस्तित्व से जोड़कर देखने की जरूरत है। किसी सरकार, शासन या प्रशासन की तरफ मुंह देखने के बजाये जनता को स्वयं इसे जनांदोलन के रूप में लेना होगा और अपनी आदतों में शामिल करना होगा। याद रहे कि सरकारें वृक्षारोपण का शोर कर सकती हैं, इसपर चलाये जाने वाले अभियान का प्रचार कर सकती हैं,

उस कोरोना काल को याद कीजिये जब कोविड प्रभावित लोग ऑक्सीजन के बिना तड़प तड़प कर मर रहे थे। पैसे खर्च करने पर भी ऑक्सीजन नहीं मिल पा रही थी। देश के तमाम ऑक्सीजन प्लांट्स के फेल होने की खबरें सुनाई दे रही थीं। शमशान घाट लाशों से पटे पड़े थे। नदियों में लावारिस लाशें तैरती नजर आ रही थीं। उसी दौरान अनेक समझदार लोग ऐसे भी थे जिन्होंने पेड़ों पर अपना डेरा बना लिया था। कोई पेड़ के ऊपर चारपाई बांध कर लेटा बैठा रहता था तो तमाम लोग शुद्ध व ताजी ऑक्सीजन की चाह में पेड़ों के नीचे पनाह लेने को मजबूर थे। उस दौर में देश के लाखों ग्रामीणों ने तो बगीचों में ही अपना लगभग स्थाई अड्डा बना लिया था। गोया महामारी जैसे संकट के उस दौर में भी प्रकृति हमें पेड़ों व दरख़्तों के माध्यम से निःशुल्क ऑक्सीजन प्रदान कर रही थी। एक युवा पेड़ हमें एक वर्ष में लगभग 7 क्विंटल ऑक्सीजन प्रदान करता है जबकि हमारे लिये हानिकारक व हमारे ही द्वारा विभिन्न माध्यमों से छोड़ी जाने वाली लगभग 20 टन कॉर्बन डाई ऑक्साइड को भी खींच (सोख) लेता है।

आज पूरा विश्व ग्लोबल वार्मिंग का शिकार है। गत दस वर्षों से पृथ्वी के लगातार बढ़ते तापमान के कारण पूरे विश्व में ग्लेशियर पिघलने लगे हैं। आदिवासियों से उनके जल जंगल जमीनों के अधिकार छीन कर उद्योगपतियों के हवाले किये जा रहे हैं। ब्राज़ील से लेकर भारत तक बड़े पैमाने पर विकास के नाम पर वृक्षों की कटाई की जा रही है। मिसाल के तौर पर मध्य भारतीय राज्य छत्तीसगढ़ में हसदेव अरण्य वन के लाखों पेड़ अडानी द्वारा संचालित परसा ईस्ट केते बासेन कोयला खदान के विस्तार के लिये स्थानीय ग्रामीणों व आदिवासियों के प्रबल विरोध के बावजूद पुलिस बल की निगरानी में काटे जा रहे हैं। जबकि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पर्यावरण दिवस पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का संकल्प लिया है। प्रचार के अनुसार इसी अभियान के तहत मध्यप्रदेश में साढ़े पांच करोड़ पौधे लगाए जाएंगे और इसी क्रम में 51 लाख पौधे केवल इंदौर में लगाये जाने की योजना है। इस समय देश का शायद ही कोई ऐसा विभाग हो जिसने वृक्षारोपण को लेकर सक्रियता न दिखाई हो।

इसका एक प्रमुख कारण यह है कि इस वर्ष गर्मी का जितना प्रकोप भारत सहित पूरी दुनिया ने झेला उतनी प्रचंड गर्मी पहले कभी नहीं देखनी व सहनी पड़ी। पूरे विश्व में लाखों लोग तेज गर्मी की तपिश सहन न करते हुये तड़प कर मर गये। इसलिये इस भीषण गर्मी में भी लोगों को वृक्षों ने आकर्षित किया तथा पेड़ों ने अपनी जरूरत का एहसास कराया। गौरतलब है कि एक बड़े वृक्ष के नीचे औसतन चार डिग्री तापमान कम रहता है। साथ ही यही वृक्ष तेज धूप की तपिश से भी बचाता है। वर्तमान युग में बढ़ती गर्मी का एक कारक प्रदूषण भी है। प्रदूषण में धुएं के अतिरिक्त धूल मिटटी शोर गुल यानि ध्वनि प्रदूषण का भी अहम योगदान है। परन्तु एक स्वस्थ वृक्ष एक वर्ष में न केवल 20 किलोग्राम से अधिक धूल मिट्टी अपने आप में सोख लेता है बल्कि शोर गुल यानि ध्वनि प्रदूषण को भी कम करता है। इतना ही नहीं बल्कि यही वृक्ष करीब 1 लाख वर्ग मीटर प्रदूषित हवा का भी निस्पंदन करता है। यही वृक्ष 80 किलोग्राम पारा, लीथियम व लेड जैसी जहरीली धातुओं के मिश्रण को भी सोखने की क्षमता रखता है।

पेड़ पौधों की अहमियत को वैसा तो कोविड काल ने ही लोगों को ठीक से समझा दिया था। खासकर शहरी जीवन बिताने वाले लोगों को तो कुछ ज्यादा ही। क्योंकि कोविडकाल के बाद पूरे देश में शहरी इलाकों में गमलों व इनमें पौधे लगाने का चलन पहले से कई गुना ज्यादा बढ़ गया है। पक्की फर्श वाले मकानों में रखे हुये पर्याप्त मात्रा में गमले में लगे पौधे बेशक एक घर के तापमान को तो नियंत्रित करने व ऑक्सीजन देने की क्षमता तो रखते ही हैं। यह कोविड काल की ही दहशत है जिसके चलते पूरे देश में प्लास्टिक, मिटटी व सीमेंट के गमलों तथा नर्सरीज में पौधों की बिक्री कोविड काल के बाद कई गुना अधिक हो चुकी है।

वृक्षों का बादलों से भी गहरा नाता है। आम तौर पर रेगिस्तानी क्षेत्रों में बारिश इसलिए नहीं होती या अत्यधिक कम होती है क्योंकि वहां पर्याप्त संख्या में वृक्ष नहीं होते। जबकि दुनिया में अनेक घने जंगलों के इलाके ऐसे भी हैं जहाँ घने जंगलों के कारण अत्यधिक वर्षा होती है। ऐसे घने जंगलों को वर्षावन भी कहा जाता है। गोया वृक्ष, बादल, बारिश हरियाली मानव जीवन और खुशहाली का आपस में एक दूसरे से सीधा नाता है। नदी नालों के कटाव को रोकने में भी वृक्ष अहम भूमिका अदा करते हैं। यानी बाढ़ रोकने में सहायक होते हैं। हमें अध्ययन करने से तो यहाँ तक पता चलता है कि समुद्री किनारों पर पाए जाने वाले मैंग्रोज के पेड़ व इन के घने जंगल सुनामी की गति को नियंत्रित करने तक का काम करते हैं। इतना ही नहीं बल्कि यह समुद्री क्षेत्र के विस्तार को भी रोकते हैं। जबकि इन पेड़ों की आधी जड़ें भी धरातल के ऊपर होती हैं।

बहरहाल, वृक्षारोपण को इस समय मानव जीवन के अस्तित्व से जोड़कर देखने की जरूरत है। किसी सरकार, शासन या प्रशासन की तरफ मुंह देखने के बजाये जनता को स्वयं इसे जनांदोलन के रूप में लेना होगा और अपनी आदतों में शामिल करना होगा। याद रहे कि सरकारें वृक्षारोपण का शोर कर सकती हैं, इसपर चलाये जाने वाले अभियान का प्रचार कर सकती हैं, इसके नाम पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया जा सकता है। और तो और लगे लगाये दरख़्तों व जंगलों को कार्पोरेट्स के हित में कटवाने की भागीदार भी हो सकती हैं। विज्ञापनों व साक्षात्कार के माध्यम से इसके महत्व का बखान कर सकती हैं परन्तु चूँकि यह 'वोट बैंक ' से जुड़ा विषय नहीं इसलिये इसके प्रति उतनी गंभीरता नहीं दिखाती जितनी कि जरूरत है।

लिहाज़ा आज देश के प्रत्येक नागरिक को चाहे वह बच्चा, बूढ़ा, जवान महिला कोई भी हो उसे वृक्षारोपण को अपनी आदतों में शामिल करना होगा। स्वयं उसकी देखभाल व निगरानी करनी होगी। मां के नाम का केवल एक पेड़ ही काफी नहीं बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को खासतौर पर वर्षाऋतु में जहाँ और जितने हो सकें अधिकतम वृक्ष लगाने होंगे। इसी अपने जीवन की दैनिक गतिविधियों में शामिल किये जाने की जरूरत है। शादी विवाह, मरना जीना, जन्मदिन मरणदिन विवाह अथवा जन्म या मृत्यु की सालगिरह बरसी प्रत्येक अवसर को यादगार बनाने हेतु हर इन अवसरों पर वृक्षारोपण करें। यदि धरती के बढ़ते तापमान के दौर में वृक्षारोपण के प्रति अब भी हम गंभीर व सक्रीय नहीं हुये तो और कब होंगे?

संपादकीय

खरीदार को सुकून

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र यानी एनसीआर में घर खरीदने वालों को बड़ी राहत दी है। फ्लैट का कब्जा नहीं पाने वालों को ईएमआई पेमेंट को लेकर बैंकों, वित्तीय संस्थानों या बिल्डरों द्वारा कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। न ही उनके खिलाफ चेक बाउंस का मामला चलेगा। सबसे बड़ी अदालत दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी जिनमें खरीदारों की याचिकाओं को अन्य कानूनी विकल्पों की मदद लेने की बात कह कर खारिज कर दिया गया था। शीर्ष अदालत ने केंद्र, बैंकों समेत अन्य को नोटिस भी जारी किया। पीठ ने सभी मामलों पर अंतरिम रोक लगाई जिसके तहत बैंकों/वित्तीय संस्थानों या बिल्डर/डेवलपर की ओर से मकान खरीदारों के खिलाफ कोई भी कार्रवाई नहीं की जाएगी। पहले भी अदालत ने खरीदारों के पक्ष में सख्त फैसले दिए हैं। जब संसद में कानून पास होने के बाद कुछ रिअल एस्टेट कंपनियों ने इस संशोधन को अदालत में चुनौती दी थी। दीवालिया कानून यानी इंसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी में बदलाव कर खरीदार को डिफॉल्टर, डेवलपर को उसकी रकम वापस देने संबंधी संशोधन किया गया था। खरीदारों का कहना है कि बैंक की तरफ से ऋण सीधा बिल्डर के खाते में जाता है। जो रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है। देश में जिस तेजी से विकास हो रहा है। डेवलपर और बिल्डर सरकारी महकमे से मिली-भगत कर ऊंची-ऊंची इमारतें बना रहे हैं। मध्यम वर्ग को सपने दिखा कर मोटी रकम वसूली होती है। पूरा पैसे चुकाने के बावजूद हजारों लोग तय वक्त पर घर न मिलने से परेशान होकर बिल्डरों के दफ्तरों के चक्कर लगाते नजर आते हैं। विभिन्न कानूनी विकल्प होने के बावजूद उनकी सुनवाई नहीं होती। हालांकि यह फैसला खासकर एनसीआर के मकान खरीदारों के लिए है जबकि यह देश भर के नागरिकों के हित में लागू होना चाहिए। जनता की गाढ़ी कमाई के प्रति बैंकों- वित्तीय संस्थानों, बिल्डरों/डेवलपरों को खुली छूट देने के प्रति सबसे पहले सरकार ही जिम्मेदार है। यह फैसला उन खरीदारों को राहत देने वाला तो है ही, जो अपने घर का सपना दिखा कर खरीदारों को उचित जवाब तक नहीं देते वहीं लोन देकर कर्जदारों को जंजाल में फंसाने वालों को भी सबक लेना होगा।

चिंतन-मनन

दोनों प्रकार का धन एक साथ नहीं मिल सकता

संसार में दो प्रकार का धन होता है भौतिक धन और दूसरा आध्यात्मिक धन। मनुष्य का स्वभाव है कि वह ज्यादा से ज्यादा धन कमाने की चाहत रखता है। कोई व्यक्ति सोना, चांदी, रुपए पैसे का अंबार लगाकर धनवान कहलाता है तो कोई भूखा, प्यासा रहकर भी धनवान कहलता है। वास्तव में धनवान दोनों हैं। एक भौतिक धन का धनी है तो दूसरा अध्यात्मिक धन का धनी है। शास्त्र और पुराण कहते हैं कि दोनों धनों में से अध्यात्म रूपी धन ज्यादा श्रेष्ठ है क्योंकि इसे कोई छीन नहीं सकता। इसे कोई चुरा भी नहीं सकता है। जिसके पास अध्यात्म रूपी धन होता है वह निश्चिंत होता है। उसे किसी प्रकार की चिंता और भय नहीं रहता है। संसार में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जो एक साथ इन दोनों धनों का सुख प्राप्त कर सके।

अध्यात्म और भौतिक धन दोनों दो नाव के समान हैं। आप जानते हैं कि दो नाव की सवारी एक साथ नहीं की जा सकती, अगर ऐसा करेंगे तो डूबना तय है। मर्जी हमारी है कि हम अध्यात्मिक धन अर्जित कर-के ईश्वर का ऋण चुका दें और जीवन-मरण के चक्र को पार करके दुःख से मुक्ति प्राप्त कर लें। दूसरा रास्ता यह है भौतिक धन अर्जित करके सांसारिक सुख का आनंद लें और बार-बार जीवन-मरण के चक्र में उलझकर पाप का फल प्राप्त करें।

भागवत कहता है कि ईश्वर जिसे प्यार करता है उससे उसका सब कुछ छीन लेता है। सब कुछ छीन लेने का अर्थ है सांसारिक सुख छीन लेना। कबीर दास, तुलसीदास, रहीम, मीराबाई, सूरदास, करमैती बाई इसके उदाहरण हैं। ईसा मसीह ने भी कहा है कि सुई के छिद्र से ऊंट भले ही पार कर जाए लेकिन एक अमीर आदमी स्वर्ग प्राप्त नहीं कर सकता। स्वर्ग नहीं मिलने का अर्थ है, ईश्वर की कृपा प्राप्त नहीं होना। इसका कारण यह है कि जब बहुत धन आ जाता है तो व्यक्ति धन संभालने और उसकी सुरक्षा को लेकर ही सदैव चिंतित रहता है। ईश्वर के लिए न तो उनके पास समय होता है और न भक्ति भावना। धन के अहंकार में व्यक्ति ईश्वरीय सत्ता को भी चुनौती देने लगता है। तीर्थस्थलों को पर्यटन स्थल मानकर उनका अपमान करता है। इसलिए ही कहा गया है कि अध्यात्मिक धन और सांसारिक धन एक साथ नहीं मिल सकता है।

माइक्रोसॉफ्ट का सर्वर बंद होने से हजारों करोड़ का नुकसान

सनत जैन

माइक्रोसॉफ्ट का सर्वर शुक्रवार को कुछ देर बंद रहा। पूरी दुनिया के देशों में अफरा-तफरी मच गई। 1 घंटे के अंदर ही माइक्रोसॉफ्ट की सिक्योरिटी कंपनी क्राउड स्ट्राइक को 73000 करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा। शेयर बाजार में कंपनी के शेयर में 8 फीसदी से अधिक की गिरावट आई। देखते ही देखते कंपनी के 73000 करोड़ रुपए शेयर बाजार में डूब गए। एयरपोर्ट, रेल, बैंक, शेयर बाजार में मची अफरा-तफरी के कारण बैंकों, शेयर बाजार, कारोबारी कंपनियों तथा अन्य कंपनियों को भी भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। यात्रियों को काफी कष्ट उठाना पड़ा। बैंक के ग्राहक भी कई घंटों तक परेशान होते रहे। सिक्योरिटी कंपनी क्राउड स्ट्राइक के 30000 से अधिक ग्राहक हैं। क्राउड स्ट्राइक कंपनी 30000 से अधिक कंपनियों को साइबर सुरक्षा उपलब्ध कराती थी। जैसे ही माइक्रोसॉफ्ट का सॉफ्टवेयर बंद हुआ। उसके बाद सारी दुनिया में हाहाकार मच गया था। यूरोपीय देशों में इसका सबसे ज्यादा असर हुआ। भारत में नुकसान हुआ लेकिन यह नुकसान यूरोपीय देशों की तुलना में कम था। क्योंकि यूरोपीय देशों की तरह भारत अभी पूरी तरह से ऑनलाइन नहीं हुआ है। इसलिए बहुत हद तक बचा रहा। यूरोपीय देशों में सब कुछ ऑनलाइन था, जिसके कारण यात्रियों, बैंक के ग्राहकों और शेयर बाजार के निवेशकों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। क्राउड स्ट्राइक कंपनी और उससे जुड़ी हुई अन्य कंपनियों के यदि नुकसान को देखा जाए तो यह लाखों करोड़ों रुपए में पहुंच जाता है। यह आर्थिक नुकसान की बात हुई। 15 घंटे तक सारी दुनिया के देशों में ऑनलाइन सर्विस के कारण ऑनलाइन सेवा नहीं दे पाए। उसके कारण उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। माइक्रोसॉफ्ट का डिजिटल और ऑनलाइन कारोबार में एकाधिकार है। अपरोक्ष रूप से हार्डवेयर पर भी माइक्रोसॉफ्ट का एकाधिकार है। माइक्रोसॉफ्ट के सॉफ्टवेयर चुनिंदा हार्डवेयर पर ही संचालित होते हैं। इस एकाधिकार के कारण और कोई अन्य वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होने से, ऐसा लगा कि जैसे सारी दुनिया ठहर गई है। थोड़ी सी लापरवाही कितना बड़ा नुकसान कर सकती है, इसका सबसे बड़ा प्रमाण सर्वर क्रैश हो जाना है। जैसे-जैसे सारी दुनिया तकनीकी के सहारे आगे बढ़ रही है। सारे काम डिजिटल प्रोग्रामिंग से संचालित हो रहे हैं। यदि 1 घंटे के लिए इंटरनेट बंद हो जाए। जिस तरह से माइक्रोसॉफ्ट का सर्वर बंद हुआ है। माइक्रोसॉफ्ट की तकनीकी से जुड़े हुए कंपनियों के लाखों सर्वर एकाएक बंद हो गए। सेवाओं से जुड़े हुए लोगों को सेवा मिलना बंद हो गई। जिस तरह से अब ए-आई तकनीकी आ गई है। सारे काम सॉफ्टवेयर की प्रोग्रामिंग से संचालित हो रहे हैं। अब जगह-जगह रोबोट भी इंटरनेट और डिजिटल तकनीकी से जुड़कर काम कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में कहा जा सकता है। हमारे जीवन में जिस तरह से तकनीकी का हस्तक्षेप बढ़ रहा है। मानवीय चूक का अब कोई कारण नहीं है। अब जो भी चूक हो रही है। वह सॉफ्टवेयर, प्रोग्रामिंग, तकनीकी तथा संचार माध्यमों के कारण हो रही है। जिन पर कोई प्रत्यक्ष नियंत्रण नहीं है। तकनीकी अथवा संचार की गड़बड़ी से कभी भी कहीं पर भी कोई भी बड़ी समस्या खड़ी हो सकती है। पिछले दो दशक में सुरक्षा, कारोबार, घर, व्यापारिक स्थलों के कामों में डिजिटल तकनीकी और संचार माध्यमों पर आश्रित होकर रह गए हैं। अब मोबाइल, कंप्यूटर, इंटरनेट के जरिए एक स्थान से सारी दुनिया में कंट्रोल कर रहे हैं। जब कंट्रोल ही नहीं कर पाएंगे, तब क्या स्थिति होगी। इसकी आसानी से कल्पना की जा सकती है। क्राउड स्ट्राइक साइबर सिक्योरिटी कंपनी जब अपनी ही रक्षा नहीं कर पाई। वह उससे जुड़ी हुई 30000 कंपनियों के सर्वर और सॉफ्टवेयर की क्या सुरक्षा कर पाएगी। इसे आसानी से समझा जा सकता है। माइक्रोसॉफ्ट ने सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में एकाधिकार बना लिया है। यदि उसके प्रोग्राम कहीं क्रैश होते हैं, तो इसका कितना बड़ा नुकसान सारी दुनिया को हो सकता है। इसका अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता है। शुक्रवार की एक घटना ने सारी दुनिया को एक तरह से चेतावनी दे दी है। तकनीकी के ऊपर आश्रित होकर मानवीय विकास एवं मानव क्षमता का सही उपयोग नहीं किया गया, तो कभी भी विषम परिस्थिति का सामना करना पड़ सकता है। भारत जैसे देश में जिस तरह से यूपीआई के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान, अधिकतम सेवायें ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। सरवर में रखा हुआ डाटा यदि हैक हो जाता है। साइबर ठग उसका दुरुपयोग कर ठगी करते हैं। पिछले वर्षों में भारत जैसे देश में हर साल सैकड़ों करोड़ रुपए की ठगी होने लगी है। तकनीकी कारणों से यदि डाटा तक पहुंच नहीं हो पाती है। डाटा हैक हो जाता है। डाटा को प्रोग्रामिंग के द्वारा बदल दिया जाता है। तो कितना बड़ा नुकसान हो सकता है, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। भारत जैसे देश के पास इंटरनेट के अलावा कोई विकल्प नहीं है। दुनिया के कई देशों ने इंटरनेट के साथ-साथ इंटरानेट पर भी काम करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपना संचार माध्यम विकसित किया है। जिस पर उनका स्वयं का कंट्रोल है। राष्ट्रीय स्तर पर कई देशों ने अलग व्यवस्था बना रखी है। जिन देशों के पास इंटरानेट आधारित संचार नेटवर्क है। उन्होंने डाटा को कई स्तर पर स्टोर करके रखा हुआ है। उन देशों के पास एक अच्छा विकल्प होने के कारण ज्यादा नुकसान नहीं होगा। दुनिया के वह देश जो केवल माइक्रोसॉफ्ट और इंटरनेट पर आधारित होकर रह गए हैं। वह कभी भी तकनीकी की इस दौड़ में डूब सकते हैं। लाखों करोड़ों रुपए का नुकसान कुछ ही घंटे में तकनीकी के कारण हो सकता है। जान-माल का नुकसान बड़े पैमाने पर हो सकता है। जिसकी कल्पना संभव नहीं है। माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर में जो गड़बड़ी आई। प्रोग्रामिंग के जरिए मशीनों के द्वारा मशीनों को चलाने की जो नई तकनीकी विकसित हुई है। आगे चलकर उसके दुष्परिणाम बड़े भयानक हो सकते हैं। समय रहते भारत सहित दुनिया के सभी देशों को विकल्प के बारे में ध्यान देना होगा। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन सेवाओं को अलग-अलग तरीके से अलग-अलग प्रोग्रामिंग के जरिए नियंत्रण करने की व्यवस्था बनानी होगी। तकनीकी में एकाधिकार से भी बचना होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो भगवान ही मालिक है।

वैश्विकी: बांग्लादेश में असंतोष की आग

डॉ. दिलीप चौबे

बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर छात्रों का आंदोलन बेकाबू हो गया है। देश में अस्थिरता का संकट मंडरा रहा है। हाल में प्रधानमंत्री शेख हसीना ने फिर से जनादेश हासिल किया लेकिन आम चुनाव में पराजित राजनीतिक तत्वों को बदला लेने का मौका मिल गया। चुनाव का बहिष्कार करने वाली विरोधी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और कट्टर मुस्लिम संगठन जमायते इस्लामी पर्दे के पीछे असंतोष को हवा दे रहे हैं। इतना ही नहीं कूटनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि बांग्लादेश महाशक्तियों के शक्ति-संघर्ष का अखाड़ा बन गया है। भारत के लिए बांग्लादेश का घटनाक्रम विशेष चिंता का विषय है। पड़ोसी देश म्यांमार में पहले से ही गृह-युद्ध और सैन्य संघर्ष के हालात हैं। अब इसी क्षेत्र में एक अन्य पड़ोसी देश ने भी अस्थिरता का संकट पैदा हो गया है। यह भारत के लिए विदेश नीति ही नहीं बल्कि आंतरिक सुरक्षा की समस्या भी पैदा करता है। पूर्वोत्तर भारत का मणिपुर राज्य काफी समय से अशांति से पीड़ित है। पड़ोस के अन्य राज्यों पर भी इसका असर पड़ रहा है। पूर्वोत्तर भारत में सामान्य स्थिति बनी रहे इसके लिए आवश्यक है कि म्यांमार और बांग्लादेश में भी शांति और स्थिरता कायम हो।

भारत कभी नहीं चाहेगा कि पड़ोसी देश में शेख हसीना की सरकार अस्थिर हो। यह भी संभव है कि जरूरत पड़ने पर भारत की ओर से बांग्लादेश में आवश्यक सहायता मुहैया कराई जाए। पिछले काफी समय से यह चर्चा है कि म्यांमार में अमेरिका और यूरोपीय देश ईसाई बहुल क्षेत्र में एक पृथक देश 'कुकी लैंड' बनाने की योजना पर काम कर रहे हैं। कुकी विद्रोहियों को हथियार और आर्थिक संसाधन मुहैया कराए जा रहे हैं। पश्चिमी देशों की भारत से अपेक्षा थी कि वह म्यांमार की सैनिक सत्ता के खिलाफ सख्त रवैया अपनाए। लेकिन भारत ने अपने राजनीतिक हितों के मद्देनजर संतुलित नीति अपनाई। इस क्षेत्र में कुकी लैंड की स्थापना पूर्वोत्तर भारत के लिए भी समस्या का कारण भी बन सकती है। बांग्लादेश में भारत के रणनीतिक हित और भी अधिक प्रबल हैं। विशेषकर ऐसी स्थिति में जब भारत विरोधी बीएनपी और जमायते इस्लामी सत्ता पर काबिज होने की कोशिश कर रही हैं। अमेरिका और पश्चिमी देशों की भूमिका भी संदिग्ध है॥

प्रधानमंत्री शेख हसीना ने आम चुनाव के समय ही आरोप लगाया था कि अमेरिका और पश्चिमी देश चुनाव में हस्तक्षेप कर रहे हैं। अब उनके आरोपों को और बल मिल गया है। ऊपरी तौर पर छात्रों का आंदोलन कुछ सीमा तक जायज माना जा सकता है। देश में आरक्षण व्यवस्था के तहत सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में 56 फीसद सीटें आरक्षित करने का प्रावधान है। सबसे अधिक 30 फीसद सीटें बांग्लादेश मुक्ति संघर्ष में भाग लेने वाले लोगों के उत्तराधिकारियों के लिए आरक्षित है।

इसके अलावा महिलाओं और पिछड़े जिलों के लिए 10-10 फीसद और आदिवासियों के लिए 5 फीसद आरक्षण की व्यवस्था है। विकलांगों के लिए 1 फीसद आरक्षण है। आरक्षण व्यवस्था के खिलाफ 2018 में भी व्यापक छात्र आंदोलन हुआ था जिसके बाद वह व्यवस्था ठंडे बस्ते में डाल दी गई। पूरा विवाद पिछले महीने दोबारा उभरा जब उच्च न्यायालय ने आरक्षण की व्यवस्था फिर से बहाल कर दी। शेख हसीना ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा था कि मुक्ति संघर्ष के योद्धाओं के उत्तराधिकारियों को आरक्षण दिए जाने में क्या आपत्ति है। उन्होंने विरोधियों पर कटाक्ष करते हुएकहा कि 'क्या पाकिस्तान का साथ देने वाले रजाकारों के उत्तराधिकारियों को आरक्षण मिलना चाहिए।'

यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि नई पीढ़ीसे बांग्लादेश मुक्ति संघर्ष का अपमान कर रही है। शेख हसीना सरकार के कामकाज की आलोचना की जा सकती है लेकिन मुक्ति संघर्ष को भुलाना और रजाकारों का महिमामंडन कदापि उचित नहीं। इससे यह भी पता चलता है कि बांग्लादेश में इस्लामीकरण का संकट बरकरार है जिसका असर भारत पर भी पड़ सकता है। भारत ने वर्ष 1971 में बांग्लादेश मुक्ति संघर्ष में निर्णायक भूमिका निभाई थी। आधी सदी बाद मुक्ति संघर्ष की विरासत को बचाने के लिए भारत की ओर सबकी नजर होगी।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंशीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

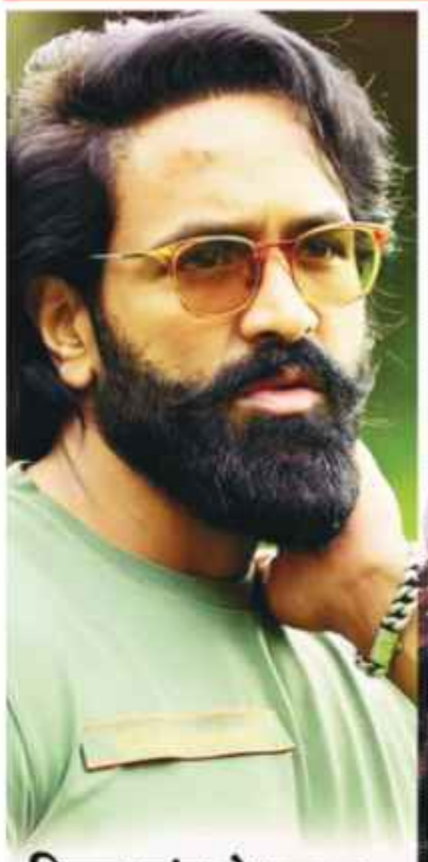

विष्णु मांचू ने उठाया कन्नप्पा की रिलीज की तारीख से पर्दा!

कन्नप्पा विष्णु मांचू की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को और खास बनाने के लिए विष्णु मांचू पूरी मेहनत कर रहे हैं। फिल्म में कई दिग्गज सितारों की महत्वपूर्ण भूमिकाएं हैं। विष्णु मांचू तेजी से अपनी फिल्म पर काम कर रहे हैं और लगातार बड़ी जानकारियां साझा कर रहे हैं। फिल्म को लेकर विष्णु ने बड़ा एलान किया है। आखिरकार अभिनेता ने फिल्म की रिलीज की तारीख से पर्दा उठा दिया है। 18 जुलाई को विष्णु मांचू ने अपनी आगामी बड़े बजट की फिल्म कन्नप्पा की रिलीज की घोषणा की। उन्होंने पोस्ट साझा करते हुए यह जानकारी दी कि फिल्म दिसंबर 2024 में रिलीज होगी। कन्नप्पा एक पौराणिक फिल्म है, जो पूरी होने वाली है। मई में फिल्म का टीजर प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया था। बाद में 14 जून को भारत में टीजर रिलीज किया गया और इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। विष्णु मांचू ने एक्स पर कन्नप्पा की रिलीज की घोषणा की। उन्होंने पोस्ट साझा करते हुए लिखा, दिसंबर 2024 कन्नप्पा, हर हर महादेव। वहीं फिल्म की कहानी की बात करें तो कन्नप्पा एक पौराणिक काल्पनिक फिल्म है, जिसका निर्देशन मुकेश कुमार ने किया है।

शाहिद कपूर की फिल्म देवा की रिलीज डेट में हुआ बदलाव

शाहिद कपूर की आगामी फिल्म देवा है। यह फिल्म इस साल दशहरा के मौके पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसकी रिलीज डेट बदल गई है। यह फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह एक्शन थ्रिलर फिल्म है। मेकर्स ने आज फिल्म से शाहिद कपूर का लुक साझा किया है। इसमें अभिनेता इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। शाहिद फिल्म में पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आएंगे। शाहिद कपूर के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से फिल्म का पोस्टर साझा किया गया है। इसमें वह काफी रफ-टफ दिख रहे हैं। वर्दी पहने हाथ में गन थामे अभिनेता की नजर अपने लक्ष्य पर है। शाहिद कपूर की यह फिल्म बेशक एक्शन से भरपूर है, लेकिन दर्शकों के सामने यह मोहब्बत के महीने में आएगी। फिल्म वैलेंटाइन्स डे के मौके पर 14 फरवरी 2025 को रिलीज होगी।

शाहिद कपूर ने पोस्ट के साथ लिखा है, एक हिसक वैलेंटाइन डे के लिए तैयार हो जाइए, देवा 14 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी!

सायंतनी घोष ने कहा कि भारतीय शास्त्रीय नृत्य शुरू से ही मेरा जुनून रहा है

शो दहेज दासी में अपने नृत्य कौशल का प्रदर्शन करने वाली एक्ट्रेस सायंतनी घोष ने कहा कि भारतीय शास्त्रीय नृत्य शुरू से ही उनका जुनून रहा है। हालांकि उन्हें कभी भी इसे औपचारिक रूप से सीखने का मौका नहीं मिला। सायंतनी ने कहा कि जब मैं छह या सात साल की थी, तब मेरे माता-पिता ने मुझे कुछ महीनों के लिए एक सामान्य नृत्य कक्षा में डाल दिया था। उस समय आप ज्यादा कुछ सीख नहीं पाते हैं, मैं शुरू से ही यह करना चाहती थी। एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे विशेष रूप से भारतीय शास्त्रीय नृत्य पसंद है, लेकिन अभी तक मुझे इसे सीखने का मौका नहीं मिला है। नृत्य के प्रति मेरा प्यार पहला संकेत था कि मैं एक एक्ट्रेस बनना चाहती थी। कोलकाता में पली-बढ़ी सायंतनी के स्कूल में अक्सर नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के नृत्य नाटकों का प्रदर्शन किया जाता था, जिसमें नृत्य के साथ अभिनय और भावनाओं का मिश्रण होता था। सायंतनी ने बताया कि मैं अपने स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बहुत सक्रिय थी। तभी से मेरा झुकाव रचनात्मक क्षेत्र की ओर हुआ। भले ही मैंने औपचारिक रूप से नृत्य नहीं सीखा है, लेकिन मुझे यह पसंद है। बस म्यूजिक चलाने की जरूरत है, और मैं डांस करने के लिए तैयार रहती हूं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में इंडस्ट्री ने मेरे हुनर को पहचाना और उसे सम्मान दिया है। जब भी लोग ऐसी अभिनेत्रियों के बारे में बात करते हैं जो अच्छा नृत्य कर सकती हैं, तो मेरा नाम निश्चित रूप से उस सूची में आता है। अपने शो में एक डांस सीन पर बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि जब शो में डांस की बात आई तो मैं बेहद उत्साहित थी। उन्होंने कहा कि हम एक महा एपिसोड कर रहे थे जहां एक तांडव की आवश्यकता थी, वह काली शक्तियों को जीवंत करने के लिए तांडव कर रही थी। सबसे अच्छी बात यह थी कि मुझे इसे कोरियोग्राफ करने का मौका मिला। मेरे निर्माता जानते थे कि मैं एक अच्छी डांसर हूं और उन्होंने मुझे नृत्य को कोरियोग्राफ करने का अवसर दिया। एक्ट्रेस ने कहा कि तांडव में काली शक्तियों को बुलाने के लिए अत्यधिक ऊर्जावान होना जरूरी है, और मैंने इसमें अपनी दिल और आत्मा झोंक दी। इसके बाद जो प्रतिक्रिया सामने आई वह अद्भुत थी।

किल के लिए राघव को मिल रही तारीफ के बीच बोले अभिनेता

राघव जुयाल टीवी जगत के नामी चेहरा रहे हैं, जो कई फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं। टीवी पर वह कई शोज में डांसिंग और मेजबानी करते नजर आए हैं। इन दिनों वह अपनी हालिया रिलीज फिल्म किल के लिए चर्चा में हैं। इस फिल्म में वो अपने अब तक अपने सबसे अलग किरदार में नजर आए हैं। फिल्म दर्शकों को काफी पसंद भी आ रही है। कुछ दिनों पहले ही फिल्म की स्क्रीनिंग हुई थी, जिसमें कई बॉलीवुड हस्तियां भी शामिल हुई थीं। हाल में ही एक इंटरव्यू के दौरान राघव ने बताया कि उन्हें खुद को पर्दे पर देखना कैसा लगता है। राघव को फिल्म इंडस्ट्री से उनके अभिनय के लिए काफी सराहना मिल रही है। एक इंटरव्यू के दौरान राघव जुयाल ने किल को मिली सफलता और उनके अभिनय को लेकर मिल रही प्रतिक्रिया पर बात की है। उन्होंने इस दौरान खुलासा करते हुए बताया कि उनकी अभिनेता विक्की कौशल ने व्यक्तिगत रूप से सराहना की है। इस दौरान विक्की ने उन्हें फोन भी किया। फोन पर उन्होंने लगभग एक घंटे तक राघव से बातचीत भी की। उनके अभिनय को मिल रही सराहना के बीच अभिनेता ने कहा कि उन्हें खुद को पर्दे पर देखना अटपटा लगता है। उन्होंने कहा, जब मैं खुद को पर्दे पर देखता हूं, तो मुझे काफी अटपटा सा लगता है। मैं खुद को अभिनय करता हुआ नहीं देख सकता।

म्यूजिक को जिंदगी मानते हैं आयुष्मान

अभिनेता आयुष्मान खुराना बॉलीवुड में अलग तरह की फिल्में करने के लिए मशहूर हैं। फिल्म विक्की डोनर से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले अभिनेता ने फिल्म इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। हालांकि, विक्की डोनर के बाद अभिनेता की कई फिल्में फ्लॉप लिस्ट में भी शामिल हुईं। अब अभिनेता ने अपने फिल्मी करियर को लेकर कई दिलचस्प खुलासे किए हैं। हाल ही में, आयुष्मान खुराना ने अपना नया सिंगल रिलीज किया था, जिसका नाम है रह जा। आयुष्मान ने न सिर्फ इस गाने को लिखा है, बल्कि इसे कंपोज भी किया है और गाया भी है, जिसमें हरजोत कौर को फीमेल वोकल्स का श्रेय दिया है। अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर बिहाइंड द गीत वीडियो जारी किया, जिसमें इस गाने को बनाने के पीछे की झलक दिखाई गई। आयुष्मान से पूछा गया, आपके जीवन में संगीत का क्या महत्व है? इस पर अभिनेता ने जवाब देते हुए कहा, यह मेरा जीवन है। मैं संगीत के बिना काम नहीं कर सकता। मैं फिल्मों के बिना रह सकता हूं, लेकिन मैं संगीत के बिना नहीं रह सकता। आयुष्मान द्वारा लिखित, गाया गया सबसे लोकप्रिय गाना उनकी पहली फिल्म विक्की डोनर का पानी दा रंग है। इसके बाद उन्होंने रोहन सिप्पी की फिल्म नौटंकी साला में साडी गली आजा और तू ही तू गाना गाया। उनके कुछ और लोकप्रिय फिल्म ट्रैक है, दिल-ए-नादान और मोह मोह के धागे का रीप्राइज हारेया, मेरे लिए तुम काफी हो और फिल्म शुभ मंगल सावधान से अरे प्यार कर ले। वर्कफ्रंट की बात करें तो फिलहाल आयुष्मान खुराना का फोकस अपने म्यूजिक करियर पर है। उन्होंने वार्नर म्यूजिक इंडिया से हाथ मिलाया है। उनका गाना अंख दा तारा हाल ही में रिलीज हुआ, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। फैंस आयुष्मान को एक बार फिर बड़े पर्दे पर देखना चाहते हैं।

नोरा फतेही ने पूरी की रेट्रो सॉन्ग की शूटिंग, वरुण तेज की मटका के अगले शेड्यूल पर आया अपडेट

वरुण तेज की आगामी पीरियड एक्शन फिल्म मटका को लेकर प्रशंसकों में उत्साह बरकरार है। इसी बीच इसके शूटिंग शेड्यूल पर बड़ा अपडेट सामने आया है। निर्माताओं ने इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे प्रशंसकों को एक और बड़ी खुशखबरी सुनाई है। फिल्मांकन का एक चरण पूरा हो चुका है। साथ ही अगले शेड्यूल की भी जानकारी सामने आ गई है। मटका के निर्माताओं ने फिल्म का एक दिलचस्प पोस्टर जारी किया है। पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा है, मटका आरएफशी शेड्यूल पूरा हो गया। टीम ने आरएफसी में लंबा और महत्वपूर्ण शेड्यूल पूरा कर लिया है, जिसमें कई महत्वपूर्ण दृश्य, हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस और विद्युत रेट्रो-थीम वाले गाने शूट किए गए। नया शेड्यूल वर्तमान में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अधिक रोमांचक अपडेट जल्द ही लोड हो रहे हैं। रिपोर्ट की मानें तो पोस्टर में नजर आ रही महिला कोई और नहीं बल्कि अभिनेत्री नोरा फतेही हैं, जो तेलुगु फिल्म का हिस्सा भी हैं। जानकारी के अनुसार, उन्होंने हाल ही में एक रेट्रो गाने की शूटिंग की है। निर्माताओं ने यह भी घोषणा की है कि मटका का नया शेड्यूल फिलहाल विजाग में चल रहा है। वरुण तेज फिल्म में अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं जिसके लिए उन्हें अलग-अलग मेकओवर से गुजरना होगा क्योंकि कहानी 1958 से 1982 तक तक फैली हुई है।

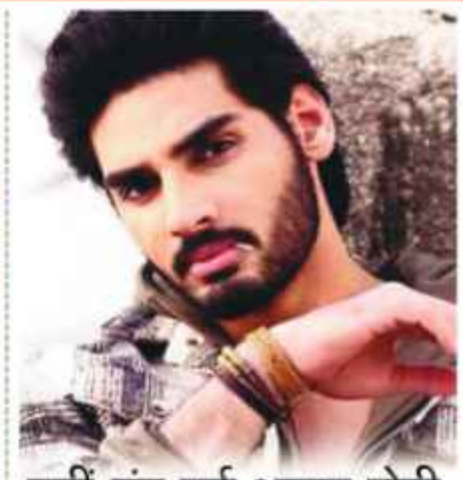

नहीं बंद हुई अहान शेट्टी की सनकी, अफवाहों पर लगा विराम

अहान शेट्टी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म सनकी को लेकर जोर शोर से तैयारियां कर रहे हैं। इस फिल्म को साजिद खान के प्रोडक्शन हाउस की ओर से बनाया जा रहा है। हाल ही में इस फिल्म का एलान किया गया था, जिसके बाद लोग सोशल मीडिया पर इसको लेकर अपना उत्साह भी व्यक्त किया था। हालांकि, इसके बाद फिल्म की शूटिंग को लेकर कोई अपडेट नहीं आया। इस बीच 16 जुलाई को एक रिपोर्ट छपी कि अहान शेट्टी के खर्चों को देखते हुए साजिद नाडियाडवाला फिर से विचार रहे हैं कि इस फिल्म को शुरू करना है या नहीं। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद अब फिल्म के निर्माता ने इन अफवाहों पर विराम लगाते हुए सनकी से जुड़ा बड़ा अपडेट दिया है। नाडियाडवाला ग्रैंडसन के आधिकारिक हैंडल ने इन अफवाहों को संबोधित करते हुए पोस्ट में लिखा, हम 18 अगस्त को सनकी शुरू कर रहे हैं। हम सभी मीडिया घरानों से अनुरोध करते हैं कि वे ऐसी अफवाहों से बचें और प्रकाशन से पहले हमारे साथ खबर को सत्यापित करें। इससे पहले हाल ही में एक समाचार पोर्टल ने सूत्र के हवाले से यह खबर छपी थी कि साजिद नाडियाडवाला अभिनेता अहान शेट्टी के साथ काम करने वाली उनकी टीम के लोगों के अत्यधिक खर्चों की वजह से फिल्म को शुरू करने को लेकर असमंजस में हैं।

किल में राघव जुयाल के एक्शन के मुरीद हुए विक्की

राघव जुयाल इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म किल की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं। फिल्म की रिलीज के बाद हर कोई राघव के अभिनय की खूब सराहना कर रहा है। इस बीच, हाल ही में, एक इंटरव्यू में राघव ने खुलासा किया कि कैसे अभिनेता विक्की कौशल को उनकी फिल्म काफी पसंद आई है। राघव ने बताया कि विक्की ने उनसे फोन पर बात कर उनके अभिनय की तारीफ की थी। हाल ही में बात करते हुए राघव जुयाल ने फिल्म की सफलता और इंडस्ट्री से मिल रही प्रतिक्रिया पर बात की। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री से मिली प्रतिक्रिया शानदार रही है। अभिनेता ने बताया, विक्की कौशल भाई को फिल्म और मेरा अभिनय इतना पसंद आया कि उन्होंने मेरे साथ एक घंटा बात की और मुझसे पूछा कि मैंने फिल्म के लिए कैसे तैयारी की और मैं अपने किरदार में इतना अंदर कैसे जा सकता हूं। राघव ने आगे कहा, मुझे समझ में नहीं आया कि मैं उन्हें क्या जवाब दूं, क्योंकि मैंने बस वही किया जो स्क्रिप्ट में लिखा था। अब भी, जब मैं खुद को स्क्रीन पर देखता हूं,, तो मुझे बहुत काफी हैरत होती है। मैं खुद को परफॉर्म करते हुए नहीं देख सकता। गौरतलब है कि इस महीने की शुरुआत में 5 जुलाई को राघव ने एक छोटी क्लिप पोस्ट की थी, जिसमें वे किल फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान विक्की कौशल के साथ खुलकर बातचीत करते नजर आए थे। बातचीत करते हुए दोनों के चेहरे पर मुस्कान थी और दोनों ब्लैक ड्रेस में ट्विनिंग कर रहे थे।

करण जौहर की अगली फिल्म में एक साथ नजर आएंगे जाह्नवी कपूर और ईशान खट्टर

शशांक खेतान की फिल्म धड़क में बॉलीवुड में डेब्यू करने के छह साल बाद, जान्हवी कपूर और ईशान खट्टर एक बार फिर स्क्रीन शेयर करने के लिए तैयार हैं। यह रीयूनियन धर्मा प्रोडक्शंस के सौजन्य से हो रहा है, जिसमें राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक नीरज घायवान मुख्य भूमिका में हैं। पीपिंग मून की एक रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म अभी प्री-प्रोडक्शन में है और इस अक्टूबर में भोपाल में फिल्मांकन शुरू होने की उम्मीद है। फिल्म में विशाल जेठवा भी होंगे, जिन्हें पहले टाइगर 3 में देखा गया था। रिपोर्ट में इस आगामी प्रोजेक्ट को भावनात्मक मानवीय नाटक बताया गया है। फिल्म कपूर और खट्टर दोनों के लिए एक नया दृष्टिकोण पेश करती है। विकास से जुड़े एक सूत्र ने साझा किया, यह एक अच्छी तरह से लिखा गया, कलाकारों से भरा नाटक है जिस पर नीरज घायवान पिछले दो सालों से काम कर रहे हैं। जान्हवी और ईशान दोनों ही निर्देशक के काम की बहुत प्रशंसा करते हैं और जल्दी से इस फिल्म में शामिल हो गए क्योंकि इसमें उन्हें ऐसी भूमिकाएँ दी गई हैं जो धड़क में उनके द्वारा निभाई गई भूमिकाओं से बिल्कुल अलग हैं। वे अपनी पहली फिल्म के बाद से एक बार फिर साथ काम करने के लिए उत्सुक थे और नीरज की फिल्म में एक साथ काम करने का सही तरीका पाकर रोमांचित हैं।

श्रीजिता डे को उतरन से मिली पहचान

अभिनेत्री श्रीजिता डे अपना जन्मदिन मना रही हैं। श्रीजिता कई टीवी शो में काम कर चुकी हैं, उन्हें उतरन सीरियल में मुक्ता राठौर के किरदार के लिए खासतौर से जाना जाता है। वह रियलिटी टीवी शो बिग बॉस 16 में भी हिस्सा ले चुकी हैं। श्रीजिता ने शो कसौटी जिंदगी की से अपने करियर की शुरुआत की थी। साल 2008 में वह बॉलीवुड फिल्म टशन में पार्वती के रोल में नजर आईं श्रीजिता अब्बू की हो गई वाह भाई वाह, तुम्ही हो बंधु, सखा तुम्ही और कोई लौट के आया है जैसे शो में भी काम कर चुकी हैं।

महिला एशिया कप : भारत की बड़ी जीत, यूएई को 78 रन से हराया

दाम्बुला (एजेंसी)। गत चैम्पियन भारतीय महिला टीम ने कप्तान हरमनप्रीत कौर (66 रन) और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष (नाबाद 64) के अर्धशतकों के बाद कसी गेंदबाजी से रविवार को यहां महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट मैच में अपना रिकॉर्ड स्कोर बनाकर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 78 रन से शिकस्त दी। सात बार की चैम्पियन भारत ने अपने पहले मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को सात विकेट से हराया था और अब लगातार दूसरी जीत से सेमीफाइनल में पहुंचने से एक कदम दूर है। दो जीत से भारत ग्रुप ए में चार अंक से शीर्ष स्थान पर है जिसमें उसका नेट रन रेट +3.298 है। भारत अपने तीसरे और अंतिम ग्रुप मैच में मंगलवार को नेपाल से भिड़ेगा।

भारत ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद पांच विकेट पर 201 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया जो महिला एशिया कप का रिकॉर्ड स्कोर है। भारतीय गेंदबाजों ने इसके बाद यूएई को 20 ओवर में सात विकेट पर 123 रन पर रोक दिया। उसके लिए कप्तान ईशा ओझा (38 रन) ने अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन दूसरे छोर पर उन्हें सहयोग नहीं मिला। कविशा एगोडगे ने नाबाद 40 रन बनाये। भारत ने पांच गेंदबाजों का इस्तेमाल किया जिसमें सभी ने कम से कम एक एक विकेट लिया। अनुभवी गेंदबाज दीप्ति शर्मा ने चार ओवर में 23 रन देकर दो विकेट झटके।

रेणुका सिंह (30 रन देकर एक विकेट) और पूजा वस्त्रकार (27 रन देकर एक विकेट) की तेज गेंदबाज जोड़ी ने तीर्था सतीश (04) और ऋणीता रजीत (07) को आउट किया जिससे यूएई का स्कोर 5.2 ओवर में 2 विकेट पर 24 रन हो गया। इसके बाद दीप्ति ने अपनी तीसरी गेंद पर समायरा धरनीधरका (05) को आउट किया। लेकिन ओझा और कविशा एगोडगे ने कुछ मनोरंजक शॉट खेले और अगले तीन ओवर में 20 रन बनाए। चोटिल श्रेयंका पाटिल की जगह अंतिम एकादश में शामिल तनुजा कंवर (14 रन देकर एक विकेट) ने ओझा को स्टंप आउट कर दिया जबकि राधा यादव (29 रन देकर एक विकेट) ने खुशी शर्मा (10) को आउट किया जिससे 16वें ओवर में उनका स्कोर पांच विकेट 95 रन हो गया।

इसके बाद हीना होतचंदानी (08) दीप्ति का दूसरा शिकार बनीं और ऋतिका रजीत आखिरी गेंद पर रन आउट हो गईं। इससे पहले 35 वर्षीय हरमनप्रीत पूरी तरह से दबदबा बनाये थीं, उन्होंने 47 गेंद की पारी के दौरान सात चौके और एक छक्का जड़ा। हरमनप्रीत ने इस तरह टी20 अंतरराष्ट्रीय में 12वां अर्धशतक जड़ा जो कप्तान के तौर पर उनका 11वां पचासा है। ऋचा ने 'फिनिशर' की भूमिका अच्छी तरह निभाते हुए 29 गेंद की पारी में 12 चौके और एक छक्का जड़ा। उन्होंने पारी के अंतिम ओवर में हीना होतचंदानी पर पांच चौके जमाए। ऋचा का यह टी20 में पहला अर्धशतक है। हरमनप्रीत ने दो महत्वपूर्ण साझेदारियां निभाई जिसमें पहले जेमिमा रोड्रिग्स के साथ 39 गेंद में 54 रन की चौथे विकेट की भागीदारी और पांचवें विकेट के लिए ऋचा के साथ 45 गेंद में 75 रन की साझेदारी शामिल रही।

भारत ने महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में पहली बार 200 रन के स्कोर का आंकड़ा पार किया। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (13 रन) ने एक छक्का और एक चौका जड़कर भारत को अच्छी शुरूआत कराई। लेकिन तीसरे ओवर में कविशा एगोडगे की गेंद पर अति उत्साही शॉट ने उनकी पारी मिडऑफ पर खत्म कर दी। शेफाली वर्मा ने फिर कुछ शानदार शॉट खेले जिससे उन्होंने 18 गेंद में 37 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने पांच चौके और एक छक्का जड़ा। वह तेज गेंदबाज समायरा धरनीधरका की वाइड गेंद पर बल्ला छुआकर विकेटकीपर को कैच दे बैठीं। अगले ओवर में होतचंदानी ने फिर दयालन हेमलता (02) को आउट किया जिससे पावरप्ले में भारत का स्कोर तीन विकेट पर 52 रन था।

कप्तान हरमनप्रीत और जेमिमा रोड्रिग्स (14 रन) ने फिर स्कोर चलायमान रखा। इन दोनों में हरमनप्रीत ने तेजी से खेलते हुए 39 गेंद में 54 रन की साझेदारी बनायी जिससे भारत ने 11वें ओवर में 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया। पर अगले ओवर में एगोडगे ने रोड्रिग्स को आउट कर दिया। ऋचा ने जिम्मेदारी से खेलते हुए हरमनप्रीत का अच्छा साथ निभाया। ऋचा ने यूएई की कप्तान ईशा ओझा पर चार चौके जड़कर 18 रन जुटाये। हरमनप्रीत ने 18वें ओवर में अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर स्पिनर समायरा धरनीधरका पर दो चौके और एक छक्का जड़ा। पर फिर वह रन आउट हो गईं और घोष ने महज 26 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा करने के बाद अंतिम ओवर में पांच चौके से 20 रन जोड़े।

चैंपियंस ट्रॉफी: 'हम उनके बिना खेलेंगे', हसन अली ने भारत के पाकिस्तान न आने पर प्रतिक्रिया दी

लाहौर (एजेंसी)। भारत के 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान दौरे पर न जाने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए स्टार पाकिस्तानी तेज गेंदबाज हसन अली ने कहा कि अगर आईसीसी टूर्नामेंट पाकिस्तान में आयोजित किया जाना है, तो इसे भारत की भागीदारी के बिना भी योजना के अनुसार ही आयोजित किया जाना चाहिए। पाकिस्तान आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के 2025 संस्करण की मेजबानी करने के लिए तैयार है, जो 19 फरवरी को कराची में शुरू होने वाला 8 टीमों का टूर्नामेंट है। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में 9 मार्च को फाइनल की मेजबानी की जानी है। टूर्नामेंट के मैचों की मेजबानी के लिए पाकिस्तान में तीन स्थानों को चुना गया है जो आखिरी बार 2017 में आयोजित किए गए थे। हसन अली ने समा टीवी पर कहा, 'अगर हम खेलने के लिए भारत जा रहे हैं, तो उन्हें भी पाकिस्तान आना चाहिए। कई लोगों ने अनगिनत बार कहा है कि खेलों को राजनीति से दूर रहना चाहिए। लेकिन अगर आप इसे दूसरे नजरिए से देखें, तो कई भारतीय खिलाड़ियों ने साक्षात्कारों में कहा है कि वे पाकिस्तान में खेलना चाहते हैं। तो, इसका मतलब यह नहीं है कि टीम नहीं आना चाहती; वे निश्चित रूप से आना चाहते हैं। लेकिन जाहिर है, उनके पास विचार करने के लिए अपनी नीतियां, देश और बोर्ड हैं।' हसन ने आगे जोर देते हुए कहा, 'जैसा कि हमारे (पीसीबी) अध्यक्ष पहले ही कह चुके हैं, अगर चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान में होने वाली है, तो यह पाकिस्तान में ही होगी। अगर भारत नहीं आना चाहता है, तो हम उनके बिना खेलेंगे। पाकिस्तान में क्रिकेट खेला जाना चाहिए और अगर भारत भाग नहीं लेना चाहता है तो इसका मतलब यह नहीं है कि क्रिकेट खत्म हो गया है। भारत के अलावा कई अन्य टीमें भी हैं।' रिपोर्ट्स के मुताबिक राजनीतिक तनाव के कारण भारतीय क्रिकेट टीम आगामी टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं कर सकती है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद से अपने मैचों को श्रीलंका या दुबई में स्थानांतरित करने का अनुरोध करने पर विचार कर रहा है।

सीन नदी पर ओलंपिक उद्घाटन समारोह का विरोध कर रहे लोग

पेरिस (एजेंसी)। 26 जुलाई से शुरु हो रहे पेरिस ओलिम्पिक में इस बार उद्घाटन समारोह सीन नदी पर रखा गया है। जिसको लेकर आयोजन समिति विवादों में आ गयी है। कुछ संगठनों ने इसका विरोध करना शुरु कर दिया है। उनका कहना है कि ये नदी बेहद प्रदूषित है ओर इस प्रकार खिलाड़ियों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। ये पहली बार है जब ओलंपिक का उद्घाटन समारोह किसी नदी (सीन) पर होना है। इस दौरान विभिन्न नाव पर सवार 10,500 एथलीट, कोच, नेता और कर्मचारी नाव परेड के रूप में पेरिस के मध्य से साढ़े 3 मील की दूरी तय करते हुए जार्डिन डेस प्लांटिस के पास ऑस्टर्लिट्ज ब्रिज से होते हुए ट्रोकाडेरो में एफिल टॉवर के सामने इनेना ब्रिज पर रुकेंगे। विरोध का कारण ये है कि यह नदी बीते कुछ सालों से अत्यधिक प्रदूषित हुई है। वहीं सरकार यह दावा है कि नदी को साफ करवा दिया गया है। इसमें 2 ओलिम्पिक इवेंट मैराथन स्विमिंग और ट्रायथलॉन करवाने की रूपरेखा बना चुकी है। वहीं विरोध कर रहे संगठनों का दावा है कि प्रबंधन अनूठा करने के चक्कर में खिलाड़ियों की सेहत को खतरे में डाल रहा है। ओलिम्पिक इवेंट नदी में नहीं हो इसके लिए वह मानव मल तक नदी में फेंकने के लिए भी तैयार हैं। ऐसे में फ्रांस सरकार की मुश्किलें बढ़ रही है। वह यह ओलंपिक परेड को सबसे बड़े स्टेडियम स्टेड डी फ्रांस में करवाने की वैकल्पिक योजना पर भी काम कर रही है लेकिन उनकी प्राथमिकता अभी भी सीन नदी पर परेड करवाने की है, जिससे विरोध होने का खतरा और बढ़ गया है। पेरिस शहर की मेयर ऐनी हिडल्गो ने इसमें तैरकर इसे सुरक्षित बताने का प्रयास किया था लेकिन लोग इससे सहमत नहीं हैं।

भारत को टी20आई द्विपक्षीय सीरीज के लिए आमंत्रित करेगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी 2025 में भारत को तटस्थ स्थल पर टी20आई द्विपक्षीय सीरीज के लिए आमंत्रित कर सकते हैं। हालांकि बोर्ड (पीसीबी) चैंपियंस ट्रॉफी के मैचों को पाकिस्तान से बाहर स्थानांतरित करने की अनुमति नहीं देने पर अड़ा हुआ है। पीसीबी सूत्रों ने यह भी बताया कि नकवी 2025 के दौरान भारत को तटस्थ स्थल पर टी20 सीरीज के लिए आमंत्रित करेंगे, जब यह 19-22 जुलाई को श्रीलंका के कोलंबो में होने वाले आईसीसी वार्षिक सम्मेलन में बीसीसीआई सचिव जय शाह से मिलेंगे।

पीसीबी सूत्र ने कहा, %मोहसिन नकवी और जय शाह (बीसीसीआई सचिव) की बैठक के दौरान इस प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी, जिसमें चैंपियंस ट्रॉफी के बाद दोनों टीमों के खाली दिनों के दौरान मैच संभावित रूप से निर्धारित किए जाएंगे।% यह चर्चा वार्षिक सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होने जा रही है। एजेंडे में चैंपियंस ट्रॉफी के मैचों को किसी तटस्थ स्थान पर स्थानांतरित करने की संभावना शामिल है, खासकर भारत सरकार और बीसीसीआई द्वारा उठाई गई चिंताओं के बाद, जिसमें संकेत दिया गया था कि सुरक्षा और राजनीतिक चिंताओं के कारण मेन-इन-ब्लू को पाकिस्तान की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

पाकिस्तान ने कहा है कि वह सुनिश्चित करेगा कि भारतीय क्रिकेट टीम के सभी मैच (सीटी) लाहौर में खेले जाएं और भारतीय टीम पूरी श्रृंखला के दौरान एक ही होटल में रुकेगी। इसने यह भी कहा कि एक शहर में होने से मेहमान टीम को पूरी सुरक्षा प्रदान करना आसान हो जाएगा। इसके अलावा पीसीबी ने हाल ही में घोषणा की कि उसने लाहौर में गद्दाफी क्रिकेट स्टेडियम के बगल में एक 5-सितारा होटल बनाने के लिए जमीन खरीदी है। सूत्रों ने खुलासा किया कि पीसीबी ने होटल का निर्माण खुद करने की योजना बनाई है और अगले साल की शुरुआत तक निर्माण पूरा करने की योजना है। पीसीबी के सूत्रों ने कहा कि नवनिर्मित 5-सितारा होटल टीमों को दूर के होटलों में ठहरने की जरूरत को खत्म कर देगा जिससे सुरक्षा के लिए सड़क बंद होने की समस्या खत्म हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि कोलंबो में आईसीसी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान पीसीबी प्रमुख और जय शाह की भी मुलाकात होने की उम्मीद है।

सूत्रों ने कहा कि नकवी शाह को भारतीय टीम को पाकिस्तान भेजने के लिए मनाने की कोशिश करेंगे। हालांकि बीसीसीआई नहीं बल्कि भारत सरकार ही इस पर अंतिम फैसला लेगी। भारतीय क्रिकेट टीम ने पिछले साल एशिया कप के लिए पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था, जिसके कारण मैच श्रीलंका में आयोजित किए गए थे। भारत और पाकिस्तान ने 2012 के बाद से कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली है,

एनसीए के नये प्रमुख बन सकते हैं विक्रम राठौर, सितंबर में समाप्त हो रहा लक्ष्मण का कार्यकाल

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर अब बैंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) के नए प्रमुख बन सकते हैं । टी20 विश्वकप के साथ ही उनका बल्लेबाजी कोच के रुप में अनुबंध समाप्त हो गया था । वर्तमान एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण का कार्यकाल सितंबर में समाप्त हो रहा है और वह इसे आगे नहीं बढ़ाना चाहते हैं। बीसीसीआई सचिव जय शाह के श्रीलंका से लौटने के बाद एनसीए एनसीए के नये प्रमुख की घोषणा होगी । इससे पहले बीसीसीआई सचिव जय शाह लक्ष्मण से बात करेंगे । राठौर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान छह टेस्ट और सात एकदिवसीय खेले है । वह अगस्त 2019 में बल्लेबाजी कोच बने थे । नवंबर 2021 में राहुल द्रविड़ के भारतीय टीम के मुख्य कोच बनने के बाद भी उन्हें बल्लेबाजी कोच के रूप में बनाये रखा गया । वहीं माना जा रहा है कि लक्ष्मण आईपीएल टीम लखनऊ सुपरजायंट्स के साथ जुड़ सकते हैं । वह फैंचाईजी की कोचिंग स्टाफ में शामिल हो सकते हैं ।

शमी बोले, धोनी से पता चला कब खेल को कहना चाहिये अलविदा

मुम्बई । भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कहा है कि जब टीम से बाहर किये जाने की संभावना दिखने लगे तो संन्यास ले लेना ही सही रहता है । शमी ने कहा कहा कि पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी से ये बात उन्हे पता चली । शमी ने आगे कहा, मैंने जब धोनी से पूछा कि एक खिलाड़ी को कब संन्यास लेना चाहिए । तो उन्होंने कहा कि खेल से बोर होने और निकाले जाने की संभावना जब लगने लगे तो संन्यास लेना ही बेहतर रहता है । इसके अलावा जब आपको खेलते समय आनंद नहीं आता है तो भी ये एक संकेत है कि आपका सही समय आ गया है। बेहतर होगा कि आप संन्यास के लिए सबसे अच्छा समय चुनें क्योंकि अगर आप किसी विशेष प्रारूप को बनाए नहीं रख सकते हैं तो आपका शरीर आपको बताना शुरू कर देता है। यही वह समय है जब एक खिलाड़ी को मान लेना चाहिये कि अब अलविदा कहना ही सही रहेगा । हाल में टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के बाद रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविन्द जडेजा ने टी20 प्रारुप से संन्यास ले लिया था । गौरतलब है कि धोनी विश्व के महान विकेटकीपर बल्लेबाजों में से एक माने जाते हैं और खेल के तीनों ही प्रारुपों में उनका शानदार प्रदर्शन रहा है । अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों में धोनी ने 44.96 की औसत से 17,266 रन बनाए, जिसमें 16 शतक और 108 अर्धशतक शामिल हैं, जिसमें 224 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है ।

पेरिस ओलंपिक 2024 : भारतीय तीरंदाजी दल में 'दागी' फिजियो की मौजूदगी पर विवाद

पेरिस (एजेंसी)। ओलंपिक एक्रिडिटेशन नहीं मिलने के कारण मुख्य कोच कोरिया के बाक वूंग के यहां से लौटने के बाद भारतीय तीरंदाजी दल 'दागी' फिजियो की मौजूदगी के कारण एक बार फिर से विवादों में फंस गया है। भारतीय तीरंदाजी दल में वूंग और द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता हाई परफार्मेंस निदेशक संजीव सिंह को एक्रिडिटेशन नहीं मिला।

भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) के एक शीर्ष अधिकारी ने खुलासा किया कि इन दोनों की जगह फिजियो अरविंद यादव को दल में शामिल किया गया है। यादव पर पिछले साल नवंबर में आयरलैंड के लिमरिक में युवा विश्व चैंपियनशिप के दौरान कनाडा की एक किशोर खिलाड़ी के साथ अनुचित व्यवहार का आरोप लगा था। इस अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, 'विश्व तीरंदाजी प्रतियोगिता प्रबंधक थॉमस ऑबर्ट की शिकायत के अनुसार, यादव ने सोशल मीडिया पर कनाडा की एक किशोर तीरंदाज के साथ अनुचित व्यवहार किया था।'

यादव से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'यह मुझे बदनाम करने की साजिश है। ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है। तब एएआई ने मेरे खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की? अगर ऐसा था तो किसी तीरंदाज को मेरी नियुक्ति पर आपत्ति क्यों नहीं की।' एएआई सूत्र ने दावा किया कि यादव संस्था के महासचिव वीरेंद्र सचदेवा के बहुत करीबी हैं। उन्होंने कहा, 'जब भी कोई शीर्ष प्रतियोगिता होती है तो वह इस तरह से दल में जगह बना लेता है। वह रियो ओलंपिक में भी दल में शामिल था। वह पिछले साल एशियाई खेलों के दौरान टीम के साथ नहीं था।'

सूत्र ने कहा, 'इस बार भी वह तीन महीने पहले ही राष्ट्रीय शिविर से जुड़ा और उसे एक्रिडिटेशन मिल गया। एएआई चाहता तो उसके नाम को हटा कर मुख्य कोच को दल में शामिल कर सकता था।' एएआई अध्यक्ष अर्जुन मुंडा ने दागी फिजियो के बारे में बात करने से इनकार कर दिया।

यादव को शामिल किए जाने और पिछले साल की घटना के बारे में पूछे जाने पर मुंडा ने कहा, 'आप इसे क्यों उछाल रहे हैं? इस समय इसके बारे में बात न करें। अब एक और विवाद पैदा न करें।' मुंडा ने जोर देकर कहा कि तीरंदाज ही उन्हें सहयोगी स्टाफ का हिस्सा बनाना चाहते थे। मुंडा ने कहा, 'यह एक मुश्किल निर्णय है जो खिलाड़ियों की सुविधा और वे टीम में किसे चाहते हैं इस पर निर्भर करता है और महासंघ इसे प्राथमिकता देता है। एएआई इसमें हस्तक्षेप नहीं करता है, हम टीम में किसी को मजबूर नहीं करना चाहते हैं।'

रोहित और ऋषभ हैं द्रविड़ और धोनी के प्रशंसक

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा जहां भारत के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ का काफी सम्मान करते हैं । वहीं टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को अपना आदर्श मानते हैं । रोहित ने कह कि द्रविड़ से मेरा रिश्ता काफी पुराना है । मैंने पहली बार जब आयरलैंड के खिलाफ खेला था तो वह टीम के कप्तान थे । वह हम सभी के लिए एक आदर्श रहे हैं । हमने देखा है कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से और टीम के लिए क्या हासिल किया है । वह हमें कठिन हालातों से बाहर निकालते रहे हैं । पूरे करियर में उनका दृढ़ संकल्प कुछ ऐसा था जिसे मैं सीखना चाहता था जब वह एक कोच के रूप में आए थे । तो ये टीम के लिए काफी अच्छा साबित हुआ । उनके मार्गदर्शन में हमने काफी सफलताएं हासिल की हैं । वहीं ऋषभ ने धोनी की प्रशंसा करते हुए कहा, धोनी न केवल मैदान पर, बल्कि मैदान के बाहर भी हमेशा मेरा समर्थन और मार्गदर्शन करने के लिए मौजूद रहते हैं । जब भी किसी प्रकार का संशय होता है तो वह मुझे अपनी विचार प्रक्रिया विकसित करने के लिए प्रेरित करते हैं । द्रविड़ का कोच के तौर पर कार्यकाल समाप्त हो गया है । वहीं धोनी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद अब केवल आईपीएल में खेलते हैं ।

निराशा को पीछे छोड़कर दमदार प्रदर्शन के लिए तैयार है ये हॉकी खिलाडी

नई दिल्ली । भारतीय हॉकी खिलाड़ी सुखजीत सिंह छह साल पहले की निराशा को पीछे छोड़कर 26 जुलाई से शुरू होने वाले ओलंपिक में टीम के लिए दमदार प्रदर्शन करने को लेकर प्रतिबद्ध है । सुखजीत का दाहिना पैर पीठ की चोट के कारण अस्थायी रूप से लकवाग्रस्त हो गया था । भारत के लिए 2022 में पदार्पण करने वाले अग्रिम पंक्ति के इस खिलाड़ी ने हॉकी इंडिया से जारी विज्ञप्ति में कहा, 'ओलंपिक में खेलना हमेशा से मेरे और मेरे परिवार के लिए एक सपना रहा है । यह किसी भी खिलाड़ी के करियर का शिखर है और मैं इस अवसर को पाकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं । उन्होंने कहा, 'मुझे विश्वास है कि मेरी कड़ी मेहनत और समर्पण सफल होगी । मैं अपनी भूमिका को प्रतिबद्धता के साथ पूरा करने के साथ पेरिस में अपना सब कुछ झोककर कोच और टीम के विश्वास पर खरा उतरने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं । जालंधर में जन्मे सुखजीत ने पिता अजीत सिंह (पंजाब पुलिस के पूर्व हॉकी खिलाड़ी) से प्रेरित होकर छह साल की उम्र में हॉकी खेलना शुरू किया था । अच्छी शुरुआत के बावजूद सीनियर भारतीय टीम में उनकी राह आसान नहीं थी । सुखजीत को 2018 में सीनियर टीम के लिए मुख्य संभावित शिविर में शामिल किया गया था, लेकिन पीठ की गंभीर चोट के कारण उनका दाहिना पैर अस्थायी रूप से लकवाग्रस्त हो गया था । सुखजीत ने कहा, 'वह अवधि मेरे जीवन के सबसे कठिन समयों में से एक थी ।

दो-तीन साल से महिला हॉकी टीम कर रही सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन : स्नेह राणा

मुंबई । रोहित शर्मा एंड कंपनी के हाल में टी20 विश्व कप ट्रॉफी जीतने से भारतीय महिला टीम को भरोसा मिला है कि वे अपनी पहली आईसीसी ट्रॉफी जीतने की मुहिम जारी रखेंगे । यह कहना है स्पिन आल राउंडर स्नेह राणा का । स्नेह राणा ने कहा, 'अगर आप पिछले दो-तीन साल में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का प्रदर्शन देखो तो टीम अपना सर्वश्रेष्ठ कर रही है । आईसीसी ट्रॉफी जीतने की बात करें तो पुरुष टीम का उदाहरण देखिए, उन्हें ट्रॉफी जीतने में लगभग 10 साल लगे । वे लंबे समय से मेहनत और तैयारी कर रहे थे । उन्होंने कहा, 'कुछ बड़ा हासिल करना है तो यह रातोंरात नहीं होगा। इसमें समय लगेगा । इसके लिए काफी संघर्ष और बलिदान लगेगा । लेकिन अंत में हम ऐसा करेंगे । क्षेत्ररक्षण टीम के लिए चिंता का विषय रहा है लेकिन उनका कहना है कि इसमें सुधार करने के लिए जज्बे में कोई कमी नहीं हुई है। 2014 में पदार्पण करने वाली स्नेह राणा ने कहा, 'जब हम इतने मैच खेलते हैं तो गलतियों का काफी अधिक मौका होता है । लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कोई खिलाडी इसमें खराब है । निश्चित रूप से जब आप मैदान पर होते हो तो आप अपने देश के लिए सर्वश्रेष्ठ करना चाहते हो भारत के लिए 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय और 27 वनडे खेलने वाली स्नेह राणा ने कहा, 'जहां तक आईसीसी ट्रॉफी का संबंध है तो हम जितने ज्यादा मैच खेलेंगे, उतने ही अनुभवी बनेंगे । स्नेह राणा को एशिया कप अभियान के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है और उनके सामने सफेद गेंद की टीम में अपना स्थान हासिल करने की चुनौती है । उन्होंने कहा, 'जब मुझे टीम में शामिल नहीं किया गया तो मैं थोड़ी निराश हो गयी थी । आप भारत के लिए खेलना चाहते हो, भले ही यह टेस्ट क्रिकेट हो या फिर सफेद गेंद का क्रिकेट । बता दें कि भारतीय टीम शुक्रवार से श्रीलंका में शुरू हो रहे महिला एशिया कप में फिर खिताब बरकरार रखने की दावेदार है और टीम की असली परीक्षा अक्टूबर में टी20 विश्व कप और अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप में होगी ।

नीरज चोपड़ा की चोट पर कोच बार्टोनिट्ज ने दिया अपडेट, कहा- अब ठीक है, कड़ी ट्रेनिंग कर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय स्टार नीरज चोपड़ा के जर्मन कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज ने उनकी फिटनेस को लेकर सभी चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि पिछले कुछ महीने से इस भाला फेंक एथलीट को परेशान करने वाली जांघ (एडक्टर) की चोट अब ठीक है और यह ओलंपिक चैम्पियन पेरिस के लिए कड़ी तैयारियों में जुटा है।

तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण जीतकर इतिहास रचने वाले 26 वर्षीय चोपड़ा 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में शीर्ष पोडियम स्थान के लिए एक बार फिर देश की सर्वश्रेष्ठ दावेदार हैं। लेकिन फिटनेस देखी जाये तो उनका सत्र बिल्कुल सही नहीं रहा है। हालांकि बार्टोनिट्ज ने कहा कि अब चीजें पटरी पर आ गई हैं। उन्होंने कहा, 'सब कुछ योजना के अनुसार है। फिलहाल जांघ की चोट की कोई समस्या नहीं है, यह ठीक है। उम्मीद है कि ओलंपिक तक ऐसा ही रहेगा।'

बार्टोनिट्ज करीब पांच साल से चोपड़ा से जुड़े हैं। उन्होंने तुर्किये के अंताल्या से विशेष साक्षात्कार में बताया, 'ओलंपिक में अभी दो हफ्ते से अधिक समय बचा है इसलिए ट्रेनिंग का स्तर बढ़ा दिया गया है। वह पूरा 'थ्रोइंग' सत्र कर रहे हैं।' चोपड़ा ने 28 मई को एहतियातन ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक से हटने का फैसला किया था क्योंकि उन्हें जांघ में कुछ दर्द महसूस हुआ था। उन्होंने 18 जून को फिनलैंड में पावो नूरमी खेलों में 85.97 मीटर की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीतकर जोरदार वापसी की। फिर चोपड़ा ने सात जुलाई को पेरिस डायमंड लीग में भी नहीं खेलने का फैसला किया और कहा कि यह प्रतियोगिता उनके कैलेंडर का हिस्सा नहीं थी।'

पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा छह अगस्त को क्वालीफिकेशन दौर से शुरू होगी जिससे अभी इसे शुरू होने में दो हफ्ते हैं। जब बार्टोनिट्ज से चोपड़ा की ट्रेनिंग कार्यक्रम के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'हम सुबह में 'स्प्रिंटिंग', 'जंपिंग' या 'थ्रोइंग' या 'वेटलिफ्टिंग' के सत्र रखते हैं। सुबह और शाम दो सत्र होते हैं जिसमें प्रत्येक दो से ढाई घंटे तक का होता है।'

उन्होंने कहा कि चोपड़ा का तरीका तोक्यो ओलंपिक से पहले अपनाये गये तरीके जैसा ही है जिसमें वह टूर्नामेंट के बजाय ट्रेनिंग पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं और वह अपने 'थ्रोइंग' पर दबाव कम करने के लिए अपनी 'ब्लॉकिंग' करने वाले पैर को मजबूती देने पर भी काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'सामान्यतः भाला फेंकना 'ब्लॉकिंग' (तेजी से भागते हुए अच्छी तरह रूककर भाला फेंकना) पर निर्भर करता है। भागते हुए आप जितनी अधिक ऊर्जा से आएंगे, उतना ही बेहतर होगा।'

इस सत्र में शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ियों में से किसी ने भी असाधारण प्रदर्शन नहीं किया है और बार्टोनिट्ज ने हमेशा की तरह कहा कि वह चोपड़ा की पदक की संभावनाओं की भविष्यवाणी नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, 'ओलंपिक में काफी कुछ दांव पर लगा होता है और काफी दबाव होता है जिससे कुछ भी हो सकता है। आंकड़ों के आधार पर पदक का अनुमान लगाना मुश्किल है।'

कोच ने कहा, 'सभी शीर्ष एथलीट अपनी सर्वश्रेष्ठ तैयारी कर रहे हैं। वे पेरिस में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं और पदक जीतना चाहते हैं। उनकी तरह ही हम भी दावा कर सकते हैं कि नीरज जीत सकते हैं। पर पदक जीतने की संभावना पक्षपातपूर्ण हो सकती है जिसमें गड़बड़ी भी हो सकती है।% इस साल सिर्फ जर्मनी के मैक्स डेहिंग ही 90 मीटर से अधिक भाला फेंकने वाले एकमात्र एथलीट हैं।

यमन में किया पहला एयर स्ट्राइक, आग का गोला बने ठिकाने

होदेदा, यमन। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने तेल अवीव में घातक ड्रोन हमला किया। इसके जवाब में इजरायली लड़ाकू विमानों ने हूती के कब्जे वाले यमनी बंदरगाह होदेदा में हमला किया। इसमें हमले में वहां के तेल भंडार में आग लग गई और तीन लोगों की मौत हो गई। यमन के इस बड़े बंदरगाह पर किए गए हमलों से भयंकर आग लग गई और काले धुएं का गुबार उठने लगा। अरब प्रायद्वीप के सबसे गरीब देश में इजरायल द्वारा किया गया यह पहला हमला है, जो उससे लगभग 2,000 किलोमीटर (1,300 मील) दूर है।इजरायली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा कि 'इजरायली नागरिकों के खून की कीमत होती है, जो कि चुकानी पड़ती है।' उन्होंने कहा कि 'अगर हूती हम पर हमला करने की हिम्मत करते हैं, तो उनके खिलाफ और भी अभियान चलाए जाएंगे।' गैलेंट ने कहा कि होदेदा हमले मध्य पूर्व के आसपास के अन्य ईरान समर्थित हथियारबंद समूहों के लिए भी एक चेतावनी है, जिन्होंने गाजा युद्ध के दौरान इजरायल पर हमले करने का दावा किया है।उन्होंने कहा कि 'होदेदा में जो आग अभी जल रही है, वह पूरे मध्य पूर्व में देखी जा रही है और इसका महत्व साफ है।'जबकि हूती विद्रोहियों द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने हूती मीडिया में दिए गए एक बयान में कहा कि इजरायली हमलों में तीन लोग मारे गए और 87 घायल हो गए। मंत्रालय ने पहले कहा था कि घायलों में से अधिकांश गंभीर रूप से जल गए थे। वहीं इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक टेलीविजन संबोधन में चेतावनी दोहराई। उन्होंने कहा कि 'जो कोई भी हमें नुकसान पहुंचाएगा, उसे आपने हमले की बहुत भारी कीमत चुकानी होगी।

अफ़ग़ानिस्तान के लोहा बाजार में विस्फोट, दो की मौत, छह घायल

काबुल। पूर्वी अफगानिस्तान के परवान प्रांत में एक विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और छह घायल हो गए। बताया जा रहा है यह विस्फोट एक बाजार में हुआ। पुलिस ने घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया और मामले की जांच में जुट गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रांतीय पुलिस के प्रवक्ता फजल रीम मस्किन यार ने बताया कि यह घटना शनिवार दोपहर को परवान की प्रांतीय राजधानी चरिकर शहर के एक लोहा बाजार में हुई। घटना की जांच की जा रही है और संभावित परिणाम जनता के सामने लाए जाएंगे। अफगानिस्तान दुनिया के सबसे ज्यादा बारूदी सुरंग-दूषित देशों में से एक है, जहां पिछले चार दशकों के युद्धों के बाद बचे हुए गैर-विस्फोटक आयुध और बारूदी सुरंगें बड़ी संख्या में लोगों की जान ले लेती हैं, जिनमें ज्यादातर बच्चे या महिलाएं होती हैं।

बोलीविया में मालवाहक ट्रक बस से टकराया, 16 की मौत, 14 घायल

ला पाज़। बोलीविया को चिली से जोड़ने वाले अंतरराष्ट्रीय राजमार्ग पर एक सड़क दुर्घटना में 16 लोगों की मौत हो गई और 14 गंभीर रुप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उनका इलाज किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ला पाज़ यातायात परिचालन संगठन के दुर्घटना प्रभाग के निदेशक निल्तो टोरिको ने कहा कि बोलीविया लौट रहा एक मालवाहक ट्रक चिली के अरिका क्षेत्र की ओर जा रही यात्री बस से टकरा गया। यह घटना इतनी जोरदार थी कि उसकी आवाज़ काफी दूर तक सुनाई दी। इस हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। घायलों में सात महिलाओं और सात पुरुषों हैं जिन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि मालवाहक वाहन का चालक विपरीत लेन में चला गया और बस से टकरा गया। घटना में दोनों वाहन चालकों की मौत हो गई। पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

नदी में बही दो बसों और यात्रियों की तलाश करने नेपाल ने मांगी भारत से मदद

काठमांडु। नेपाल में पिछले सप्ताह बारिश के चलते उफनती नदी के बहाव में दो बस लापता हो गई थी। इस हादसे में लापता हुए कई यात्रियों और दो बसों की तलाश के लिए भारत से बचाव कर्मियों का 12 सदस्यीय दल शनिवार को नेपाल पहुंचा। नेपाली अधिकारियों के अनुरोध पर यह दल चितवन पहुंचा था। नेपाल के अधिकारियों ने 12 जुलाई को भूस्खलन के बाद त्रिशूली नदी में बही बसों की तलाश के लिए भारत से मदद मांगी थी। नारायणघाट-मुग्लिन सड़क पर 65 यात्रियों को ले जा रही बसों के हादसे के शिकार होने और त्रिशूली नदी में बह जाने के बाद 19 शव बरामद किए गए हैं। तीन यात्री किसी तरह बस से बाहर निकलने में सफल हो गए थे और तैरकर किनारे पर पहुंच गए थे।

महिलाओं को फोन कर बुलाता फिर कर देता बेरहमी से हत्या, अब तक 42 की हत्या की

नैरोबी। केन्या की राजधानी नैरोबी में सीरियल किलर के घर से अजीबो गरीब चीजें बरामद हुई हैं। वहीं सीरियल किलर ने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया है जो सुनने के बाद होश उड़ जाएंगे और डर लगने लगेगा है। पुलिस के मुताबिक कॉलिन्स जुमैसी खालुशा को लोग पिशाच कहते हैं। 33 साल के इस आरोपी ने अब तक कम से कम 42 महिलाओं की बेरहमी से हत्या की है जिसमें उसकी पत्नी भी शामिल है। वह हत्या के बाद महिलाओं के शव की दुर्दशा कर देता था और फिर उसे नाइलॉन की बोरी में पैककर देता था। आरोपी पुलिस थाने के पास रुलम क्षेत्र में इन लाशों को फेंक देता था। तलाशी के दौरान उसके घर से बांका, रबर के दस्ताने, सेलोटेप और लाइलॉन की बोरी मिली है। केन्या में इस समय लिंग आधारित हिंसा और राजनीतिक उथल-पुथल जारी है। ऐसे में विपक्षी दलों का कहना है कि सरकार प्रमुख मुद्दों से ध्यान भटकाने इस तरह के मामले को तूल दे रही है। नैरोबी के एक रुलम में जब नौ कंकाल मिले तब छानबीन शुरू हुई। यहां स्थानीय लोग कूड़ा फेंकते थे। उसमें खालुशा शवों को फेंक जाता था। इसके बाद पास ही रहने वाले खालुशा ने माना कि वह महिलाओं को लालच देता है और फिर उनकी हत्या कर फेंक देता था। खालुशा ने 2022 से अब तक 42 महिलाओं की हत्या की जिसमें उसकी पत्नी भी शामिल है। खालुशा के घर से पुलिस को कई सारे मोबाइल फोन, आई कार्ड, नाइलॉन के बोरे मिले हैं। खालुशा की शिकार हुई महिलाओं में 26 साल की जोसेफीन ओविनो भी थी। एक दिन उन्हें एक फोन आया और इसके बाद वह लापता हो गईं। उनकी बहन पैरिस केया ने उनको ढूंढना शुरू किया और फिर पता चला कि कूड़े के ढेर पर उनका शव मिला था। फॉरेंसिक जांच में पता चला कि कूड़े में ज्यादातर शवों के धड़ मौजूद थे लेकिन सिर गायब थे। केवल एक का पूरा शव मिला था। किसी भी शव पर गोलियों के निशान नहीं थे। एक का गला दबाकर मारा। लोगों का कहना है कि इतने दिनों में पुलिस एक भी लापता महिला की तलाश नहीं कर पाई और ना ही सीरियल किलर के बारे में पता लगा पाई। वहीं जहां शव फेंके जाते थे वह जगह पुलिस स्टेशन के पास ही है। खालुशा के वकील ने कोर्ट में कहा कि उसकी मानसिक स्थिति और स्वास्थ्य पर गौर करना चाहिए।

खैबर पख्तूनख्वा में पाकिस्तान सेना का विरोध, सड़कों पर उतरे लोग, आर्मी गो बैक के लगा रहे नारे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सीमावर्ती प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में सेना के खिलाफ लोगों ने बगावत कर दी है। 10 हजार से ज्यादा पश्तून लोग सड़कों पर उतर आए हैं। प्रदर्शनकारी आर्मी गो बैक के नारे लगा रहे हैं। लोगों का कहना है कि सेना ने इलाके में आतंक मचा रखा है। इससे क्षेत्र में अशांति है और इसी वजह से आतंकी हमले हो रहे हैं। खैबर इलाके में चलाए जा रहे मिलिट्री ऑपरेशन को पश्तून बंद करने की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी नेता जमालुद्दीन वजीर ने कहा है कि इलाके में 20 साल से आतंकवाद खत्म करने की मुहिम के नाम पर पाकिस्तानी सेना लोगों पर जुल्म कर रही है। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तानी सेना पर आरोप लगाया है कि वे आतंकवाद के नाम पर आम लोगों को परेशान कर रही है। बता दें कि शुक्रवार को आंदोलनकारियों के आर्मी कैंप घेरने पर सेना ने गोलीबारी की। इससे अब तक सात प्रदर्शनकारी की मौत हो चुकी है। वहीं, 30 घायल हैं। अब आतंकी आत्मघाती हमलों के अलावा रिमोट कंट्रोल और ड्रोन से भी हमले कर रहे हैं। साल के शुरुआती 4 महीनों में 179 आतंकी घटनाएं हो चुकी हैं। ज्यादातर सेना और पुलिसवालों को टारगेट बनाया गया है। स्थानीय सरकार ने हेल्थ इमरजेंसी लगा दी। सभी सरकारी और गैर सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों और पैरामेडिक्स सहित सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों को हाई अलर्ट पर रहने को कहा है।

गाजा में एक इमारत पर इजरायली हवाई हमले के बाद जबरदस्त धमाका हुआ।

तेल ठिकानों पर की बमबारी, कई की मौत

यरूशलेम। इजरायल की सेना ने कहा है कि उसने यमन में हौथी मिलिशिया से जुड़े ठिकानों पर बमबारी की है। एक दिन पहले ही हौथी सैन्य समूह ने इजरायल के तेल अवीव में ड्रोन से हमला कर एक व्यक्ति को मार डाला था। यमनी हौथी सैन्य समूह ने दावा किया है कि इजरायली हमले में यमन के लाल सागर बंदरगाह शहर होदेदाह में तेल भंडार और बिजली सुविधाओं को निशाना बनाया गया, और कई लोग मारे गए या घायल हुए हैं। हौथी समूह के अल-मसीरा टीवी ने शनिवार को ये जानकारी दी। इजरायली सेना ने एक बयान में कहा कि उसके लड़ाकू विमानों ने हौथी मिलिशिया के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने एक रिपोर्ट में कहा है कि हाल के महीनों में इजरायल के खिलाफ किए गए कई हमलों के जवाब में यह हमला किया गया। इससे पहले हौथी के शीर्ष वार्ताकार मोहम्मद अब्दुलसलाम ने कहा था इजरायली हमले हौथी सैन्य समूह को इजरायली शहरों और जहाजों को निशाना बनाने से नहीं रोक पाएंगे। हौथियों ने कहा है कि तेल अवीव में शुक्रवार को किया गया ड्रोन हमला गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों के समर्थन में किया गया था। इससे पहले, हौथियों ने गाजा के साथ एकजुटता दिखाने के लिए नवंबर 2023 से लाल सागर और अदन की खाड़ी में इजरायल से जुड़े जहाजों पर कई हमले किये है। जवाब में, अमेरिकी-ब्रिटिश नौसैनिक गठबंधन ने समूह को रोकने के लिए हौथी ठिकानों पर हमला किया, लेकिन इससे हौथी के हमले में कोई कमी नहीं आई। होदेदाह 2014 से हौथी समूह के नियंत्रण में है, जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को दक्षिणी और पूर्वी प्रांतों से बाहर कर दिया है। होदेदाह में स्थानीय लोगों ने कहा कि घटनास्थल पर काले धुएं मीलों दूर से देखे जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने लाल सागर के पास के क्षेत्र की घेराबंदी कर दी, जिसके बाद दमकल गाड़ियां और एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंच गईं।

133 मौत और 3000 से ज्यादा लोगों के घायल होने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने विवादित कोटा सिस्टम में किया बड़ा बदलाव

-बांग्लादेश में अब 93 प्रतिशत सरकारी नौकरियां मेरिट पर

ढाका (एजेंसी)। हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच 133 लोगों की मौत और 3000 से ज्यादा लोगों के घायल होने के बाद बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को सरकारी नौकरियों में कोटा सिस्टम बरकरार रखने के हाई कोर्ट के फैसले को रद्द कर दिया। हालांकि, शीर्ष अदालत ने आरक्षण की इस व्यवस्था को पूरी तरह से खत्म नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट ने कोटा सिस्टम को बरकरार रखने के हाई कोर्ट के आदेश को अवैध माना है। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में सरकारी नौकरियों में 93 फीसदी पद मेरिट के आधार पर भरने का आदेश दिया, वहीं 1971 मुक्ति संग्राम के स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों और अन्य श्रेणियों के लिए सिर्फ 7 प्रतिशत पद आरक्षित रखने को कहा।

बांग्लादेश में अब चले आ रहे कोटा सिस्टम के तहत 56 प्रतिशत सरकारी नौकरियां आरक्षित थीं। इनमें से 30 प्रतिशत 1971 मुक्ति संग्रामके सेनानियों के वंशजों के लिए, 10 प्रतिशत पिछड़े प्रशासनिक जिलों के लिए, 10 प्रतिशत महिलाओं के लिए, 5 प्रतिशत जातीय अल्पसंख्यक समूहों के लिए और 1 प्रतिशत विकलांग लोगों के लिए आरक्षित थीं। स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों को मिलने वाले 30 फीसदी आरक्षण के खिलाफ छात्र आंदोलनरत हैं। बता दें कि बांग्लादेश में हर साल करीब 3 हजार सरकारी नौकरियां ही निकलती हैं, जिनके लिए करीब 4 लाख कैंडिडेट अप्लाई करते हैं।

साल 2018 में इस कोटा सिस्टम के विरोध में बांग्लादेश में हिंसक छात्र आंदोलन हुआ था। शेख हसीना सरकार ने तब कोटा सिस्टम को निलंबित करने का फैसला किया था। मुक्ति संग्राम स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों ने सरकार के इस फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने पिछले महीने शेख हसीना सरकार के फैसले को रद्द कर दिया था और कोटा सिस्टम को बरकरार रखने का फैसला सुनाया था। अदालत के इस फैसले के बाद पूरे बांग्लादेश में हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। प्रदर्शनकारियों ने सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया, बसों और ट्रेनों में आगजनी की। हालात इतने बेकाबू हो गए कि हसीना सरकार को सड़कों पर सेना उतारनी पड़ी।

इब्राहिम इस्कंदर बने मलेशिया के 17वें सुल्तान, ताजपोशी में कई देशों के सुल्तान पहुंचे

-सुल्तान के पास 47.33 लाख करोड़ की संपत्ति, बेटा भारतीय सेना में रहा कैप्टन

कुआलालंपुर (एजेंसी)। मलेशिया में 17वें किंग इस्कंदर की ताजपोशी की गई। इब्राहिम की ताजपोशी का कार्यक्रम मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर के नेशनल पैलेस में हुआ। इब्राहिम इस्कंदर पांच साल तक मलेशिया के राजा रहेंगे। 1957 में ब्रिटेन से आजादी के बाद से मलेशिया में मलय राज्य के शासक बारी-बारी से पांच साल के लिए राजगद्दी पर बैठते आए हैं।

ताजपोशी समारोह में मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम के अलावा पड़ोसी देश ब्रुनेई के सुल्तान हसनल बोलकियाह और बहरीन के राजा हमद-बिन-इसा-अल-खलीफा भी मौजूद थे। किंग इस्कंदर ने सुनहरे धागों से सजा कोट और साफा पहना था। समारोह की शुरुआत में सुल्तान इस्कंदर ने और क्वीन रजा जरिथ सोफिया का मिलिट्री सैल्यूट से स्वागत किया गया। इसके बाद सुल्तान को इस्लाम की पाक किताब कुरआन दी गई। जिसे उन्होंने चूमा और फिर इस्कंदर महाराज की ताकत का प्रतीक सोने का खंजर दिया गया। पीएम अनवर ने सुल्तान के प्रति वफादारी की कसम खाई। इसके बाद इस्कंदर को देश का नया सुल्तान का ऐलान किया गया।

ताजपोशी के बाद इब्राहिम इस्कंदर ने संविधान का पालन करने, इस्लाम को आगे बढ़ाने और मलेशिया में शांति की शपथ ली। समारोह के अंत में तीन बार लॉन्ग लिव द किंग के नारे लगाए गए।

इससे पहले 31 जनवरी को इस्कंदर को मलेशिया का नया राजा बनाया गया था। सुल्तान इस्कंदर बाइक पर पूरे देश की यात्रा करने के लिए जाने जाते हैं। इसके जरिए वे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं जानते हैं। 65 साल के इस्कंदर जोहोर के शाही परिवार से आते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इनके पास 47.33 लाख करोड़ की संपत्ति है। सुल्तान इब्राहिम इस्कंदर के सबसे बड़े बेटे और मलेशिया के क्राउन प्रिंस टुंकू इस्माइल भारतीय सेना में कैप्टन भी रह चुके हैं।

रूस से समझौते को तैयार जेलेंस्की

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को दो साल से ज्यादा का समय हो चुका है। इस युद्ध में यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने अब रूस के साथ समझौता कर युद्ध विराम की इच्छा जाहिर की है। उन्होंने इसके लिए शांति शिखर सम्मेलन में प्रतिनिधिमंडल भेजने और बातचीत करने के संबंध में इशारा किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए दबे स्वर में इच्छा जताई और कहा कि रूस को अगले शांति शिखर सम्मेलन में एक प्रतिनिधिमंडल भेजना चाहिए। बताते चलें कि अगला शांति शिखर सम्मेलन नवंबर में स्विट्जरलैंड किए जाने की उम्मीद है। जानकारों की मानें तो जेलेंस्की के रुख में बड़ा बदलाव देखने को मिला है, जिसका कारण अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में आया बदलाव भी हो सकता है। गौरतलब है कि पिछले माह स्विट्जरलैंड में आयोजित शांति सम्मेलन में रूस को आमंत्रित नहीं किया गया था, क्योंकि जेलेंस्की ने तब कहा था कि कोई भी बातचीत रूसी सेना की पूरी तरह वापसी पर ही संभव हो सकती है।

रूस की दोस्ती का बदला ले रहा अमेरिका, भारत को नहीं दे रहा तेजस के इंजन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका कोई भी फैसला बिना किसी लाभ के नहीं करता है। ऐसा ही कुछ वह भारत के साथ कर रहा है। इसका असर रक्षा संबंधों में भी देखने को मिला है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका, भारत को तेजस में इस्तेमाल होने वाले जनरल इलेक्ट्रिक एफ404 इंजन देने में जानबूझ कर देरी कर रहा है। वह ऐसा इसलिए कर रहा है कि भारत रूस का बहुत अच्छा दोस्त है और हाल ही में पीएम मोदी रूस की यात्रा पर भी गई थे। वहां पीएम मोदी का जोरदार स्वागत किया गया था। इन सब बातों को लेकर वह भारत से बदलना लेना चाहता है। इंजन की डिलीवरी में देरी के कारण भारत में ही बनने वाले स्वदेशी तेजस एमके-1ए लाइन के उत्पादन में कमी आ रही है। इससे भारतीय वायुसेना स्क्वाड्रन बेड़े की ताकत को बनाए रखने में चुनौतियों का सामना कर रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय वायुसेना के रिटायर्ड अधिकारी ने कहा कि अगर अमेरिका, भारत के स्वदेशी युद्धक विमान तेजस के लिए जेट इंजन की आपूर्ति में पिछड़ता है तो अमेरिकी विश्वसनीयता दांव पर लग जाएगी और अनुबंध को खत्म भी किया जा सकता है। रिटायर्ड एयर मार्शल एम. माथेस्वरन ने कहा कि अमेरिकी एफ404 इंजन की आपूर्ति में देरी से भारतीय वायुसेना पर प्रभाव पड़ेगा क्योंकि तेजस एमके1 और तेजस एमके1ए के छह स्क्वाड्रन जल्द ही सर्विस में शामिल होने वाले हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना में पहले से ही स्क्वाड्रन की समस्या है। वर्तमान में, भारतीय वायुसेना 45 की जरुरत के मुकाबले 32 स्क्वाड्रन के साथ काम कर रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि यहां-वहां थोड़ी-बहुत देरी से कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा, लेकिन तेजस लड़ाकू विमान के अगली पीढ़ी के एमके2 संस्करण को शक्ति प्रदान करने वाले एफ414 इंजन भारत को मिलने चाहिए और यदि अमेरिकी ऐसा नहीं करता है, तो अनुबंध खतरे में पड़ जाएगा।

इजरायल ताकत का गलत इस्तेमाल कर रहा, जल्द अवैध कब्जों को छोड़े

-अंतरराष्ट्रीय कोर्ट ने कहा-कानूनों का उल्लंघन कर रहा है यहूदी देश

जेनेवा (एजेंसी)। गाजा में इजराइल और हमास के बीच जंग जारी है इस जंग में हजारों बेगुनाह फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं और सैकड़ों घायल हैं लेकिन फिर भी इजराइल राहत शिविरों को निशाना बनाने से बाज नहीं आ रहा है। इन सब के बीच अब अंतरराष्ट्रीय कोर्ट ने इजरायल को तगड़ा झटका दिया है। अंतरराष्ट्रीय कोर्ट ऑफ जस्टिस ने अपने फैसले में कहा है कि इजरायल का फिलिस्तीनी इलाकों पर कई दशकों से अवैध कब्जा है। इसे जल्द से जल्द खत्म किया जाना चाहिए। इजराइल ने 1967 में अरब देशों को हराने के बाद वेस्ट बैंक, पूर्वी यरुशलम और गाजा पट्टी पर कब्जा कर लिया था। कोर्ट ने ये टिप्पणी इन्हीं इलाकों को लेकर की है।

अंतरराष्ट्रीय कोर्ट ने कहा कि इजरायल अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल कर रहा है। फिलिस्तीनियों के अधिकारों को छीन लिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा इजरायल अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कर रहा है। उसे इन इलाकों पर इतने सालों तक कब्जा करने के कारण फिलिस्तीनियों को मुआवजा देना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय कोर्ट के पीठासीन न्यायाधीश नवाफ सलाम ने कहा इजरायल को अपना कब्जा छोड़ देना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय कोर्ट ऑफ जस्टिस का ये फैसला एक सलाह है। इसे मानने के लिए इजरायल को मजबूर नहीं किया जा सकता। हालांकि संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीनी राजदूत रियाद मंसूर ने इस फैसले पर खुशी जताते हुए कोर्ट का शुक्रिया अदा किया है। वहीं, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस फैसले को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि यहूदी लोगों ने फिलिस्तीनियों की जमीन पर कब्जा नहीं किया है।

हमास के साथ जंग के बीच अब हिजबुल्लाह और हूति विद्रोही, इजरायल पर हमले कर रहे हैं। तेल अवीव में जबरदस्त विस्फोट हुआ, जिसमें एक की मौत हो गई। कम से कम 10 लोग घायल हुए हैं। इस दौरान कई इमारतों को भी नुकसान हुआ है। इस हमले के बाद सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद कर दिया गया। हूति विद्रोहियों ने कई बार इजरायल को गाजा में हमले बंद करने की चेतावनी दी है। इन हमलों से साफ है कि आने वाले दिनों में वह इजरायल की मुश्किलें बढ़ा सकते हैं। इसी बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में रफाह क्रॉसिंग का दौरा किया और पूरे गाजा-मिस्र सीमा पर इजरायल के नियंत्रण को बनाए रखने की बात कही है। उन्होंने कहा कि युद्ध विराम समझौता होने के बाद भी मिस्र और गाजा के सीमा पर मौजूद रफाह क्रॉसिंग पर इजरायल का कब्जा बना रहेगा।

चमत्कार: ट्रंप ने एक चौथाई इंच से भी कम दूरी से मौत को चकमा दिया

वॉशिंगटन (एजेंसी)। रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प के सिर में गोली घुसने से एक चौथाई इंच से भी कम दूरी पर निकल गई और उनके दाहिने कान के ऊपर लगी, जिससे 2 सेमी चौड़ा घाव हो गया जो कान की कार्टिलाजिनस सतह तक फैल गया। खुद डॉक्टर मानकर चल रहे हैं कि ये किसी चमत्कार से कम नहीं है। पूर्व डॉक्टर डॉ. रोनी एल जैक्सन ने कहा कि वह और पूरी दुनिया, ट्रंप पर हत्या के प्रयास के बाद उनके स्वास्थ्य के बारे में बहुत चिंतित थे। मैं उस शाम देर से बेडमिंस्टर, न्यू जर्सी में उनसे मिला, ताकि व्यक्तिगत रूप से उनका

हालचाल जान सकूं। उसके बाद से मैंने प्रतिदिन उनके घाव का मूल्यांकन और उपचार किया है। डॉक्टर ने कहा, वह ठीक हैं। जैसा कि पूरी दुनिया ने देखा कि हत्यारे की उच्च शक्ति वाली राइफल से ट्रंप के दाहिने कान में गोली लगी। डॉ. जैक्सन ने बताया कि गोली उनके सिर में घुसने से एक चौथाई इंच से भी कम दूरी पर निकल गई और उनके दाहिने कान के ऊपर लगी, जिससे 2 सेमी चौड़ा घाव हो गया जो कान की कार्टिलाजिनस सतह तक फैल गया।

गोली के घाव से उम्मीद के मुताबिक ठीक हो रहे हैं। ट्रंप के पूर्व डॉक्टर ने यह जानकारी दी। डोनाल्ड ट्रंप पर 13 जुलाई को पेंसिल्वेनिया में रैली के दौरान जानलेवा हमला हुआ था उस हमले में ट्रंप बाल-बाल बचे थे और गोली उनके दाहिने कान को छूकर निकल गई थी। ट्रंप के पूर्व डॉक्टर ने बताया कि जानलेवा हमले में ट्रंप का बचना किसी चमत्कार से कम नहीं है क्योंकि उन्होंने महज एक चौथाई इंच से भी कम की दूरी से मौत को चकमा दिया। उन्होंने कहा कि शुरू में काफी रक्तस्राव हुआ और उसके बाद पूरे ऊपरी कान में सूजन आ गई। अब सूजन ठीक है और घाव भी ठीक हो रहा है। ट्रंप के सिर का सीटी स्कैन किया गया था और आगे भी उनकी हालत पर लगातार नजर रखी जाएगी। खासकर ट्रंप के सुनने की क्षमता की जांच होती रहेगी। डॉक्टर जैक्सन ने कहा कि मैं बेहद आभारी हूं कि जानलेवा हमले में उनकी जान बच गई और ये एक चमत्कार से कम नहीं है।

बाइडन की तबीयत में आ रहा सुधार

कोरोना संक्रमित अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन की तबीयत में तेजी से सुधार आ रहा है और वह राष्ट्रपति पद के कर्तव्यों को भी पूरा कर रहे हैं। व्हाइट हाउस के डॉक्टर केविन सी ओ कॉनर ने बताया कि राष्ट्रपति बाइडन कोरोना के वैरिएंट केपी .2.3 से संक्रमित हैं और इसी वैरिएंट से अमेरिका में 33 प्रतिशत संक्रमण के नए मामले सामने आए हैं। डॉक्टर ने बताया कि राष्ट्रपति बाइडन पैक्सलोविड नामक दवाई खा रहे हैं। अभी उन्हें खांसी और गला बैठने जैसी समस्या हो रही है, लेकिन उनके लक्षणों में लगातार सुधार हो रहा है। बता दें कि बाइडन को 17 जुलाई को कोरोना संक्रमित पाया गया था। जब राष्ट्रपति चुनाव के लिए चुनाव प्रचार जोर-शोर से जारी है और बाइडन की उम्मीदवारी पर सवाल खड़े हो रहे हैं, ऐसे में बाइडन कोरोना की वजह से आइसोलेट हैं और फिलहाल अपने डेलावेयर स्थित अपने घर पर आराम कर रहे हैं।

गुजरात में चांदीपुरा वायरस का कहर जारी, अब तक 27 बच्चों की मौत

अहमदाबाद। गुजरात में चांदीपुरा वायरस से हाहाकार मचा हुआ है। राज्य में अब तक चांदीपुरा वायरस से 27 बच्चों की मौत की खबर है। वहीं राज्य में इसके 71 संदिग्ध मामले सामने आए हैं। सबसे अधिक चांदीपुरा वायरस के 11 मामले पंचमहल में दर्ज हुए हैं7 जबकि उत्तरी गुजरात के साबरकांठा में 8 संदिग्ध मामले सामने आए हैं। 9 महीने से 14 साल तक के बच्चों को अपनी चपेट में लेनेवाले इस वायरस के मामले राज्य में लगातार बढ़ते जा रहे हैं7 गुजरात में अब तक 71 केस दर्ज हो चुके हैं7 जिसमें पंचमहल में 11, साबरकांठा में 8, खेड़ा में 5, जामनगर में 5, गांधीनगर जिले में 5, अरवल्ली में 4, महीसागर में 4, मेहसाणा में 4, मोरबी में 4, अहमदाबाद शहर में 4, गांधीनगर शहर में 2, छोटाउदेपुर में 2, दाहोद में 2, बनासकांठा में 2, वडोदरा शहर, भावनगर, देवभूमि द्वारका, राजकोट शहर, और कच्छ में 1-1 समेत कुल 71 संदिग्ध केस शामिल हैं7 इनमें से अरवल्ली और मेहसाणा में 2-2, साबरकांठा, गांधीनगर, पंचमहल, मोरबी, वडोदरा में 1-1 समेत कुल 9 केस पॉजिटिव मिले हैं। जबकि 71 मामलों में से अरवल्ली, अहमदाबाद शहर, मोरबी में 3-3, साबरकांठा, मेहसाणा, राजकोट, दाहोद में 2-2, महीसागर, सुरेन्द्रनगर, गांधीनगर जिला, गांधीनगर शहर, वडोदरा, देवभूमि द्वारका समेत कुल 27 मरीजों की मौत हो चुकी है।

अच्छी नौकरी के लालच में फंसे 14 भारतीयों को कंबोडिया से कराया मुक्त

नई दिल्ली। कंबोडिया में नौकरी के नाम पर साइबर क्राइम में फंसे 14 भारत के रहने वाले नागरिकों को भारतीय दूतावास की सूचना पर कंबोडिया देश की कानून लागू करने वाली एजेंसियों ने मुक्त कराया है। दूतावास ने कहा कि उसने 650 से ज्यादा भारतीय नागरिकों को मुक्त कराने और वापस भारत भेजने में मदद की है, जो नौकरी के नाम पर ठगों के झांसों में आ गए थे और यहां फंस गए थे। दूतावास ने कहा कि हाल में दूतावास ने कंबोडियाई पुलिस को विशिष्ट सुराग मुहैया कराए थे, जिससे 14 भारतीय पीड़ितों को छुड़ाया जा सका है। भारतीय दूतावास ने एक बयान में कहा कि इन व्यक्तियों की देखभाल वर्तमान में कंबोडिया के सामाजिक मामलों और युवा पुनर्वास मंत्रालय के समन्वय में काम करने वाले एक गैर सरकारी संगठन द्वारा की जा रही है।

रीवा में दो महिलाओं को जिंदा गाड़ा, निजी जमीन पर सड़क बनाने का विरोध करना पड़ा महंगा

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा में जमीनी विवाद के चलते दबंगों ने दो महिलाओं को जिंदा गाड़ने जैसा दुस्साहस कर दिया। यह तो भला हो कि समय रहते दोनों महिलाओं को मुरम से बाहर निकाल लिया गया, लेकिन पीड़ित महिलाओं की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। जानकारी अनुसार रीवा जिले के हिनौता गांव में एक निजी जमीन पर जबरन सड़क निर्माण को लेकर दो पक्षों में विवाद चल रहा है। उनकी जमीन पर सड़क बनाए जाने का विरोध महिलाएं कर रही थीं। इसी दौरान दबंगों ने दोनों महिलाओं के ऊपर सड़क निर्माण में इस्तेमाल में आने वाली मुरुम डाल दी, जिससे एक महिला गले तक और दूसरी महिला कमर के ऊपर तक मिट्टी में धंस गई। बताया जा रहा है कि राजेश सिंह उर्फ छुटकउ अपनी जेसीबी और मुरुम से भरा डंपर लेकर विवादित स्थल पर सड़क बनाने के लिए पहुंचा था। निजी जमीन पर सड़क बनते देख आशा पांडेय और ममता पांडेय ने विरोध किया। दोनों महिलाओं द्वारा किए जा रहे विरोध से नाराज दूसरे पक्ष के गोकर्ण पांडेय, महेंद्र पांडेय, चंद्रभान पांडेय सहित आधे दर्जन से ज्यादा लोगों ने दोनों महिलाओं के साथ मारपीट कर दी। इसी बीच दूसरे पक्ष के लोगों ने दोनों महिलाओं के ऊपर डंपर से मुरुम उड़ेल दिया। इससे एक महिला गले तक जबकि दूसरी महिला कमर तक मुरम में धंस गई। विवाद होने की जानकारी मिलने पर दोनों महिलाओं के परिवार वाले मौके पर पहुंचे और फावड़े की मदद से मुरम में धंसी दोनों महिलाओं को बाहर निकाला। इस घटना का वीडियो भी वायरल हुआ है। गंगेव पुलिस चौकी ने डंपर मालिक समेत मारपीट करने वाले अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। दोनों ही महिलाओं का इलाज करवाया गया है, जिसके बाद हालत ठीक होना बताया है।

मासूम बना रहा रील, पैर फिसला और तड़पने लगा, दोस्त समझे ऐक्टिंग

मुरैना। आजकल रील बनाने का शौक लोगों के सिर चढ़ कर बोल रहा है। लोग इसे बनाने के लिए जोखिम तक उठाते हैं। इस शौक में बड़े ही नहीं बच्चे भी शामिल है। वह भी कम नहीं है। यह शौक कई जाने भी ले चुका है। वहीं एक मामला मध्यप्रदेश के मुरैना इलाके का सामने आया है। जहां एक मासूम की रील बनाते समय दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक 7वीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र का हैरान करने वाला वीडियो ने लोगों का दिल दहला दिया है। रील में छात्र के गले में फंदा नजर आ रहा है और मासूम तड़पता नजर दिख रहा है। बताया जा रहा है कि छात्र गले में फंदा डालकर रील बना रहा था। इसी दौरान उसकी मौत हो गई। 11 साल के मासूम का नाम करण परमार था। बताया जा जा रह है कि शनिवार शाम को वह लेन रोड पर खाली पड़े प्लाट पर अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान रील बनाने के प्रयास में उसकी जान चली गई। हैरानी की बात तो यह है कि इस दौरान उसके आसपास कई बच्चे भी खेल रहे थे। उन्होंने उसे तड़पते हुए भी देखा लेकिन उन्हें लगा कि वह रील बनाने के लिए ऐक्टिंग कर रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि प्लाट पर शीशम के पेड़ पर फंदा लगा है। मासूम गले में फंदा लगाकर तड़पने की एक्टिंग करता दिख रहा है। जबकि कोई बच्चा उसका वीडियो बना रहा है। इसी दौरान करण का दम घुटने लगता है। वह सही में तड़पने लगता है, लेकिन वीडियो बनाने वाले और वहां खेल रहे बच्चों को लगता है कि वह एक्टिंग ही कर रहा है। देखते ही देखते करन बेसुध हो जाता है। यह देखकर बच्चे उसके पास जाते हैं। उन्होंने देखा कोई हलचल नहीं हो रही है जिसके बाद बच्चे डर के मारे वहां से भाग जाते हैं। वीडियो बनाने वाला बच्चा भी मोबाइल छोड़कर भाग जाता है। बताया जा रहा है कि वह घर की नींव के ऊपर उठाई गई दीवार पर खड़ा होकर गले में फंदा डालकर वीडियो बनवा रहा था। तभी उसका पैर फिसलने से रस्सी खींच गई, जिससे बच्चे का दम घुट गया और उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी लगते ही करण के परिजन मौके पर पहुंचे। वह उसे फंदे से उतारकर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हादसे को दावत : बाइक निकलते ही थरथराने लगता है बिहार का पुल

मुजफ्फरपुर(ईएमएस)। देश में सबसे ज्यादा पुल गिरने के मामले में बिहार नंबर वन है। यहां कब कौन सा पुल गिर पड़े कोई नहीं जानता। मजे की बात ये है कि यहां जिम्मेदारों पर कोई कार्रवाई भी नहीं होती। लोग मजाकिया अंदाज में कहने लगे हैं कि जब बागड़ ही खेत खा रही हो तो चरवाह को दोष नहीं होता। मुजफ्फरपुर जिले के मनियारी इलाके के शाहपुर मरिचा के इस अनोखे लोहे के पुल में बताने जा रहे हैं, जो सिर्फ लोहे के दो खम्भे के सहारे टिका हुआ है। पुल काफी जर्जर हो चुका है। लेकिन, ना तो जिला प्रशासन और न ही सरकार इसकी सुध ले रही है। दरअसल मनियारी इलाके के शाहपुर मरिचा गांव में कुढ़नी से जोड़ने वाली प्रमुख सड़क पर बनी ये लोहे की पुल बेहद पुरानी है और जर्जर हो चुकी है। नून नदी से जुड़े नहर पर बने इस पुल से अगर एक बाइक भी गुजरती है तो पुल हिलने लगता है। ऐसे में पुल पार करने पर इसके टूटने का खतरा हमेशा बरकरार रहता है और लोग डरे रहते हैं। स्थानीय लोगों की माने तो ये पुल करीब 35 साल पुराना है और जिस सड़क पर यह पुल बना है। वो बेहद चालू है। स्थानीय ने कहा कि जब चुनाव आता है तो कई बार मंत्री विधायक इधर से आते जाते हैं। हमलोगों ने पुल के पुनः निर्माण की बात कही। लेकिन, आज तक मरम्मत भी नहीं हो सका है। अगर गलती से कोई बड़ी गाड़ी इस पुल से गुजर जाए तो यह कब गिर जाए ये कहा नहीं जा सकता है। छोटे वाहन के गुजरते ही पुल हिलने लगता है। लोग कितनी बार शिकायत किए हैं लेकिन, इसको लेकर अब तक कोई काम नहीं किया गया। वहीं स्थानीय व्यक्ति जितेंद्र कुमार और शशिरंजन ने बताया कि हमलोग भी इस पुल का इस्तेमाल करते हैं।

सर्वदलीय बैठक के दौरान मुद्दों को सोशल मीडिया पर साझा करने के लिए भाजपा ने जयराम रमेश की आलोचना की

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सर्वदलीय बैठक के दौरान विभिन्न दलों द्वारा उठाए गए कुछ मुद्दों को उसी वक्त सोशल मीडिया मंच पर साझा करने के लिए रविवार को कांग्रेस नेता जयराम रमेश की आलोचना की और कहा कि विपक्षी पार्टी को अगली बार ऐसी बैठक में किसी अधिक अनुभवी नेता को भेजने पर विचार करना चाहिए। बैठक में शामिल रमेश ने दावा किया था कि संसद सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में जनता दल (यूनाइटेड) और वाईएसआर कांग्रेस ने क्रमश: बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की लेकिन अजीब बात यह रही कि तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) इस मामले पर चुप रही।

रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आज सदन के नेताओं की सर्वदलीय बैठक में जद (यू) नेता ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की। वाईएसआर कांग्रेस नेता ने आंध्र प्रदेश के लिए विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की। अजीब बात रही कि तेदेपा नेता इस मामले पर चुप रहे। रमेश की सोशल मीडिया पर यह पोस्ट तब आई जब बैठक चल ही रही थी। भाजपा के सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि इन सर्वदलीय बैठकों से जुड़े लोगों का एक खास औचित्य और प्रोटोकॉल होता है। उन्होंने कहा, मीडिया ब्रीफिंग के बाद विचारों का स्वतंत्र और स्पष्ट आदान-प्रदान होता है। लेकिन जयराम रमेश की टाइमलाइन पर एक नजर डालें तो ऐसा लगता है कि वह कार्यवाही को लाइव पोस्ट कर रहे थे।

मालवीय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अगली बार, कांग्रेस को इन बैठकों के लिए किसी अधिक अनुभवी नेता को भेजने पर विचार करना चाहिए। रमेश के पोस्ट का एक राजनीतिक मकसद यह था कि बैठक में शामिल सरकार के दो सहयोगी दलों की मांगों को सामने लाया जाए और सरकार को घेरा जाए। जद (यू) और तेदेपा भाजपा की सहयोगी हैं और दोनों अपने राज्यों के लिए विशेष दर्जे की मांग लंबे समय से करती रही हैं। यह ऐसा मुद्दा है जो केंद्र सरकार के लिए भी मुश्किलें पैदा कर सकता है। अधिकारियों का कहना है कि सरकार द्वारा वित्त आयोग की स्वीकार की गई सिफारिश विशेष दर्जे की संभावना को खारिज करती है। कांग्रेस नेता ने भाजपा की एक अन्य सहयोगी पार्टी तेदेपा पर भी निशाना साधा और कहा कि एक तरफ बैठक में जहां वाईएसआर कांग्रेस ने विशेष दर्जे की मांग उठाई वहीं आंध्र प्रदेश की सत्तारूढ़ तेदेपा ने इस मुद्दे पर चुप्पी साध ली।

दुकानदार का नाम लिखने का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, आज सुनवाई

नई दिल्ली। कांवड़ यात्रा के दौरान मार्ग की दुकानों पर मालिकों, कर्मचारियों के नाम और मोबाइल नंबर लिखे जाने वाले आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया है। एसोशिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स नाम के एनजीओ ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल कर यूपी सरकार के आदेश को रद्द करने की मांग अदालत से की है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में शनिवार 20 जुलाई को सुबह 6 बजे ऑन लाइन याचिका दायर की गई थी, जिस पर सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री ने उसी दिन मामले को सुनवाई के लिए लिस्ट कर दिया है। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में सोमवार 22 जुलाई को जस्टिस ऋषिकेश रॉय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच कर सकेगी। यहां बतलाते चलें कि मुजफ्फरनगर जिले में 240 किलोमीटर लंबे कांवड़ यात्रा मार्ग के दोनों ओर बनीं सभी होटलों, ढाबों और ठेलों सहित रेस्त्रां को अपने मालिकों या इन दुकानों पर काम करने वाले कर्मचारियों के नाम लगाने का आदेश दिया गया था। इस पर विवाद भी हुआ, लेकिन इसके कुछ दिन बाद ही शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार ने पूरे राज्य के लिए ऐसा ही आदेश जारी कर दिया। अब अन्य राज्यों में भी इसका असर देखने को मिल रहा है, जिसे लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया है।

ढाबों पर नेमप्लेट के बहाने सियासत गर्माई, भाजपा ने ओवैसी को बताया जिन्ना

कोलकाता (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा मार्ग पर पड़ने वाली दुकानों में नेमप्लेट लगाने का फैसला राज्य सरकार ने किया है। इस फैसले का जमकर विरोध हो रहा है। कोई भेदभावपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगा रहा है तो कोई देश के सद्भाव को खतरा बता रहा है। कुल मिलाकर आपसी टकराव की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है। इसके बाद भी विपक्षी दल और मुस्लिम संगठन इसे भेदभावपूर्ण बता रहे हैं। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा यह भारत में मुस्लिमों के खिलाफ घृणा को दिखाता है। ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, उत्तर प्रदेश के कांवड़ रूट में डर का माहौल है। यह भारतीय मुसलमानों के प्रति घृणा की असलियत है। इस तरह का माहौल बनाने की जिम्मेदारी राजनीतिक दलों की है। इस काम में तथाकथित सेक्युलर पार्टियां भी शामिल हैं। ओवैसी ने एक अंडे की रेहड़ी की तस्वीर भी शेयर की। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी चीफ सुकांता मजूमदार ने कहा कि विपक्ष लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि इसी तरह का नोटिफिकेशन समाजवादी पार्टी की सरकार में भी जारी किया गया था। उन्होंने कहा, ओवैसी पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना की भूमिका निभा रहे हैं।

मजूमदार ने कहा, विपक्ष झूठ बोलकर लोगों को गुमराह कर रहा है। इसी तरह का नोटिफिकेशन मुलायम सिंह यादव की सरकार में भी जारी किया गया था। अखिलेश यादव की सरकार ने भी इस तरह के नियम बनाए थे। यह एक रूटीन काम है। कानून के मुताबिक जिसके नाम पर रजिस्ट्रेशन है उसका नाम जरूरी है। जो हिंदू नॉन बेज खाते हैं वे मुस्लिमों की दुकानों पर जाते हैं। पश्चिम बंगाल में हम ऐसी बहुत सारी दुकानों पर जाते हैं जिनके मालिक मुसलमान हैं। विपक्ष लोगों को बांटने की कोशिश कर रहा है और असदुद्दीन ओवैसी जिन्ना की भूमिका निभा रहे हैं। पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने कहा कि अब बीजेपी का अगला टारगेट दलित होने वाले हैं। उन्होंने कहा, पहले बीजेपी ने मुस्लिमों के अधिकारों के साथ छेड़छाड़ की। इसके बाद वे दलितों और पिछड़ों पर हमला करेंगे क्योंकि वे एक अलग सिस्टम बनाना चाहते हैं। उत्तर प्रदेश में किया गया फैसला संविधान के खिलाफ है। यूपी सरकार के इस फैसले को लेकर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने भी हमला बोलो और कहा कि बीजेपी को इससे कोई फायदा नहीं होगा। ये लोग केवल देश को तोड़ने में लगे हैं।वहीं राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि इस तरह के अजेंडे केवल देश को बांटने का काम करेंगे। उन्होंने कहा, यूपी में कांवड़ यात्रा रूट पर रेहड़ी वालों को भी मालिक के नाम की नेमप्लेट लगानी होगी। क्या यही विकसित भारत का रास्ता है? इस तरह के अजेंडे से देश बंटेगा। जमायत उलेमा ए हिंद चीफ मौलाना अर्शद मदनी ने कहा कि यह सांप्रदायिक फैसला है और इससे देश विरोधी तत्वों को मौका मिल जाएगा।

सीएम फेस बिना ही चुनाव मैदान में उतरेगा महायुति गठबंधन

-सीट बंटवारे को लेकर खींचतान, शिंदे खेमा भी नाराज

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति गठबंधन बिना मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किए ही मैदान में उतरेगा। बिजेपी के वरिष्ठ पदाधिकारी की मानें तोभाजपा कुल 288 विधानसभा सीटों में से कम से कम 160 सीटों पर दावा पेश करने जा रही है। मुख्यमंत्री और सीटों के बंटवारे को लेकर भाजपा ने एक तरह से शिवसेना और एनसीपी खेमे को नाराज करने का काम किया है।

वैसे बिजेपी पदाधिकारी तो यही कह रहे हैं कि पार्टी ने काफी सोच-विचार के बाद यह फैसला लिया है। इसके चलते ही महायुति के किसी भी नेता एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फडणवीस या अजित पवार मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतारे नहीं जाएंगे। विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद मुख्यमंत्री का फैसला लिया जाएगा। दरअसल हाल ही में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा ने किसी भी नेता को बतौर मुख्यमंत्री उम्मीदवार मैदान में नहीं उतारा और परिणाम बेहतर देखने को मिले हैं। अब महाराष्ट्र में भी यही प्रक्रिया अपनाई जाएगी। यहां कहा जा रहा है कि सीट बंटवारे का फॉर्मूला जो भी हो, लेकिन भाजपा कम से कम 160 सीटों पर दावा करेगी। भाजपा पदाधिकारी इस पर कम से कम 100 से ज्यादा सीटें जीतने का दावा कर रहे हैं। अब चूंकि भाजपा पहले ही कह चुकी है कि यदि वह सबसे ज्यादा सीटें जीतती है तो उसका उम्मीदवार सीएम पद पर दावेदार होगा, वहीं दूसरी तरफ शिवसेना का कहना था कि चूंकि शिवसेना में विद्रोह के बाद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में महायुति सरकार बनी थी, इसलिए शिवसेना चाहे जितनी भी सीटें जीत ले, शिंदे ही मुख्यमंत्री के दावेदार होंगे। वहीं एनसीपी नेता का कहना है कि उनकी पार्टी 100 सीटों की दावेदारी करेगी और शिवसेना भी बराबर सीटों की मांग करेगी। ऐसे में सीट बंटवारे को लेकर समझौता होना मुश्किल ही लगता है, हां यदि 80-80 सीटों पर समझौता किया जाए तो कुछ हल निकल सकता है। वैसे इन सब का अंतिम फैसला केंद्रीय नेतृत्व को करना है, जो कि दिल्ली में आयोजित होने वाली बैठक में किया जा सकता है।

बंदूकबाज पूजा की मां बोली- जेल में समय पर खाना तक नसीब नहीं होता और कमरे में सीड़न की वजह से नींद नहीं आती

पुणे (एजेंसी)। लक्सौरियस लाइफ स्टाइल में रहने वाली प्रशिक्षु आईएएस पूजा की मां मनोरमा खेडकर की हेकड़ी उतरने लगी है। खेत पर जाकर किसानों को बंदूक की नोक पर हड़काने वाली मनोरमा अब जेल में हैं और उन्हे एक छोटे से कमरे में रखा गया है। मनोरमा ने अदालत को बताया कि न तो समय पर भोजन मिलता है और न ही नींद पूरी होती है। कमरे में सीड़न की बदबू आती है। कोर्ट में बोलते हुए मनोरमा खेडकर ने जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, मुझे जेल में समय पर चाय और खाना नहीं दिया जाता। सुबह की चाय 9 बजे और रात का खाना देर रात डेढ़ बजे दिया जाता है। वहीं, मुझे सोने के लिए जो कमरा दिया गया था वह भी गीला है। इस बीच पुलिस ने मांग की थी कि मनोरमा खेडकर की हिरासत बढ़ाई जाए क्योंकि मनोरमा खेडकर मामले में अभी और जांच की जानी है। इसी सिलसिले मे कल यानी शनिवार को मनोरमा खेडकर को कोर्ट ले जाया गया, इस बार उन्होंने कोर्ट को बताया कि कैसे जेल में उनके साथ नाइंसाफी हो रही है। मनोरमा खेडकर की 2 दिन की और पुलिस हिरासत मांगी गई। पुलिस का कहना है कि वह इस बात की जांच करना चाहती है कि जिस जगह पर वारदात हुई, वहां कंटेनर का मालिक कौन था। साथ ही पुलिस का आरोप है कि इस मामले में गिरफ्तार मनोरमा खेडकर और दो अन्य आरोपी जांच में किसी भी तरह से सहयोग नहीं कर रहे है। इन मामलों में जान से मारने की कोशिश की धारा 307 लागू नहीं होती। इसलिए आरोपी के वकील ने दलील दी कि पुलिस हिरासत नहीं बढ़ाई जानी चाहिए। इसी बीच कोर्ट ने इस पर फैसला सुनाया है। मनोरमा खेडकर की पुलिस हिरासत दो दिन बढ़ा दी गई है। मनोरमा के आरोपों से जुड़े सीसीटीवी फुटेज की जांच अगली सुनवाई में की जाएगी।

मच्छरों की वजह से सालाना 7 लाख 25 हजार लोगों की मौत

-इंसानों के लिए है यह सबसे खतरनाक जीव

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंसानों के लिए सबसे खतरनाक जीव की बात की जाए, तो उसका नाम जानकर आपको हैरानी होगी। कुछ महीने पहले ही खतरनाक जीवों की एक लिस्ट जारी की थी। इस लिस्ट में बाघ तो टॉप 10 में भी जगह बनाने से चूक गया। वहीं, शेर, चीता, सांप, बिच्छू ये भी इंसानों की जान लेने में पिछड़ गए।

बता दें कि ये एक छोटा सा जीव है, जो हमारे घरों में भी पाया जाता है। इस जीव का नाम मच्छर है, जो न सिर्फ हमारा खून चूसकर खुद जिंदा रहता है, बल्कि वो ऐसा करके हमें मार डालता है। जानकारी के मुताबिक, मच्छरों की वजह से हर साल 7 लाख 25 हजार से ज्यादा लोग दुनियाभर में मारे जाते हैं। इन मच्छरों की वजह से डेंगू से लेकर मलेरिया जैसे रोग होते हैं। अगर सही समय पर इसका इलाज न किया जाए तो ये धीरे-धीरे इंसान को मौत की आगोश में खींच लेते हैं। ऐसे में मच्छर को कम आंकने की गलती बिल्कुल नहीं करना चाहिए। हमें इससे सावधान रहने की जरूरत है। मौत के आंकड़ों के मुताबिक, ये इंसानों के लिए सबसे खतरनाक माना जाता है।वहीं, मच्छरों के बाद अगर कोई दूसरा जीव इंसानों के लिए खतरनाक है तो वह कोई और नहीं, इंसान खुद है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, दुनियाभर में इंसान सालाना लगभग 4 लाख लोगों को मौत के घाट उतार देता है। यह सिर्फ सामान्य अपराधों का मामला है। इसमें जंग और अन्य अपराध से जुड़ी हत्याएं शामिल नहीं हैं। वहीं, तीसरे नंबर पर कोबरा-करैत, ताइपन जैसे सांप हैं, जिससे 1 लाख 38 हजार लोग हर साल मरते हैं। वहीं, चौथे नंबर पर कुत्ते हैं। जी हां, हम इसे अपने घरों में पालते हैं, लेकिन ये इंसानों का हत्यारा भी है। रिपोर्ट के मुताबिक, 60 हजार लोग दुनियाभर में कुत्तों की वजह से अपनी जान गंवाते हैं, जबकि पांचवें नंबर पर असैसिन बग नाम का एक कीड़ा है, जो हर साल 10 हजार से ज्यादा लोगों की जान लेता है। यह लोगों का खून चूसता है, जिससे एक खतरनाक बीमारी हो जाती है। इंसानों के लिए सबसे खतरनाक जीवों की लिस्ट में बिच्छू छठवें पायदान पर है, जिसकी वजह से हर साल 35 सौ लोग मारे जाते है। सातवें नंबर पर मगरमच्छ, आठवें नंबर पर हाथी शामिल है।

हाथी की वजह से भी हर साल सैकड़ों लोग मारे जाते हैं। वहीं, 9वें नंबर पर हिप्पो यानी दरियाई घोड़ों का नाम शामिल है। मूल रूप से अफ्रीका में पाया जाने वाला यह जीव हर साल 600 लोगों की जान ले लेता है। 10वें नंबर पर जंगल का राजा शेर है। चीता से लेकर बाघ तक टॉप 10 में शामिल नहीं हैं। मालूम हो कि दुनियाभर में एक से बढ़कर एक खतरनाक जीव हैं, जो पलभर में किसी को भी मौत के घाट उतार सकते हैं। शेर से लेकर चीता तक, सांप से लेकर बिच्छू तक। ये वैसे जीव हैं, जो अपने पंजे से किसी को शिकार बना लेते हैं, तो कोई अपने जहर से मौत की नींद सुला सकता है।

गोंडा ट्रेन हादसा: जांच टीम ने पटरी ठीक से कसी नहीं होने को माना हादसे का कारण

-41 रेल कर्मियों को किया तलब, बयान के बाद गिर सकती है गाज

गोंडा (एजेंसी)। यूपी के गोंडा जिले में गुरुवार को चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जा रही ट्रेन के 12 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। इस घटना में चार लोगों की मौत हुई थी और कई घायल हो गए थे। इस हादसे की जांच कर रही टीम ने अपनी जांच पूरी कर ली है। टीम ने इस हादसे का कारण लापरवाही बताया है। उन्होंने पटरी ठीक से कसी नहीं होने को जिम्मेदार माना है।

जानकारी के मुताबिक जांच कर टीम के एक सदस्य इस दावे से सहमत नहीं हैं। उत्तर पूर्व रेलवे जोन के मुख्य जन संचार अधिकारी ने कहा कि संयुक्त जांच रिपोर्ट के आधार पर निष्कर्ष तक पहुंचना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त की ओर से जांच पहले ही शुरू हो चुकी है और इसकी सुनवाई भी हो चुकी है। यह तकनीकी विशिष्टताओं और सूक्ष्म विवरणों के साथ दुर्घटना के हर पहलू का विवरण देगी। जांच में कई महत्वपूर्ण चीजें सामने आई है।

जांच रिपोर्ट में बताया गया कि जांच टीम लखनऊ डिवीजन, जिसके अंतर्गत यह सेक्शन आता है, के वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (एसएसई) ने दोपहर 1:30 बजे आईएमआर दोष का पता लगाया और चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस ने 2:28 बजे मोतीगंज स्टेशन को पार किया। इसमें कहा गया कि दोपहर 2:30 बजे मोतीगंज स्टेशन मास्टर को खराब स्थान से ट्रेनों को पार करने के लिए गति नियंत्रित करने को कहा गया था। उसके मुताबिक खराब स्थान से 30 किमी प्रति घंटे की गति से ही ट्रेन को पार कराया जाना था।

रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रेन दोपहर 2:31 बजे बेपटरी हुई, जब इंजन खराब जगह से गुजरा। वहीं, रेल कर्मचारी ट्रैक को गिट्टी व मिट्टी डालकर नमी के स्थानों को ढक रहे थे। जलभराव छिपाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन इसके बावजूद वहां पर नमी दिखाई दी। माना जा रहा है कि जलभराव के चलते ही ट्रैक कमजोर हुआ और बड़ी दुर्घटना हो गई। इस मामले में गोंडा, डिब्रूगढ़ व गुवाहाटी के 41 रेल अधिकारी व कर्मचारी रविवार को डीआरएम दफ्तर लखनऊ में तलब किए गए हैं। माना जा रहा है कि बयान दर्ज होने के बाद कई लोगों पर गाज गिर सकती है।

एक घंटा पहले पता चल गई थी ट्रैक की गड़बड़ी

गोंडा जिले में चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने की वजह सामने आ गई है. हादसे की जांच रिपोर्ट में रेलवे के इंजीनियरिंग सेक्शन की लापरवाही के चलते डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन के बेपटरी होने की बात कही गई है। इसमें कहा गया है कि जिस जगह पर ट्रेन बेपटरी हुई, वहां ट्रैक में चार दिन से गर्मी में पटरी में फैलाव होना हो रहा था। डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले झिलाही के कीमैन का काम देख रहे रेलवे कर्मी ने जूनियर इंजीनियर को फोन पर रेल ट्रैक कमजोर होने की बात बताई थी। सेक्शन अधिकारियों ने ट्रैक पर सावधानी बरतने के लिए कोई संदेश नहीं लगाया, जिससे अपनी फुल स्पीड में चल रही डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस हादसाग्रस्त हो गई। रेलवे द्वारा गठित जांच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में लखनऊ रेलवे डिवीजन के अंतर्गत आने वाले झिलाही सेक्शन के इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट को इस हादसे के लिए जिम्मेदार ठहराया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रेल ट्रैक की चौड़ाई ठीक नहीं थी। मतलब गर्मी के कारण फैलने से ट्रैक ढीला हो गया था और उसे ठीक से कसा नहीं गया था।